शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एनआईए जांच में पाकिस्तान और आईएसआईएस से संबंध का खुलासा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 16 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-316

अमेरिकी दस्तावेजों से हुआ खुलासा : नेहरू के कारण बना पीओके

जम्मू कश्मीर की सूरत अनुच्छेद 370 हटने के बाद बदल गई है। एक ओर आतंकी हमलों में कमी आई है तो वहीं दूसरी तरफ युवाओं का आतंक के प्रति भी रुझान लगभग खत्म होने की ओर है। जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ रही है। हमेशा अशांत रहने वाली घाटी अब शांति के दौर में लौट रही है। पूरे देश और दुनिया के सामने साफ हो गया है कि यह अनुच्छेद 370 ही था जो विशेष दर्जे के नाम पर जम्मू कश्मीर को भारत से अलग करता था। लेकिन अनुच्छेद 370 की वापसी को लेकर जम्मू कश्मीर के लोगों में भ्रम पैदा कर सियासत की रोटी सेंकने वाली कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस दोनों साथ-साथ शामिल हैं। दोनों गठबंधन में शामिल हैं, दोनों गिरोहबंधन में शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर को लेकर कांग्रेस का रवैया आज से नहीं बल्कि आजादी के बाद से ही सही भारत विरोधी रहा है। इसी कड़ी में एक आधिकारिक दस्तावेज से पता चला है कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू

कश्मीर के विलय का प्रस्ताव टाल रहे थे जवाहरलाल नेहरू

1960 के दशक में पाक अधिकृत कश्मीर से भारत का दावा छोड़ना चाहते थे। नेहरू पाकिस्तान से समझौता करने के लिए इन इलाकों पर से दावा छोड़ने के लिए तैयार थे और सीमा विवाद का निपटारा चाहते थे। उन्होंने अपनी यह इच्छा एक अमेरिकी राजनयिक से बताई थी।

मार्च 1961 में अमेरिका के राजनयिक

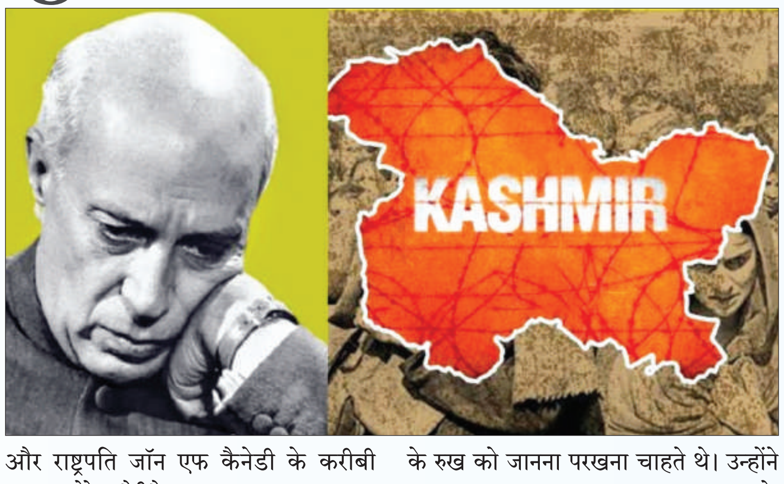

और राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के करीबी डब्लू अवेरेल हैरीमैन भारत की यात्रा पर आए थे। वह इस दौरान चीन और पाकिस्तान को लेकर भारत के रुख को जानना परखना चाहते थे। उन्होंने भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नेहरू से मुलाकात की थी और उस दौरान पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद और कश्मीर पर चर्चा भी की थी। हैरीमैन ने 23 मार्च 2024 को नेहरू से मुलाकात की थी और इस बारे में उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी को एक टेलीग्राम

शुभ-लाभ सरोकार

समझौते में पाकिस्तान को पीओके देने पर आमादा थे नेहरू

भी भेजा था। यह टेलीग्राम अमेरिकी विदेश विभाग की वेबसाइट पर मौजूद है।

इस टेलीग्राम में हैरीमैन लिखते हैं, उन्होंने (नेहरू ने) भारत-पाकिस्तान संबंधों पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि कश्मीर बुनियादी तौर पर दोनों के बीच विभाजन का कारण है। उन्होंने पाकिस्तानी राजनेताओं पर इस मुद्दे को लगातार उछालते रहने का आरोप लगाया और कहा कि वह वर्तमान की ही स्थिति के अनुसार सीमाओं पर समझौता करने के लिए तैयार हैं। हैरीमैन के अनुसार, नेहरू 1961 की स्थिति को स्वीकार करने को राजी थे। ध्यान देने वाली बात है कि 1961 में कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के बड़े हिस्से पर पाकिस्तान कब्जा कर चुका था। यानी प्रधानमंत्री नेहरू पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद सुलझाने के लिए यह भी स्वीकार करने को राजी थे कि जम्मू-कश्मीर का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को मिल जाए। इसका अर्थ है कि नेहरू पाकिस्तान के अवैध कब्जे का विरोध नहीं करना चाहते थे, बल्कि उनके दिमाग में यह था कि किसी तरह समझौता हो जाए। जवाहरलाल नेहरू पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर दावा क्यों छोड़ना चाहते थे, यह कश्मीर पर उनके द्वारा उठाए गए पूर्व के ▶10 पर

जनजातीय गौरव दिवस पर आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ

जिन पिछड़ी जनजातियों को पूछा नहीं गया, उसे मोदी पूजता है

एनडीए का सौभाग्य है कि द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया

देश आदिवासी भाइयों का बलिदान कभी नहीं भूल सकता

जमुई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमुई से धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने इस अभियान के माध्यम से आदिवासी समाज के विकास के लिए 8500 करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात दी।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने मातृभाषा में परीक्षा के विकल्प दिए। इन फैसलों ने आदिवासी बच्चों के सपनों को पंख दिए हैं। आदिवासी युवाओं ने इंटरनेशनल टूर्नामेंट में देश को मेडल

दिलाया। खेलो इंडिया अभियान के तहत आदिवासी इलाकों में खेल के मैदान बनाए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने आदिवासी विरासत को सहेजने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। अनेक आदिवासियों को पद्म पुरस्कार से नवाजा गया। भगवान बिरसा मुंडा के संग्रहालय को आप सभी जरूर देखें। आज आदिवासी विरासत को सहेजने के लिए कई संग्रहालय और रिसर्च सेंटर का शुभारंभ हुआ। सिक्का और डाक टिकट जारी किए गए।

पीएम मोदी ने कहा कि यह देश आदिवासी भाइयों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकता है। एनडीए का सौभाग्य है कि द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने का काम किया। सीएम नीतीश बाबू ने पूरे देश से उन्हें जिताने की अपील की थी। द्रोपदी मुर्मू जब राष्ट्रपति बनीं तो वह अतिपिछड़ी आदिवासियों का जिक्र किया करती थीं। इनके बारे में पिछली सरकारें नहीं सोचती थी। इनके लिए पीएम जनमन योजना शुरू की गई। ▶10 पर

पीएम का हेलीकॉप्टर खराब, दूसरे विमान से दिल्ली लौटे

जमुई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उन्हें देवघर से दूसरे विमान से दिल्ली रवाना होना पड़ा। पीएम मोदी को जमुई में रैली को संबोधित करने के बाद भारतीय वायु सेना के विमान से नई दिल्ली लौटना था, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। पीएम मोदी को जमुई से 80 किलोमीटर दूर देवघर आना पड़ा, जहां वे दूसरे विमान से दिल्ली लौटे।

लॉटरी माफिया सैंटियागो मार्टिन के 20 ठिकानों पर ईडी का छापा

कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी को धन देता है मार्टिन

सीएम स्टालिन के पिता करुणानिधि भी खाते थे मार्टिन का पैसा

डीएमके का रणनीतिक सलाहकार था मार्टिन का दामाद आधव

चेन्नई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। चुनावी बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को 1,300 करोड़ का चंदा देकर सुर्खियों में आए लॉटरी सरगना सैंटियागो मार्टिन के कई राज्यों में 20 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा। लॉटरी किंग के नाम से विख्यात मार्टिन के ऊपर धोखाधड़ी और लॉटरी की अवैध बिक्री के कई मामले दर्ज हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सैंटियागो मार्टिन के खिलाफ धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) से जुड़े विभिन्न मामलों की जांच के सिलसिले में कई राज्यों में छापे मारे। सैंटियागो मार्टिन के अलावा उसके दामाद आधव अर्जुन और अन्य सहयोगियों के कम से कम 20 परिसरों की तलाशी ली गई। लॉटरी में धोखाधड़ी और अवैध बिक्री के मामलों में मार्टिन पर कई एफआईआर दर्ज हैं। इसी आधार पर

गुरुवार सुबह ईडी ने उसके कारोबारी साम्राज्य के खिलाफ व्यापक कार्रवाई में तमिलनाडु के चेन्नई, कोयंबटूर, हरियाणा के फरीदाबाद, पंजाब के लुधियाना और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में छापे मारे। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल में ईडी को मार्टिन के खिलाफ जांच आगे बढ़ाने की अनुमति दी थी। मार्टिन का दामाद भारतीय बास्केटबॉल महासंघ का अध्यक्ष भी है।

ईडी ने बीते वर्ष केरल में लॉटरी बिक्री में धोखाधड़ी कर सिक्किम सरकार को 900 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान पहुंचाने के मामले में मार्टिन की करीब 457 करोड़ रुपए की सम्पत्ति अटैच की थी। ताजा कार्रवाई मार्टिन के खिलाफ पुलिस की कई एफआईआर पर संज्ञान लेकर की गई। मार्टिन की कंपनी फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सिक्किम लॉटरी की प्रमुख वितरक है। ▶10 पर

कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में मुस्लिम आईपीएस पर जुल्म क्यों?

मुस्लिमों के खैरख्वाह इल्मा अफरोज पर चुप क्यों?

मुरादाबाद, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में यूपी के मुरादाबाद की रहने वाली आईपीएस अफसर इल्मा अफरोज को प्रताड़ित करने और उन्हें लंबी छुट्टी पर भेजे जाने का मामला सियासी तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपा ने इसे कांग्रेस-सपा के खिलाफ चुनावी मुद्दा बनाया है। सपा ने राहुल गांधी से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

हिमाचल प्रदेश कैडर की आईपीएस अधिकारी इल्मा अफरोज को प्रताड़ित करने और उन्हें लंबी छुट्टी पर भेजने का मुद्दा अब सियासी रुख अख्तियार करता जा रहा है। भाजपा इस मुद्दे पर कांग्रेस और सपा को

यूपी उपचुनाव में इल्मा अफरोज की प्रताड़णा अहम मुद्दा बना

कटघरे में खड़ा कर विधानसभा उपचुनाव में राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। कुंदरकी से भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह ने सपा और कांग्रेस को घेरते हुए टिप्पणी की है।

इस मुद्दे पर भाजपा के साथ सपा भी खड़ी हो गई है। सपा के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस मामले में राहुल गांधी को दखल देने की मांग उठाई है। कुंदरकी निवासी इल्मा अफरोज 2017 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। करीब आठ महीने पहले उनकी तैनाती बद्दी जनपद में एसपी के रूप में हुई थी। ▶10 पर

यौन तस्करी पर सरकार की उपेक्षा से सुप्रीम कोर्ट नाराज

पीड़ितों के पुनर्वास के लिए कुछ नहीं कर रही सरकार

केंद्र सरकार से शपथपत्र पर जवाब देने को कहा

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन तस्करी की रोकथाम और भुक्तभोगियों को पुनर्वास को लेकर सरकार के लचर रवैये पर नाराजगी जताई है। शीर्ष अदालत ने केंद्र से इस मामले पर विचार करने को कहा है और एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन तस्करी के पीड़ितों के लिए एक मजबूत पुनर्वास ढांचे की निहायत कमी है। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र से इस मामले में जवाब मांगा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने कहा, मानव और यौन तस्करी ऐसे अपराध हैं, जो लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हैं और उनके जीवन, स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सुरक्षा का हनन करते हैं। खासतौर पर महिलाएं और बच्चे ऐसे अपराधों के शिकार होते हैं। यौन तस्करी के पीड़ितों को शारीरिक और मानसिक रूप से कई प्रकार के नुकसान और हिंसा को ▶10 पर

यूपी में मीट का धंधा बहुत ही गंदा

फर्जी खाते खोल कर निकाल लिए 143 करोड़

लखनऊ, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश से बीफ के निर्यात में आई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी के बाद सतर्क हुई सरकार ने व्यापक पैमाने पर जांच पड़ताल शुरू कराई है। इस गंदे धंधे में सत्ताधारी नेता, शासन के अफसर और सफेदपोश शामिल हैं। मीट के कारोबारी व्यापक पैमाने पर

जांच से हो रहे हैं कई महत्वपूर्ण खुलासे

मनी लॉन्ड्रिंग भी कर रहे हैं। जांच में सामने आया है कि मीट निर्यात करने वाली कंपनियों ने बड़े पैमाने मनी लांड्रिंग को अंजाम दिया है। यह भी पता चला है कि फर्जी खाते खोलकर 143 करोड़ रुपए निकाल लिए गए हैं। आयकर विभाग की जांच में ऐसे कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

बरेली की मीट कारोबारी कंपनियों मारिया फ्रोजन और रहबर फूड्स द्वारा बड़े पैमाने पर मनी लांड्रिंग करने की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) करने जा रहा है। इसके पुख्ता सुराग आयकर विभाग को मिले थे। दोनों कंपनियों की जांच में सामने आया था कि उन्होंने अपने करीबी की मदद से कई शेल कंपनियां खोली, जिसके कर्मचारियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खोले गए। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 24^0

घुसपैठियों ने झारखंड में कैसे बदले हालात, स्थानीय लोगों ने बताई व्यथा

पहले यहां जंगल था, अब यहां सिर्फ मुसलमानों के घर हैं

अब एसटी के लिए कोई जगह नहीं बची, हड़प रहे जमीनें

संथाल परगना, 15 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में 13 नवंबर 2024 को एक चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में घुसपैठ का मुद्दा फिर उठाया। उन्होंने जनता को समझाया कि कैसे राज्य में बढ़ रही विदेशी घुसपैठियों की तादाद झारखंडियों की पहचान बदलने की एक साजिश है और इन घुसपैठियों को बल झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस से मिला है। उन्होंने बताया कि जेएमएम और कांग्रेस ने इन घुसपैठियों को झारखंड में स्थानीय बनाया, फिर यहां बसकर इन्होंने जनजातीय लड़कियों को ठगा और उनसे शादी करके न केवल झारखंडियों की जमीनें हड़पीं बल्कि रोजी रोटी तक छीन ली। पीएम मोदी कहते हैं कि बावजूद इतना सब होने के राज्य सरकार ने कोर्ट में दोहरा रवैया दिखाते हुए कहा कि झारखंड में कोई घुसपैठ हुई ही नहीं है।राज्य की सोरेन सरकार इस गंभीर मुद्दे से जहां

आंख मूंदे बैठी है वहीं भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में इस समस्या से निपटने का वादा किया है। उन्होंने अपने संकल्प पत्र में झारखंड में उद्योगों, खदानों के कारण विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए आयोग का गठन करने को तो कहा ही है। साथ ही भाजपा ने झारखंड में घुसपैठियों से जमीन वापस लेने के लिए कानून बनाने, हिंदुओं पर होने वाले हमले, अत्याचार और चरम पर पहुँचे तुष्टीकरण को रोकने का वादा भी किया है। भाजपा के इस प्रकार इस मुद्दे के उठाने के बाद घुसपैठ की हकीकत पर स्थानीय भी मुखर होकर बोलने लगे हैं। बीते कई दिनों से ऐसी कई रिपोर्टें आई जिनमें स्थानीयों ने बदलती डेमोग्राफी और उससे उत्पन्न समस्याओं को खुलकर मीडिया के सामने रखा। झारखंड के विभिन्न जिलों में हो रही अवैध घुसपैठ की त्रासद तस्वीरें आईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि घुसपैठिए झारखंड के जनजातीय जिलों को निशाना बना रहे हैं। वो केवल फर्जी आधार कार्ड लेकर राज्य में नहीं घुस रहे बल्कि उनका मकसद तो जमीनें हड़पना और लोगों में डर बैठाना है। पहले उनके निशाने पर सिर्फ जनजातीय समाज था, मगर अब उनकी बढती आबादी का असर हिंदुओं पर भी पड़ रहा है। एक स्थानीय महिला ने बताया, पहले यहां जंगल हुआ करता था, लेकिन अब यहां सिर्फ मुसलमानों के घर हैं। यहां महिलाएं नौकरी की तलाश में जाती हैं, बदले में उन्हें अपनी जमीन देने को कहा जाता है।

▶10 पर

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर शत्रुंजय महातीर्थ भाव यात्रा आयोजित

दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में सफलतम चातुर्मास सम्पन्न करने के पश्चात मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वीजीवर्या प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी को दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित की गई। इससे पूर्व प्रातः कार्तिक पूर्णिमा के उपलक्ष्य में शत्रुंजय गिरिराज की भाव यात्रा बहुत ही भावपूर्वक करवाई गई।

इस अवसर पर गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि इस चातुर्मास में युवावर्ग को जोड़ने की एक चुनौती थी, जिसमें हमें सफलता मिली है। आगे भी इसी तरह युवावर्ग को जुड़ने का आह्वान किया। साध्वी प्रियस्वर्णांजना श्री जी ने ट्रस्ट मंडल को बहुत ही अच्छी वैयावच्च हेतु साधुवाद दिया और आशीर्वचन देते हुए कहा कि आगे भी ट्रस्ट मंडल इसी तरह सेवा में जुड़कर देशभर में अपनी अलग ही पहचान बनाए रखे।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सकल संघ की ओर से गुरुदेव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चातुर्मास के दौरान आपके उच्च अध्ययन होते हुए भी इतनी सुन्दर ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय की आराधना करवाई गई। संघवी तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि इतनी छोटी वय में भी आपने इतने श्रुतज्ञान की आराधना की है।

महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि गुरुदेव और गुरुवर्याजी ने चातुर्मास के दौरान इतनी सुन्दर आराधना में सभी को जोड़ा और अनेक अनुष्ठान सफलतापूर्वक करवाए। उन्होंने गच्छाधिपति जी गुरुवर से आगामी 2025 के चातुर्मास बसवनगुड़ी में करने की बात रखी। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए गुरुदेव और गुरुवर्या के सफलतम चातुर्मास पूर्ण होने पर भावपूर्ण अभिव्यक्ति प्रदान की। खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने कृतज्ञ हैं हम गुरु आपके, आंखें भी हुई है नम गीतिका प्रस्तुत की। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि गुरुदेव हमें अंधकार से दूर करके प्रकाश की ओर ले जाते हैं और गुरु ही हमें जीवन में सही मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस अवसर पर नितेश बोहरा, यशोदा गुलेच्छा, पवनी बाफना, ललिता पालरेचा आदि सदस्यों ने भी अपनी भावपूर्ण गीतिकाएं और विचार प्रस्तुत किए। भरत गटागट और हीराचन्द बुरड़ परिवार की ओर से शनिवार को चातुर्मास परिवर्तन के उपलक्ष्य में गुरुदेव, गुरुवर्या के साथ सकल संघ से अपने निवास पर पधारने की विनती की। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से विपिन गुरुजी का अभिनन्दन बहुमान किया गया। इस अवसर पर रंजीत ललवानी, पुखराज कवाड, प्रकाश भन्साली, पारसमल पगारिया के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

नम आंखों से साधु भगवंतो को दी विदाई

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी बंधु त्रिपुटी मुनिराज शुक्रवार को पार्श्वनाथ जैन मंदिर के दर्शन वंदन कर विहार शुरू किया। विहार के पूर्व संघ के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा शान्ति की खोज में चलने वाले पथिक को यह जान लेना चाहिए कि अकेले रहने या जंगल पर्वतों में निवास करने से शांति का कोई सम्बन्ध नहीं। यदि ऐसा होता, तो अकेले रहने वाले जीव जन्तुओं को शान्ति मिल गई होती और जंगल पर्वतों में रहने वाली अन्य जातियाँ कब की शान्ति प्राप्त कर चुकी होती। अशान्ति का कारण है आन्तरिक दुर्बलता। स्वार्थी मनुष्य बहुत चाहते हैं और उसमें कमी रहने पर खिन्न होते हैं। अहंकारी का क्षोभ ही उसे जलाता रहता है। कायर मनुष्य हिलते हुए पत्ते से भी डरता है और उसे अपना भविष्य अन्धकार से घिरा दीखता है। असंयमी की तृष्णा कभी शान्त नहीं होती। इस कुचक्र में फँसा हुआ मनुष्य सदा विक्षुब्ध ही रहेगा भले ही उसने अपना निवास सुनसान एकान्त में बना लिया हो। नदी या पर्वत सुहावने अवश्य लगते हैं। विश्राम या जलवायु की दृष्टि से वे स्वास्थ्यकर हो सकते हैं पर शान्ति का उनमें निवास नहीं। चेतन आत्मा को यह जड़ पदार्थ भला शान्ति कैसे दे पाएंगे? शान्ति अन्दर रहती है और जिसने उसे पाया है उसे अन्दर ही मिली है। अशान्ति उत्पन्न करने वाली विकृतियों को जब तक परास्त न किया जाए तब तक शान्ति का दर्शन नहीं हो सकता। साधु भगवंतों ने मांगलिक देकर पार्श्वनाथ जैन मंदिर से विहार शुरू करते हुए स्व. सोकलीबाई रायचंद खिवेंसरा के निवास स्थान पर शत्रुंजय महापाठ की भाव यात्रा की। उसके बाद महावीर सोसायटी में स्थित वासुपूज्य जैन मंदिर होते हुए लालिदेवी रूपचंद बाफना के निवास स्थान पर पगलिया करके होम्बल गांव की तरफ विहार प्रारंभ किया। संघ के सदस्यों ने नम आँखों से साधु भगवंतों के विहार यात्रा में भाग लिया।

चातुर्मास समापन एवं कृतज्ञता दिवस आयोजित

उपकारों के प्रति मन में कृतज्ञ के भाव धारण करना आवश्यक : डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने चातुर्मास समापन एवं कृतज्ञता दिवस पर कहा कि हमारा यह जीवन एक से अधिक लोगों की परिशुद्ध कृपादृष्टि से भरा है। कृतज्ञता वह सदगुण है जिसकी अभिव्यक्ति करना हमारा परम कर्तव्य है। कृतज्ञता गुरु भगवंतों के असीम उपकारों को चुकाने का न्यूनतम प्रयत्न है। जीवन के हर पल में मानव दूसरों पर निर्भर है दूसरो का ऋणी है, इसीलिए आवश्यक है कि हमें हर पल औरों के उपकारों के प्रति कृतज्ञ के भाव मन में धारण करना चाहिए। चातुर्मास में ज्ञान, ध्यान, तपस्या, साधना, आराधना, सेवा करने वाले सभी श्रावक श्राविका बधाई के पात्र है। जब सबका साथ मिलता है तभी कार्य सफल होता है। समर्पण भाव कार्य को सफलता प्रदान करता है। हमे भी यह चातुर्मास गुरु कृपा से ही प्राप्त हुआ। हर कार्य को श्रीसंघ ने उदारता से किया। गुरु माता पिता तुल्य है। श्रावक अम्माँ पिया समान है। हम संतों को पूर्ण रूप से साता पहुँचाने का ध्यान राजाजीनगर श्री संघ ने रखा। यह समर्पण भाव आगे भी श्रीसंघ सभी संत सतीवृंद के प्रति रखेंगे ऐसी आशा है। राजाजीनगर श्री संघ से हमने जितना माँगा उससे सवाया ही हमे मिला। श्री संघ के पदाधिकारी कार्यकारिणी एवं समस्त सदस्यों, सहयोगी संस्थाओं को सुंदर सेवा एवं सहयोग के लिए बहुत बहुत साधुवाद। आपका श्रीसंघ इसी प्रकार निरंतर सभी साधु भगवंतों की सेवा करता रहे। आपके संघ में धर्म आराधना की गंगा निरंतर बहती रहे यही मंगलकामना। इस आयोजन में प्रकाश चाणोदिया, ज्ञानचंद लोढ़ा, प्यारेलाल टपरावत, महावीर धोका, जंबूकुमार दूगड़, किशोर दलाल, युवा मंत्री नमित कोठारी, शकुंतला मेहता, ममता बागरेचा, हेमा चाणोदिया, नीमा देरासरिया, कांता बागरेचा, कृतिका खारीवाल व अन्य ने अपने विचार व्यक्त किए। बहू मण्डल ने विदाई गीत की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी का स्वागत करते हुए चातुर्मास में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों के प्रति धन्यवाद प्रेषित किया। मंत्री नेमीचंद दलाल ने चातुर्मास की संपूर्ण आध्यात्मिक गतिविधियों की रिपोर्ट रखते हुए गुरुभगवंतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। समस्त पदाधिकारी कार्यकारिणी एवं सहयोगी संस्थाओं को उनके सहयोग और योगदान के लिए अनुमोदन करते हुए उनका अभिवादन किया। लुधियाना श्रीसंघ के प्रधान अशोक जैन, योगेश जैन, आदर्श जैन, प्रवीण जैन, दीपांशु जैन ने गुरुदेव की आगामी 2025 के चातुर्मास की विनती रखी। इस अवसर पर दिल्ली से वजीरचंद जैन, फरीदाबाद से विजयकुमार जैन, चेन्नई से रतनलाल रांका व अन्य की उपस्थिति रही। पूर्व में रुपेशमुनि ने गुरु स्तवन प्रस्तुत किया और अंत में पंकजमुनि ने चातुर्मास में सभी को सहयोग हेतु साधुवाद एवं मंगलपाठ प्रदान किया। उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर एवं कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार ज्ञापित किया। मंत्री नेमीचंद दलाल ने संचालन किया।

विश्व मधुमेह दिवस पर शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में शुक्रवार को विश्व मधुमेह दिवस पर रियायती दर पर डायबिटिक प्रोफाइल चेक अप का आयोजन किया गया, जिसमें 5 विभिन्न प्रकार की जांच जैसे फास्टिंग ब्लड शुगर, पोस्ट प्रेंडियल ब्लड शुगर एवं तीन महीने औसत ब्लड शुगर शामिल किये गए।

कुल 28 लोगों ने इसका लाभ लिया। स्थानीय लोगों ने तेयुप राजाजीनगर द्वारा प्रदत्त मानव सेवा के उपक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा समय समय पर विशेष दिवसों को ध्यान में रखते हुए रियायती दरों पर शिविर आयोजन का करना अच्छा कार्य है। शिविर के माध्यम से जनमानस में विशेष दिवस की जानकारी भी प्राप्त होती है।

शिविर में एटीडीसी स्टाफ स्मिता एवं दीपा का अथक श्रम नियोजित हुआ।

सत्य और ईमानदारी विषय पर कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार अध्यक्ष सुमन पटावरी के निर्देशन में राजराजेश्वरी नगर महिला मंडल द्वारा पट्टनगेरे में स्थित सरकारी स्कूल में खुशी का रास्ता संस्कार शाला के सातवें चरण के तहत गुरुवार को बाल दिवस का आयोजन किया गया।

जिसका विषय सत्य और ईमानदारी था। वन्दना भंसाली ने बच्चों को नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ कार्यशाला का प्रारंभ किया। महाप्राण ध्वनि का प्रयोग पूनम दुगड ने कराया।

बच्चों को सत्य और ईमानदारी पर आधारित एक कहानी सुनाई गई। बच्चों ने उसी कहानी पर एक रोचक नाटक प्रस्तुत की। कहानी के बाद गेम भी खिलाए गए। बच्चों ने बड़े उत्साह से गेम खेला। सभी बच्चों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर मंत्री पदमा महेर भी उपस्थित थी और सभी बच्चों में चॉकलेट का वितरण किया। सकारात्मकता के साथ कार्यशाला का समापन किया गया। संयोजिका पूनम दक का सहयोग रहा।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** बेंगलूरु आउटर रिंग रोड के मरियप्पन पाल्या में स्थित अय्यप्पा स्वामी देवालय से 23 अय्यप्पा स्वामी भक्तों का जत्था शुक्रवार को शबरीमालै के लिए रवाना हुआ। महेंद्र मुणोत ने भगवान अय्यप्पा स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अय्यप्पा स्वामी भक्तों की निर्विघ्न सुखद यात्रा की कामना की। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवा दी। उपेंद्र कुमार एवं महादेव ने मुणोत को सम्मानित किया।*

पाप छोड़ना ही धर्म

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी बाविस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में चातुर्मास पक्खी प्रसंग पर अपने संबोधन में विनय मुनि जी खीचन ने कहा कि धर्म हर समय, हर परिस्थिति में करने की साधना है। पाप छोड़ना ही धर्म है। हम हर समय जाग्रत रहें और प्रत्येक क्रिया में विवेक रखें तो धर्म हो जाता है।

विनय मुनि जी ने कहा कि मात्र चातुर्मास में ही धर्म करना ऐसा कोई नियम नही है। छोटे छोटे जीवों की रक्षा के उद्देश्य से चातुर्मास कल्प होता है। परंतु गृहस्थ के लिए महीने की 6 तिथियों पर विशेष धर्म ध्यान का आगम में वर्णन है। गृहस्थ हर समय धर्म या साधना नही कर सकता है।

उसकी सांसारिक जिम्मेदारियां होती हैं। इसलिए गृहस्थ तिथियों पर पौषध करें और शेष समय विवेक से जीव हिंसा से बचे। विनय मुनि जी ने आगामी शादी विवाह की सीजन के संबंध में कहा कि हम अन्न का अपमान करने से बचें। छोड़े हुए अन्न कणों पर हजारों चीटियां वगैरह आ जाती है और मारी जाती है। हम उतना ही लें, जितना हम उपयोग कर सकते हैं। जूठा छोड़ना सभ्यता नही है। हम अनावश्यक हिंसा कर पाप के भागी बनते हैं। शुभ आयोजन में अशुभ कार्य करते हैं। हमारे पूर्वज अन्न को पूज्य मानते थे।

बेंगलूरु में रामेश्वरम कैफे विस्फोट

एनआईए जांच में पाकिस्तान और आईएसआईएस से संबंध का खुलासा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में जेल में बंद संदिग्ध आतंकवादियों के पाकिस्तान और वैश्विक आतंकी संगठन आईएसआईएस से संबंध का खुलासा हुआ है। सूत्रों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। सूत्रों ने आगे बताया कि एनआईए को जेल में बंद संदिग्ध आतंकवादियों का पाकिस्तान से संबंध मिला है और उन्हें भारत में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से निर्देश भी मिले थे। कैफे विस्फोट मामले में मुख्य संदिग्ध अभी भी लापता है और उसके पाकिस्तान में होने का संदेह है। जांच में पता चला है कि विस्फोट मामले में छह लोगों का एक समूह शामिल था और वे सभी आईएसआईएस से जुड़े थे। उनमें से चार को आईएसआईएस ने बम बनाने का प्रशिक्षण दिया था। बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामले में जेल में बंद संदिग्ध आतंकवादी मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन ताहा, माज मुनीर अहमद और एक अन्य को बम बनाने का प्रशिक्षण दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि पूरी ट्रेनिंग ऑनलाइन दी गई और एक हफ्ते में पूरी की गई। आरोपी ने ऑनलाइन कच्चा माल खरीदा और एक हफ्ते में बम तैयार कर लिया। बेंगलूरु कैफे और भाजपा मुख्यालय के पास रखे गए बम एक हफ्ते में तैयार किए गए। संदिग्ध आतंकवादी पहले विस्फोटक लगाने की जगह तय करते और फिर बम तैयार करते थे। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने बमों पर 90 मिनट का टाइमर लगाया हुआ था। शिवमोग्गा

जिले के तीर्थहल्ली से कैफे विस्फोट मामले में संदिग्ध आतंकी अब्दुल मतीन ताहा, व्हाइटफील्ड इलाके में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए 2012 में बेंगलूरु आया था। दूसरे वर्ष में, उसने पढ़ाई छोड़ दी और गुरप्पनपाल्या चला गया। इंटरनेट के माध्यम से, वह जिहादी विचारधार-ाओं से जुड़ गया।

ताहा शोएब अहमद मिर्जा से जुड़ा था, जो 2012 के लक्षित हत्या मामले में आरोपी था और उसे एनआईए की विशेष अदालत ने पाँच साल की कैद की सजा सुनाई थी। 2017 में रिहा होने के बाद, ताहा ने शोएब से फिर मुलाकात की और आईएसआईएस में शामिल होने की इच्छा जताई। ताहा ने कथित तौर पर डार्क वेब के माध्यम से मोहम्मद शाहिद फैजल के रूप में जेल में बंद आतंकी संदिग्ध फैजल से संपर्क किया और 2018 में अल हिंद ट्रस्ट नामक एक संगठन से जुड़ गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को कट्टरपंथी बनाना था। ताहा ने तीर्थहल्ली से अपने दोस्त हुसैन शाजिब को कट्टरपंथी बनाया। दोनों ने अल हिंद ट्रस्ट के लिए काम करना शुरू कर दिया, संगठन के एजेंडे के लिए सक्रिय रूप से दूसरों की भर्ती की। 2020 में अल हिंद ट्रस्ट के खिलाफ कथित आतंकवादी गतिविधियों के लिए मामला दर्ज होने के बाद, ताहा और शाजिब दोनों बेंगलूरु छोड़कर चले गए।

शाजिब और ताहा ने 22 जनवरी, 2024 को बेंगलूरु के मल्लेश्वरम में भाजपा कार्यालयों के पास बम विस्फोट करने की योजना बनाई थी, जो राम मंदिर उद्घाटन के साथ मेल खाता था। इस प्रयास को विफल कर दिया गया क्योंकि उस क्षेत्र में भारी पुलिस बल मौजूद था। हालांकि, भाजपा कार्यालय में लगाया गया बम फटा नहीं और न ही पाया गया। अन्य स्थानों पर असफल प्रयासों के बाद, संदिग्धों ने बेंगलूरु के एक लोकप्रिय कैफे को निशाना बनाने का फैसला किया। मुसाविर हुसैन शाजिब को 29 फरवरी को कैफे में घुसते हुए सीसीटीवी पर कैद किया गया था, जिसमें 90 मिनट के टाइमर के साथ एक आईईडी सेट वाला बैग था। वह सुबह 11.55 बजे कैफे से निकला और दोपहर 1.07 बजे बम विस्फोट हुआ, जिसमें कई लोग घायल हो गए। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईएनए) ने 1 मार्च को रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट के सिलसिले में 9 सितंबर को चार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। चार आरोपियों – मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ – पर आईपीसी, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) यूए(पी) अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम (पीडीएलपी) अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। एनआईए की चार्जशीट में कहा गया है कि ताहा और शाजिब को उनके हैंडलर ने क्रिप्टोकरेंसी के जरिए फंड दिया था, जिसे ताहा ने फैजल के जरिए कई टेलीग्राम-आधारित प्लेटफॉर्म की मदद से कन्वर्ट किया था। जांच में आगे पता चला कि आरोपियों ने बेंगलूरु में हिंसा की कई वारदातों को अंजाम देने के लिए इस फंड का इस्तेमाल किया था। बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामले में सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। इस साल 1 मार्च को बेंगलूरु के ब्रुकफील्ड में रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए थे और होटल के अंदरूनी हिस्से और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा था।

दर्शन के जमानत आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील की तैयारी

पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने दी जानकारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी हत्याकांड के दूसरे आरोपी अभिनेता दर्शन को उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए अंतरिम जमानत आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की जाएगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संबंध में अपील दायर करने की अनुमति दे दी है। उच्चतम न्यायालय में अपील दायर करने की कई प्रक्रियाएँ हैं। उन्होंने कहा इसलिए जल्द ही अपील दायर करने की तैयारी की जा रही है। उच्च न्यायालय ने पीठ दर्द के इलाज के लिए दर्शन को छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दी और उनका शहर के बीजीएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। चित्रदुर्गा रेणुकास्वामी हत्या मामला सामने आते ही अभिनेता दर्शन और पवित्रा गौड़ा समेत 17 लोगों को गिरफ्तार कर परप्पना अग्रहारा जेल में रखा गया। दर्शन को बेल्लारी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया, क्योंकि इस जेल में दर्शन, राउडी विल्सन गार्डन नागा और कई अन्य लोगों को शाही दर्जा दिया गया था। इससे पहले कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा था कि उन्होंने कन्नड़ सुपरस्टार के प्रशंसक की हत्या के सनसनीखेज मामले में दर्शन को जमानत दिए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने के लिए सहमति दे दी है। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा पुलिस ने चिकित्सा आधार पर दर्शन की जमानत पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए गृह विभाग से अनुमति मांगी है। उन्होंने कहा गृह विभाग के सचिव सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के बारे में फैसला करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या अपील करने के लिए अनुमति में देरी हो रही है, परमेश्वर ने कहा कि अपील याचिका दायर करने का निर्णय लेने में कोई देरी नहीं है। मैंने गृह विभाग के सचिव को यह भी बताया है कि अगर वे दर्शन के मामले में उच्च न्यायालय में अपील करना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा इन मामलों में प्रक्रियाओं की अनद-ेखी नहीं की जा सकती। कानून और गृह विभाग को इस पर फैसला लेना होगा। 131 दिनों तक जेल में बंद कन्नड़ अभिनेता दर्शन को 30 अक्टूबर को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा प्रशंसक हत्या मामले में चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह के लिए सशर्त जमानत दिए जाने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया। पीठ ने कहा कि चिकित्सा उपचार प्राप्त करना विचाराधीन कैदी का अधिकार है और गंभीर पीठ दर्द के इलाज के लिए अंतरिम जमानत दी। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) प्रसन्न कुमार की दलील के अनुसार पीठ ने अभिनेता का पासपोर्ट जब्त करने का निर्देश दिया है। यह प्रस्तुत किया गया कि दर्शन को पीठ में गंभीर दर्द हो रहा है और एल5 और एस1 के बीच की डिस्क उभरी हुई है। अदालत को यह प्रस्तुत किया गया कि वह एक चिकित्सा आपात स्थिति का सामना कर रहे थे। दर्शन 2022-23 से इस संबंध में उपचार करा रहे हैं और अदालत को सभी रिकॉर्ड दिए गए। उच्च न्यायालय की पीठ ने दर्शन को अपनी पसंद के अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी है। उनसे सात दिनों के भीतर अपने उपचार का विवरण और रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा गया है।

मेंगलूरु विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ छात्रों ने किया व्यापक विरोध प्रदर्शन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु विश्वविद्यालय के छात्रों ने एबीवीपी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय के सामने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें अंक पत्रों में देरी, कॉलेज और परीक्ष-ाओं के लिए अवैज्ञानिक शुल्क वृद्धि और यूयूसीएमएस प्रणाली में अराजकता जैसे मुद्दों की निंदा की गई। कुलपति कार्यालय का घेराव करने के इरादे से विभिन्न जिला कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। बसों में आए प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रवेश को रोकने के लिए प्रशासनिक ब्लॉक के पास बैरिकेड्स लगाए गए थे। छात्रों ने नारे लगाए और प्रशासनिक कार्यालय में घुसने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद हुई अफरा-तफरी में ब्लॉक का कांच का प्रवेश द्वार टूट गया। एक महिला पुलिस कांस्टेबल के हाथ में चोट लगी, एक अन्य अधिकारी को कांच का टुकड़ा लगा और एक

छात्र भी घायल हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति पी एल धर्म ने छात्रों की हरकतों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बर्बरता अस्वीकार्य है। धर्म ने छात्रों से शांतिपूर्ण विरोध की आड़ में अशांति पैदा न करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों की शिकायतें सुनीं और मांगों का ज्ञापन स्वीकार किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के समक्ष आ रही कठिनाइयों के बारे में बताया, लेकिन जब छात्र उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुए, तो उन्होंने उनकी चिंताओं को सरकार तक पहुंचाने का वादा किया। छात्रों ने एक निश्चित तिथि की मांग की, जिसके भीतर उनके मुद्दों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट समय-सीमा न दिए जाने पर जोरदार विरोध प्रदर्शन की धमकी दी। इसके बाद धर्म ने उन्हें आश्वासन दिया कि सिंडिकेट की बैठक में इस मामले पर चर्चा की जाएगी, लेकिन छात्रों ने उनके जवाब से असंतुष्ट होकर अपना विरोध जारी रखा। एसीपी धन्या नायक ने हस्तक्षेप किया और आखिरकार कुलपति पी एल धर्म सिंडिकेट सदस्यों के साथ विरोध स्थल पर पहुंचे और शनिवार को विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को बेंगलूरु भेजने का वादा किया। इस आश्वासन के बाद छात्रों ने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

किसानों को मिले वक्फ नोटिस की निंदा

सरकार के खिलाफ भाजपा के असंतुष्टों का जनजागरण अभियान 25 से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वक्फ बोर्ड के माध्यम से किसानों की जमीन पर सरकार द्वारा नोटिस जारी करने के खिलाफ भाजपा के असंतुष्ट नेत-ाओं के नेतृत्व में 25 नवंबर से 25 दिसंबर तक बीदर में जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

मुख्य रूप से तीन मांगों को लेकर भाजपा के बैनर तले जनजागरण अभियान चलाने वाले असंतुष्ट नेताओं ने जनता से अपील की है कि अगर वक्फ से कोई अन्याय हो तो इस व्हाट्सऐप नंबर 9035675734 पर संदेश भेजें। इस पर पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा के आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली, रमेश जारकीहोली, बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और अन्य ने अभियान के बारे में जानकारी साझा की। पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली ने कहा कि

वक्फ उन लोगों के ध्यान में आ गया है जो पहले से ही चर्चा में हैं। यतनाल ने बीजापुर में संघर्ष प्रारम्भ कर दिया था। यतनाल संघर्ष के परिणामस्वरूप, केंद्रीय वक्फ समिति के सदस्यों ने स्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यतनाल ने अस्थायी तौर पर लड़ाई बंद कर दी है। वक्फ को लेकर काफी शिकायतें मिली हैं। हम 25 नवंबर से 25 दिसंबर तक जन जागरूकता अभियान चलाएंगे। उन्होंने बताया कि एक वॉर रूम भी शुरू किया जाएगा। लिंबावली ने तीन मुख्य मांगें कीं, जिसमें 1954 से शुरू हुए गजट आदेश को निरस्त करना, किसानों, मठों और सरकारी भूमि के लिए वक्फ का दावा स्थायी रूप से वापस किया जाए और अनवर मानपाडी की रिपोर्ट को लागू किया जाए शामिल है। पूर्व मंत्री बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के नेतृत्व में जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान बीदर जिले से शुरू होगा और कलबुर्गी, यादगिरी, बीजा-पुर, बागलकोट और बेलगावी जिलों से होकर गुजरेगा। पूर्व मंत्री बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि वक्फ आदेश से किसानों और मठों के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। कर्नाटक में जन जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। हम जन जागरूकता के माध्यम से संयुक्त संसदीय समिति को रिपोर्ट देंगे। केंद्र सरकार पहले ही वक्फ में संशोधन का प्रस्ताव दे चुकी है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के पास इतनी जानकारी नहीं है। सबसे पहले, हमारे पास राज्य में 1 लाख एकड़ जमीन है। अब उन्होंने वक्फ के लिए 6 लाख एकड़ जमीन लेने का दावा किया है। उन्होंने आर-ोप लगाया कि पूरे देश में 38 लाख एकड़ जमीन पर दावा किया जा रहा है। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में हैदराबाद में एक सम्मेलन हो रहा है। हम कानूनी टीम के माध्यम से इसके लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हम राज्य की जनता के लिए जनजागरूकता अभियान भी चला रहे हैं। प्रदेश सरकार के जमीर अहमद खान धमकी देने का काम कर रहे हैं। हमारी तुलना शैतान से की जा रही है। वे अधिकारियों को धमकी दे रहे हैं। कुछ मुस्लिम समुदाय ने भी विरोध किया। विजयपुर, धारवाड़ में विरोध में आवाज उठाई। एक सवाल पर उन्होंने कहा यहां जनजागरूकता अभियान के लिए केंद्र की अनुमति का सवाल ही नहीं उठता। हमारे गृह मंत्री और प्रधान मंत्री पहले ही बात कर चुके हैं। इसलिए हाईकमान का मुद्दा हमारे अभियान में नहीं आएगा। हम जनता के हित में अभियान चला रहे हैं। यतनाल ने कांग्रेस नेताओं और सांसदों को आमंत्रित किया कि कोई भी इसका समर्थन कर सकता है। अगर वे आएंगे तो भी अभियान चलेगा, अगर नहीं आएंगे तो भी हम अभियान चलाएंगे।

काला कहने का विवाद : चामुंडेश्वरी के सामने कसम खाकर कहता हूं कि मैंने कभी जमीर को कुल्ला नहीं कहा: कुमारस्वामी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कहा मैंने अपने जीवन में कर्नाटक के मंत्री जमीर अहमद खान को कभी कुल्ला नहीं कहा। उन्होंने मुझे पहले कभी करिया नहीं कहा, वे हमेशा बहुत सम्मान के साथ बोलते थे। क्या कोई ऐसा कह सकता है? मैं देवी चामुंडेश्वरी के सामने इस बारे में कसम खाता हूं। शुक्रवार सुबह मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों के ऊपर देवी श्री चामुंडेश्वरी के दर्शन करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए एचडी कुमारस्वामी ने कहा जमीर अहमद के साथ मेरी दोस्ती और निकटता राजनीति तक ही सीमित थी। जब स्पीकर बसवराज होराट्टी ने मुझे कुमारा कहा, तो जमीर उन्हें पीटने चले गए थे। उन्होंने कहा मैं ऐसे माहौल से नहीं आया हूं जहां मुझे करिया या किसी को कुल्ला कहा जा सके। जमीर अहमद के शब्द (उन्हें करिया कहना) उनकी संस्कृति को दर्शाते हैं। एच डी देवेगौड़ा के परिवार को खरीदने के बारे में उनकी टिप्पणी उनके पैसे वाले अहंकार (मादा) को दर्शाती है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डीसीएम डी के शिवकुमार ने इसका बचाव किया है। क्या यह नागरिक सरकार है? उन्होंने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने वाले कई लोगों पर कई मामले दर्ज किए हैं। अब वे चुप क्यों

हैं? जमीर के बयान से चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव में कोई फर्क नहीं पड़ा है। कुमारस्वामी ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा का यह कहना कि वे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का अहंकार तोड़ देंगे, मानहानि कैसे हो सकती है? कुमारस्वामी ने राज्य सरकार को चुनौती दी कि वह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस आरोप की जांच के लिए एसआईटी गठित करे कि भाजपा ने कांग्रेस के 50 विधायकों को पार्टी में शामिल होने के लिए 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री का यह दावा 'मूर्खों' का बयान नहीं बनना चाहिए। वह सही कह रहे हैं कि 50 विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। राज्य सरकार उनके हाथ में है। उन्होंने कई एसआईटी गठित की हैं। उन्होंने हर मामले की जांच के लिए राज्य और देश के इतिहास में रिकॉर्ड संख्या में एसआईटी गठित की हैं। उन्हें इसकी जांच के लिए भी एसआईटी गठित करनी चाहिए। अन्यथा मुख्यमंत्री और कांग्रेस कैबिनेट नेताओं के ऐसे बयान और उनका व्यवहार लोगों के लिए हास्यास्पद हो जाएगा। कुमारस्वामी ने यह भी कहा कि चन्नपट्टना के लोगों ने एनडीए उम्मीदवार (भाजपा-जेडीएस गठबंधन) निखिल कुमारस्वामी को आशीर्वाद दिया है और उनके अनुसार, निखिल आरामदायक अंतर से जीतेंगे।

स्कूल बस के सड़क से फिसलने से छात्र मामूली रूप से घायल

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी जिले में मुदलागी के पास पाटागुंडी गांव में शुक्रवार को एक स्कूल बस के सड़क से फिसलकर आंशिक रूप से पलट जाने से कम से कम 20 छात्र घायल हो गए। सी.एस. मुगलखोद कन्नड़ और इंग्लिश मीडियम स्कूल की एक बस गोकक-पाटागुंडी रोड से फिसल गई। बस में कक्षा 1-7 तक के छात्र सवार थे। उन्हें मामूली चोटें आईं। उनका निजी अस्पताल में इलाज कराया गया। अस्पताल का दौरा करने वाले ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अजीत मन्नीकेरी ने कहा कि सभी छात्र खतरे से बाहर हैं। पुलिस द्वारा लापरवाही का मामला दर्ज किए जाने की उम्मीद है।

सवाल ये है कि नया सीएम कौन होगा

कांग्रेस इकाइयां आज हजारों करोड़ देकर अपनी ही पार्टी के विधायकों को खरीद रही: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि कांग्रेस इकाइयां आज हजारों करोड़ रुपये देकर अपनी ही पार्टी के विधायकों को खरीद रही हैं, क्योंकि उन्हें 3 निर्वाचन क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में झटका लगने का यकीन है। उन्होंने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा यहां तक कि प्रशासन के शीर्ष पर बैठे सिद्धरामैया को भी यह जानकारी मिल गई है। इसलिए, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर दोष-ारोपण न करके भाजपा को धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। सिद्धरामैया खुद इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि इस्तीफा देने का समय करीब आ गया है। इसलिए उन्होंने शिकायत की कि वे भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं और उल्लू बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं है कि वह कब इस्तीफा देंगे, बल्कि सवाल यह है कि नया सीएम कौन होगा। कांग्रेस पार्टी के अंदर विधायकों की खरीद-फरोख्त हुई है। भाजपा के पास सिर्फ 66 विधायक हैं। इसलिए भाजपा को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया के इस्तीफे से कोई बदलाव नहीं होगा। महाराष्ट्र चुनाव नतीजों के बाद कभी भी

फैसला हो जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सिद्धरामैया जल्द ही इस्तीफा दे देंगे। एनडीए चन्नपट्टना, शिग्गांव और संदूर विधानसभा उपचुनाव जीतेगा। चन्नपट्टना में कांग्रेस पार्टी जीत के भ्रम में है। हालांकि, एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी के जीत का माहौल है। इसी तरह संदूर में भी भाजपा ऐतिहासिक जीत को लेकर आश्वस्त है। शिग्गांव में भी भरत बोम्मई बड़े अंतर से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा-एनडीए की जीत होगी और नया इतिहास रचा जायेगा। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को निराशा में बात की। सिद्धरामैया ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कांग्रेस विधायकों को 50 करोड़ रुपये की पेशकश कर रही है और सरकार को अस्थिर कर रही है। दरअसल, कांग्रेस पार्टी में खुद मुख्यमंत्री और उनका परिवार भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। सिद्धरामैया को यकीन है कि उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी हिल रही है। आज कांग्रेस के अंदर चार वरिष्ठ नेता इस कोशिश में हैं कि किसी तरह सिद्धरामैया को सीएम पद से हटाया जाए। वह इस भ्रम में थे कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी जीत गयी है। कर्नाटक में भ्रष्टाचार के कारण हरियाणा में कांग्रेस की हार हुई। उन्होंने समझाया कि अब वे महाराष्ट्र में भी हारने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र के दौरान हम बेलगावी में किसानों का विशाल विरोध प्रदर्शन करेंगे। कुल मिलाकर हमने दो चरणों में लड़ने का फैसला किया है। उसके मुताबिक हमने 3 टीमें बनाई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार वक्फ के मामले में अक्षमता दिखा रही है। किसानों की जमीन छीनी जा रही है और प्रदेश के किसान परेशान हैं। साधु-संतों और मंदिरों की जमीनें छीनी जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक राज्य सरकार स्पष्ट जवाब नहीं देती, किसानों को राहत नहीं मिलती तब तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी विधायक, बुजुर्ग, विधान परिषद सदस्य और केंद्रीय मंत्री संघर्ष में रहेंगे। भाजपा किसानों के पक्ष में आवाज उठाने वाली पार्टी है। येदियुरप्पा ने किसानों की तरफ से शपथ ली और किसानों के नाम पर शासन किया। इसलिए किसानों की लड़ाई में भाजपा के पीछे रहने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठों की एक टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही विवरण दिया जाएगा।

इसका खुलासा करें सीएम

इससे पहले कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उनका दावा है कि भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के लिए 50 विधायकों को खरीदने की साजिश रची थी। विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। हालांकि, अब भाजपा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता को चुनौती दी है कि वह अपने दावों को साबित करें। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को चुनौती दी कि वह अपने आरोप के स्रोत का खुलासा करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का अपने ही विधायकों पर से विश्वास उठ गया है और इसलिए वह झूठे आरोप लगा रहे हैं। अगर मुख्यमंत्री अपने दावे को सिद्ध करने में नाकाम रहे तो लोग उन्हें कभी गंभीरता से नहीं लेने वाले। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए भी इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, जिससे इसकी गरिमा को ठेस पहुंच रही है। आपकी अपनी सरकार है और आपकी अपनी जांच एजेंसियां हैं। इसलिए यह आपकी नैतिक जिम्मेदारी है कि आप लोगों को 50 करोड़ रुपये के रिश्वत के आरोप के स्रोत का खुलासा करें। अन्यथा आपका बयान बचकाने राजनीतिक बयान से ज्यादा कुछ नहीं रह जाएगा।

सरकार संस्थानों के लिए अल्पसंख्यक टैग को लेकर दुविधा में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया प्रशासन उच्च शिक्षा संस्थानों को धार्मिक अल्पसंख्यक का दर्जा देने के नए नियमों को लेकर उलझन में है। इसमें एक खास अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के एक निश्चित प्रतिशत को नामांकित करने की आवश्यकता को खत्म कर दिया गया है।

कैबिनेट को इस मामले में फैसला टालना पड़ा, क्योंकि कांग्रेस के सबसे चर्चित मुस्लिम चेहरों में से एक अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद खान ने इस नाजुक विषय पर लाल झंडा उठाया है। गुरुवार को उच्च शिक्षा विभाग ने धार्मिक अल्पसंख्यक का दर्जा देने के नियमों में संशोधन के लिए कैबिनेट की मंजूरी मांगी। यह कदम इस साल मार्च में सरकार द्वारा लिए गए एक प्रमुख नीतिगत फैसले के अनुरूप है। कर्नाटक में अल्पसंख्यक का दर्जा चाहने वाले स्कूलों को उस विशेष अल्पसंख्यक धर्म के छात्रों के लिए 25 प्रतिशत कोटा प्रदान करना था। उदाहरण के लिए, एक मुस्लिम अल्पसंख्यक स्कूल में 25 प्रतिशत मुस्लिम छात्र होने चाहिए। इसी तरह, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों को अपने अल्पसंख्यक धर्म के 50 प्रतिशत छात्रों को दाखिला देना था। मार्च में ईसाई, जैन, सिख और पारसी द्वारा संचालित संस्थानों के लिए इन आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया गया था, क्योंकि उन्हें अपने अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा बनाए रखने के लिए अपने समुदायों से 50 प्रतिशत छात्रों को प्रवेश देने में कठिनाई हो रही थी। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर ने कैबिनेट बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा था चूंकि ईसाई आबादी 2 प्रतिशत से कम या उसके आसपास है, इसलिए उन्हें आवश्यकतानुसार 50 प्रतिशत सीटें भरने में कठिनाई हो रही है।

उनकी ओर से अनुरोध किया गया था। इसलिए, कैबिनेट ने कुछ महीने पहले मानदंडों में ढील देने का फैसला किया। इसलिए अब इसके लिए नियम बनाए जा रहे हैं। लेकिन खान यह देखकर हैरान रह गए कि नए नियमों में मुसलमानों सहित सभी अल्पसंख्यकों द्वारा संचालित संस्थान शामिल हैं। स्पष्ट रूप से, मुस्लिम अल्पसंख्यक संस्थान छूट के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि उनके पास मानदंड को पूरा करने के लिए अपने समुदाय से पर्याप्त छात्र हैं। छूट का मतलब यह हो सकता है कि उनके संस्थानों में अल्पसंख्यकों की तुलना में गैर-अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या अधिक हो, ऐसा उन्हें डर है। नियमों में चुनिंदा संशोधन नहीं किए जा सकते। दुविधा से सीधे वाकिफ एक सूत्र ने कहा हम मुसलमानों को छोड़कर दूसरों को छूट नहीं दे सकते।

सुधाकर ने बाद में बताया कि इस मामले पर और चर्चा करने का फैसला किया गया। यह भी कहा गया कि भाषाई अल्पसंख्यक संस्थान भी इसी तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, यह (समस्या) केवल उच्च शिक्षा तक ही सीमित नहीं है। इस पर स्कूल शिक्षा विभाग से भी चर्चा करने का फैसला किया गया।

आईएएस अधिकारी शिखा को केंद्रीय सेवा में नियुक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सेवा में रहीं आईएएस अधिकारी शिखा को केंद्र सरकार की सेवा में नियुक्त किया गया है। शिखा को भारत सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने शिखा को राज्य सरकार की सेवा से मुक्त करने का आदेश जारी कर दिया है। शिखा की केन्द्रीय सेवा में प्रतिनियुक्ति की पृष्ठभूमि में अपर वाणिज्यिक कर आयुक्त चन्द्रशेखर नायक.एल को वाणिज्यिक कर आयुक्त के रिक्त पद का कार्यभार ग्रहण करने का आदेश दिया गया है। सदाशिव प्रभु बी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग में निदेशक (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) के पद पर स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा लोक शिक्षा विभाग के निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस्लामीकरण पर भड़काऊ टिप्पणी का मामला

पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा के खिलाफ मामला दर्ज

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा के खिलाफ कांग्रेस सरकार पर इस्लामीकरण का आरोप लगाने और संभावित दंगों तथा कांग्रेस नेताओं को धमकियों की चेतावनी देने के लिए उनके कथित भड़काऊ बयान के लिए स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। जयनगर पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, ईश्वरप्पा ने 13 नवंबर को शहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस सरकार पर वक्फ से संबंधित मामलों की बढ़ती संख्या पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया और मुसलमानों

द्वारा कथित कदाचार का आरोप लगाया। शिकायत के अनुसार, ईश्वरप्पा ने कथित तौर पर कहा कृषि भूमि, मंदिर, मठ और यहां तक कि पुरातत्व विभाग के तहत स्कूल और कॉलेज की संपत्तियों को भी वक्फ संपत्तियों में बदल दिया गया है। उन्होंने उस गांव को भी नहीं बख्शा, जहां सर एम विश्वेश्वरैया का जन्म हुआ था। एक मुस्लिम नेता अंबेडकर के नाम का इस्तेमाल कर रहा है और दावा कर रहा है कि अंबेडकर इस्लाम धर्म अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस तरह से अंबेडकर का अपमान किया जा रहा है। इस अपमान के बावजूद, किसी भी कांग्रेस नेता ने उनसे सवाल नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने लगातार इस्लामीकरण का समर्थन किया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण की घो-षणा करने की योजना बना रहे हैं। ईश्वरप्पा ने कथित तौर पर कहा क्या वे हिंदुस्तान को पाकिस्तान बनाने की कोशिश कर रहे हैं? अगर यह जारी रहा, तो एक समय आएगा जब साधु-संतों के नेतृत्व में दंगे भड़क उठेंगे। यह आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर ऐसे दिन आएं जब कांग्रेस नेताओं को खोजकर मार दिया जाए। शिकायत में कहा गया है कि अखबारों में व्यापक रूप से प्रकाशित और सोशल मीडिया पर प्रसारित ये टिप्पणियां एक विशेष समुदाय और राजनीतिक दल के खिलाफ नफरत भड़काती हैं, जिससे क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव बढ़ता है। जवाब में, जिला कांग्रेस कमेटी ने अपने अध्यक्ष आर प्रसन्ना कुमार के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक से ईश्वरप्पा के खिलाफ उनकी टिप्पणी के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया। शिवमोग्गा, जो शांति के लिए जाना जाता था, पिछले दो दशकों से कुछ लोगों की भड़काऊ टिप्पणियों के कारण अशांति का सामना कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप जान-माल का नुकसान हुआ है। अध्यक्ष ने एसपी को सौंपे ज्ञापन में कहा जब भी ईश्वरप्पा मुसलमानों को निशाना बनाकर भड़काऊ टिप्पणी करते हैं, शिवमोग्गा में अशांति फैलती है। कांग्रेस कमेटी ने क्षेत्र में सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने के लिए ईश्वरप्पा और उनके समर्थकों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की।

यतनाल ने पंचमसाली आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन की चेतावनी दी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पंचमसाली लिंगायत समुदाय को आरक्षण देने में हो रही देरी को लेकर भाजपा विधायक बसवनगौड़ा पाटिल यतनाल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अगुवाई वाली सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। बेलगावी के रायबाग तालुक में बोलते हुए उन्होंने सरकार के रुख पर असंतोष जताया और आगामी बेलगावी विधानसभा सत्र के दौरान बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की धमकी दी। यतनाल ने चेतावनी देते हुए कहा सिद्धरामैया डेढ़ साल से सत्ता में हैं और बार-बार आश्वासन के बावजूद पंचमसाली आरक्षण पर कोई ठोस फैसला नहीं हुआ है। अगर सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है, तो हम बेलगावी सत्र के दौरान विधानसभा की कार्यवाही को बाधित करने के लिए ट्रैक्टर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से सरकार की स्थिति स्पष्ट करने के लिए समुदाय के नेताओं के साथ तत्काल बैठक बुलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा अगर 9 दिसंबर तक अधिसूचना जारी की जाती है, तो हम अपना आंदोलन स्थगित कर देंगे, अन्यथा, बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन होगा और सरकार किसी भी अशांति के लिए पूरी जिम्मेदारी लेगी। यतनाल ने कांग्रेस नेता अज्जमपीर खादरी पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर के कथित तौर पर इस्लाम धर्म अपनाने पर विचार करने के बारे में टिप्पणी करने के लिए हमला बोला। यतनाल ने कहा खादरी अंबेडकर पर बोलने के लिए अयोग्य हैं। उन्हें इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है। अंबेडकर ने धर्म में भाईचारे की कमी का हवाला देते हुए हैदराबाद के निजाम के इस्लाम धर्म अपनाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने भारतीय मूल के धर्म बौद्ध धर्म को अपना लिया। उन्होंने आगे दावा किया इस्लाम अन्य धर्मों के साथ सद्भाव को बढ़ावा नहीं देता है। अंबेडकर ने धर्म की विघटनकारी प्रकृति के बारे में चेतावनी दी और अपनी पुस्तक पार्टीशन ऑफ इंडिया में इस पर प्रकाश डाला। कांग्रेस के नेता, जो अंबेडकर का समर्थन करने का दिखावा करते हैं, ने स्पष्ट रूप से उनके कार्यों को नहीं पढ़ा है।

गन्ना किसान बकाया भुगतान और एकसमान भुगतान न होने को लेकर सरकार के खिलाफ करेंगे प्रदर्शन

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

किसान नेताओं ने कर्नाटक सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है, जिसमें वे कारखानों द्वारा बकाया भुगतान की मांग के साथ पूरे राज्य में किसानों को एक समान भुगतान लागू करने की मांग करेंगे। कर्नाटक राज्य गन्ना उत्पादक संघ, कर्नाटक राज्य रायथा संघ और हसीरू सेने विधानसभा के शीतकालीन सत्र और 17 नवंबर को बागलकोट में राज्य स्तरीय सहकारी सप्ताह समारोह के दौरान बेलगावी में विरोध प्रदर्शन आयोजित करेंगे। गन्ना उत्पादक संघ के अध्यक्ष कुरुबुर शांताकुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 17 नवंबर को बागलकोट का दौरा करने वाले हैं। हम उनके सामने विरोध करेंगे और सहकारी रैली का बहिष्कार करेंगे। अगर किसानों के हितों की अनदेखी की जाती है तो सहकारिता कार्यक्रम आयोजित करने का क्या मतलब है? संगठनों ने 9 दिसंबर को बेलगावी में सुवर्ण सौधा के सामने विरोध प्रदर्शन करने की भी

योजना बनाई है, जब राज्य विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा इस साल केंद्र सरकार ने गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 340 रुपये प्रति टन तय किया है। यह पर्याप्त नहीं है और इसमें कम से कम 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जरूरत है। राज्य सरकार को एफआरपी से 20 प्रतिशत अधिक मूल्य तय करना चाहिए। हमने लगातार सरकारों के समक्ष यह ज्ञापन प्रस्तुत किया है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। दूसरा, कर्नाटक सरकार को गन्ने के लिए एक समान मूल्य और सभी जिलों में गन्ना काटने और कारखानों में काम करने वाले खेतिहर मजदूरों के लिए एक समान मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए। सरकार को सभी राज्यों में किसानों को बकाया राशि का तत्काल भुगतान भी सुनिश्चित करना चाहिए। सभी मिलों पर कुल मिलाकर लगभग 850 करोड़ रुपये का बकाया है, जिसमें से लगभग 600 करोड़ रुपये उत्तरी कर्नाटक की मिलों पर लंबित हैं। औसत लंबित बकाया लगभग 45 रुपये प्रति टन है। राज्य चीनी आयुक्तालय ने मिलों को इस पेराई सत्र के अंत तक चरणों में बकाया भुगतान करने की अनुमति दी है। आयुक्तालय के एक अधिकारी ने कहा यदि निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान नहीं किया जाता है तो डिप्टी कमिश्नरों को चीनी मिलों को अपने अधीन करने और किसानों को बकाया भुगतान करने का कानूनी अधिकार है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि एक समान भुगतान सुनिश्चित करना आसान नहीं है। कर्नाटक की 75 में से करीब 60 मिलों ने अक्टूबर में पेराई शुरू कर दी है। कुछ मिलों में 1 दिसंबर से पहले ही पेराई शुरू हो सकती है। उन्हें गन्ना आपूर्ति के दो सप्ताह के भीतर एफआरपी का भुगतान करना अनिवार्य है। केंद्र सरकार द्वारा 10 प्रतिशत औसत उपज वाली मिलों के लिए निर्धारित 340 रुपये प्रति टन का एफआरपी पिछले साल की तुलना में 25 रुपये या 8 प्रतिशत अधिक है। चीनी की उपज में हर प्रतिशत की वृद्धि के लिए एफआरपी में 34 रुपये की वृद्धि होती है। मिलों द्वारा उपज की घोषणा की जाती है, लेकिन गन्ना उत्पादकों के पास उन आंकड़ों की जांच करने का कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं है। इसलिए, सभी जिलों में मिलों में एक समान भुगतान लागू करना मुश्किल है। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा कि वह चालू सत्र के भुगतान शुरू होने से पहले सभी मिलों से बकाया चुकाने के लिए कहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य मंत्रिमंडल गन्ना किसानों की सभी मांगों पर विचार करेगा। उन्होंने कहा हम किसानों को शीतकालीन सत्र के दौरान विरोध करने का कोई कारण नहीं देना चाहते हैं।

आदिवासियों को सशक्त बनाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सम्मानित आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति बनाया है। साथ ही उन्होंने आदिवासियों को सशक्त बनाने का काम किया है। वे शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती कार्यक्रम में बोल रहे थे। बिरसा मुंडा का जन्म रांची में हुआ था और उन्हें अंग्रेजों के खिलाफ लगातार संघर्ष करने का श्रेय दिया जाता है। वह केवल 25 वर्ष जीवित रहे। एक आदिवासी नेता के तौर पर जब वह छोटे थे तो उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ काम किया था।

आज देशभर में उनकी जयंती मनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इसकी वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस नेक इरादे से उनका जन्मदिन मनाया जा रहा है कि पूरा देश आदिवासी नेता को याद रखे। हमें बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर वर्ग के लोगों को विश्वास में लिया जाना चाहिए।

बिरसा मुंडा की जयंती पर राष्ट्रपति, पीएम समेत कई हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

दिल्ली का सराय काले खां चौक अब होगा बिरसा मुंडा चौक

अमित शाह ने बिरसा मुंडा की मूर्ति का किया अनावरण

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने कहा कि उनका बलिदानों से भरा जीवन राष्ट्र सेवा का एक अनूठा उदाहरण है। बिरसा मुंडा का जन्म 1875 में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी विद्रोह का नेतृत्व किया था। महज 25 वर्ष की आयु में ही उनकी मौत हो गई थी। बिरसा मुंडा की जयंती पर नई दिल्ली के सराय काले खां चौक का नाम बदल कर बिरसा मुंडा चौक कर दिया गया। केंद्री. गृह मंत्री ने अमित शाह ने बिरसा मुंडा चौक पर बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया।

बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भगवान बिरसा मुंडा ने मातृभूमि की आन-बान और शान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनकी जन्म-जयंती जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर उन्हें मेरा कोटि-कोटि नमन। उन्होंने कहा, भगवान बिरसा मुंडा के 150वें जयंती वर्ष का शुभारंभ होने जा रहा है। जनजातीय गौरव दिवस पर बिहार के जमुई में उनके सम्मान में स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी करने के अलावा कई परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण का भी मुझे सौभाग्य मिला।

बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने के बाद पीएम मोदी ने झारखंड के स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा, झारखंड के अपने सभी भाई-बहनों को राज्य के स्थापना दिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं। जनजातीय समाज के संघर्ष और बलिदान से सिंचित इस धरती ने देश को हमेशा गौरवान्वित किया है। मेरी कामना है कि प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण यह प्रदेश प्रगति के पथ पर तेज रफ्तार से आगे बढ़े।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने भी जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर संसद में भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने के बाद उपराष्ट्रपति धनखड़ और लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने पारंपरिक ढोल पर हाथ आजमाते दिखे।

दिल्ली के सराय काले खां चौक का नाम अब बिरसा मुंडा चौक रख दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर दिल्ली में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मौजूद थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मौके पर कहा कि भगवान बिरसा मुंडा एक छोटे से गांव में पैदा हुए थे। आज उनकी 150वीं जयंती है। इस वर्ष को आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। भगवान बिरसा मुंडा निश्चित रूप से आजादी के महानायकों में से एक थे। 1875 में माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करते समय उन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ आवाज उठाई थी। जब पूरे देश और दुनिया के 2/3 हिस्से पर अंग्रेजों का शासन था। उस समय उन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ खड़े होने का साहस दिखाया था। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, मैं आज घोषणा कर रहा हूं कि यहां आईएसबीटी बस स्टैंड के बाहर बड़े चौक को भगवान बिरसा मुंडा के नाम से जाना जाएगा। इस प्रतिमा और उस चौक का नाम देखकर न केवल दिल्ली के नागरिक बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बस स्टैंड पर आने वाले लोग भी निश्चित रूप से उनके जीवन से प्रेरित होंगे।

बिहार के कोनहारा घाट पर लगा विश्व का सबसे बड़ा भूत मेला

वैशाली, 15 नवंबर (एजेंसियां)। हमारा देश आज चांद पर भले ही चला गया लेकिन अभी भी अंधविश्वास की तरफ लोगों का काफी झुकाव है। इसका जीता जागता उदाहरण कार्तिक पूर्णिमा की रात हाजीपुर के कोनहारा घाट में देखने को मिला। यहां भूत भगाने का खेल पूरी रात कोनहाराघाट पर चलता रहा। चौंकाने वाली तो यह है कि इस मेले को लेकर वैशाली जिला प्रशासन भी लगभग एक महीना से इस भूत के मेले के आयोजन के लिए लगातार मेहनत करता है। विधि व्यवस्था में कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए पुलिसकर्मी हमेशा अलर्ट मोड पर रहते हैं। वैशाली एसपी हरकिशोर राय ने बताया कि 10 दिनों से कार्तिक पूर्णिमा को लेकर तैयारी चल रहा है जिसमें ट्रैफिक व्यवस्था के लिए भी आदेश दिए गए हैं। वहीं 1000 कांस्टेबल की भी तैनाती की गई है तो 400 पर अधिकारी को भी तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरा ड्रोन कैमरा से नजर रखा जा रहा है। व्यापक तैयारी की गई थी। भारी संख्या में लोग गंगा स्नान कर रहे हैं।

मेले में आए लोगों ने कहा कि भूतों को पकड़ने और भगाने के लिए भारी संख्या में भगत और ओझा (तांत्रिक) भी इस मेले में पहुंचते हैं। जहां पर भगत और ओझा की दुकान पूरी रात चलती है। तांत्रिक रात भर चलने वाले इस अनुष्ठान के दौरान भूत से परेशान लोगों को निजात दिलाते दिखते हैं।

भूतों को पकड़ने और भगाने का दावा करने वाले ओझा भी इस मेले में बड़ी संख्या में आकर अपनी मंडली लगाते हैं। जगह-जगह ओझाओं की मंडली सजी होती है। जो अलग-अलग अनुष्ठान कर रहे होते हैं। भूत भगाने का तस्वीर देखने को मिलती है। यहां अजीबोगरीब दृश्य दिखता है। कहीं तो भूत भगाने के लिए महिलाओं को बालों से खींचा जाता है। तो कहीं छड़ी यानी स्थानीय भाषा में जिसे बेंत कहते हैं। उनसे पिटाई भी की जाती है। भूतों के इस अजूबे मेले में आए ओझाओं के दावे भी आपको अजूबे लगेंगे। सबसे मजेदार बात ये होती है कि भूतों की भाषा सिर्फ ओझा (तांत्रिक) और भगत समझते हैं।

अजीब बात यह है की भूत की भाषा पूर्णिमा की रात पहुंचे भगत और ओझा ही समझ पाते हैं। कहानी भूत भगाने के नाम पर महिलाओं को बाल से पकड़कर गंगा स्नान कराया जाता है। इतना ही नहीं बेंत से महिलाओं को पीट-पीटकर भूत को भगाया जाता है। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर पूरे बिहार से हाजीपुर के कोनहारा घाट पर गंगा स्नान करने भारी संख्या में लोग पहुंचते हैं। हाजीपुर के कोनहारा घाट ऐतिहासिक घाट है। इस घाट पर स्वयं भगवान विष्णु ने अवतार लिया था। इस घाट पर गज और ग्राह की लड़ाई हुई थी। इसमें ग्राहक गज को पानी में खींचकर डुबो रहा था, तब गज भगवान विष्णु को याद किया और प्रार्थना किया तो भगवान विष्णु गज की रक्षा करने के लिए हाजीपुर के घाट पर अवतार लिए और गज और ग्राह की लड़ाई को खत्म कर और गज की भगवान विष्णु ने जान बचाई थी।

आस्थावानों से गुलजार रही बौद्ध तपोस्थली

रीति रिवाज से हुआ वर्षावास समापन पूजन

श्रावस्ती, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती शुक्रवार को बौद्ध अनुयायियों से गुलजार रही। थाईलैंड से आए 150 सदस्यीय दल ने अपने रीति रिवाज से जेतवन परिसर में वर्षावास समापन पूजन किया। इस दौरान उन्हें धार्मिक उपदेश भी दिया गया। बाद में दल के सदस्यों ने तपोस्थली के विभिन्न स्थलों का भ्रमण भी किया।

तपोस्थली जेतवन परिसर पर थाईलैंड से आए 150 सदस्यीय दल ने वर्षावास पूजन किया। इस दौरान दल के सदस्यों ने विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान बौद्ध भिक्षु श्रद्धा लाक महाथेरो ने कहा कि भगवान बुद्ध आज भी दुनिया के लिए एक रहस्य हैं। इस मौके पर मौजूद बौद्ध दर्शन के विद्वानों ने कहा, बुद्ध ने चेतना के जिस शिखर को छुआ, वैसा किसी और ने नहीं छुआ। बुद्ध ने अपना पूरा जीवन सत्य की खोज और निर्वाण को पा लेने में ही लगाया। उन्होंने मानव मनोविज्ञान और दुख के हर पहलू पर कहा और उसके समाधान भी बताए। यह रिकॉर्ड है कि बुद्ध ने जितना कहा और जितना समझाया उतना किसी और ने नहीं। पूजन के उपरांत सभी उपासकों ने जेतवन, शिवली स्तूप, कौशांबी कुटी, सभामंडप, गंध कुटी, सूर्य कुंड, पूर्वा राम विहार, अंगुलिमाल स्तूप आदि का भ्रमण कर उसकी ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त किया। इस मौके पर बौद्ध भिक्षु सुख सागर, नागलोक, ज्ञान सागर, नाग ज्योति, बुद्ध रत्न आदि मौजूद रहे।

भगवान श्रीराम के रंग में रंगे अमेरिका के क्ले अयोध्या चले आए

राम भक्ति से मिल रही आत्मिक शांति, मौका मिले तो फिर आएंगे

अयोध्या, 15 नवंबर (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में आठ दिनों से रह रहे अमेरिका के क्ले अब राम के रंग में रंग गए हैं। सुबह से ही विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन के साथ राम नाम का जाप शुरू कर देते हैं। क्ले ने कहा कि वाराणसी के बाद उनका अयोध्या आना हुआ है। हर मंदिर के आकर्षण और ऊर्जा को महसूस करना चाहता हूं। इसके लिए सुबह से ही एक हाथ में डंडा और दूसरे हाथ में माला लेकर जाप कर रहा हूं।

क्ले कहते हैं डंडा हाथ में अपने बचाव के लिए और माला भगवान को याद करने के लिए है। मन में श्रद्धा हो तो जीवन में आनंद ही आनंद है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता से पूरी तरह अभिभूत हूं। अयोध्या में उन्हें राम की भक्ति से आत्मिक शांति का अहसास हो रहा है। जब भी फिर से मौका मिला तो अयोध्या जरूर आएंगे।

क्ले ने कहा कि यहां के धार्मिक स्थलों की शांति उन्हें प्रेरणा दे रही है। जगह-जगह मंदिरों में हो रहे राम नाम के भजन को उन्होंने सुना। हनुमानगढ़ी, रामलला के भी दर्शन किए। अयोध्या की गली में जब मंदिर से निकल कर क्ले कनक भवन जा रहे थे तो रास्ते में एक भक्त ने पूछा, वे कहां के हैं? इस पर उन्होंने माला की ओर इशारा किया और माले का 108 चक्र होने के बाद ही प्रश्न का जवाब दिया कि वे अमेरिका से आए हैं।

वोट जेहाद में शामिल सिराज अहमद गुजरात और महाराष्ट्र में ईडी का छापा

मुंबई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र और गुजरात में वोट जेहाद के आरोपों के बाद छापेमारी की है। यह छापेमारी महाराष्ट्र के मुस्लिम व्यापारी के खिलाफ 125 करोड़ के गड़बड़ी के आरोपों के बाद हुई है। इस व्यापारी ने कई लोगों के खाते लेकर उनमें यह लेनदेन किया था। इस पैसे का इस्तेमाल महाराष्ट्र चुनाव में वोट जेहाद के लिए किया गया।

ईडी ने इस मामले में महाराष्ट्र और गुजरात में गुरुवार 14 नवंबर को छापेमारी की। ईडी की यह छापेमारी महाराष्ट्र के मुंबई और मालेगांव में हुई है। इसके अलावा गुजरात के अहमदाबाद में ईडी ने छापे मारे हैं। ईडी को शक है कि मालेगांव के व्यापारी सिराज अहमद ने जो 100 करोड़ से अधिक की गड़बड़ी की, उसमें कुछ हवाला व्यवसाय के लोग भी जुड़े हैं। ईडी ने अपनी जांच का दायरा महाराष्ट्र के मालेगांव से बढ़ा कर उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, ओडिशा और पश्चिम बंगाल समेत देश के बाकी हिस्सों तक फैला दिया है। ईडी अब 2500 से अधिक लेनदेन की जांच कर रहा है। वह देश की 170 शाखाओं में हुए लेनदेन पर छानबीन कर रहा है।

एजेंसी को शक है कि जिन लोगों के खाते सिराज अहमद ने लिए थे, उनमें आया यह पैसा हवाला का था और इसका मनी लॉन्ड्रिंग से लिंक है। इस पैसे का इस्तेमाल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में होने की ईडी जांच कर रहा है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के मालेगांव में एक व्यापारी सिराज अहमद पर 12 लोगों के खाते लेकर उनमें करोड़ों की गड़बड़ी की। उसने खाते हासिल करने के लोगों को नौकरी का झांसा भी दिया। उसके इस झांसे में राहुल काले, मनोज मिसाल, प्रतीक जाधव, पवन जाधव, ललित मोरे, राजेंद्र गिरी, धनराज बच्छव, भावेश घुमरे, दिवाकर घुमरे और दत्तात्रेय कैलास जैसे दर्जनों लोग फंस गए और अपने खाते दिए। इसके बाद उन्हें पता चला कि सिराज ने करोड़ों की गड़बड़ी की।

बांग्लादेशी घुसपैठियों से कराया जाता था देह व्यापार

कोलकाता, 15 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेशी घुसपैठ और अवैध देह व्यापार के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा खुलासा किया है। झारखंड और पश्चिम बंगाल में की गई जांच के बाद चार आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें रोनी मंडल और पिंकी बसु मुखर्जी प्रमुख हैं। ये गिरोह बांग्लादेश की लड़कियों को भारत लाता था और उन्हें देह व्यापार में धकेलता था। इसके जरिए ये गिरोह मोटी कमाई करता था। इन पैसों का लेन-देन बांग्लादेश तक होता था। रोनी मंडल को इस गिरोह का सरगना माना जा रहा है, जो बांग्लादेशी लड़कियों को अवैध तरीके से भारत लाने और उनकी तस्करी में सक्रिय भूमिका निभाता था। रोनी मंडल खुद अवैध घुसपैठिया है। वहीं, पश्चिम बंगाल की पिंकी बसु मुखर्जी की भूमिका भी कम अहम नहीं थी। वह इन लड़कियों को सिमकार्ड प्रदान करती थी, जिससे इनका नेटवर्क सुरक्षित तरीके से काम कर सके। ईडी ने जांच में पाया कि झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के कई रईस इस गिरोह की सेवाएं लेते थे। इन लड़कियों के माध्यम से एस्कॉर्ट सर्विस चलाई जाती थी। इन बांग्लादेशी लड़कियों को विशेष रिसॉर्ट्स में लाकर इन लोगों की मांग पूरी की जाती थी। गिरोह का मुनाफा भी तगड़ा था, जहां लड़कियों को हर माह 80 हजार से एक लाख रुपए तक दिए जाते थे। ईडी ने 4 जून 2024 को दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर अपनी जांच शुरू की। झारखंड के बरियातू थाने में कांड संख्या 188/2024 को धोखाधड़ी, जालसाजी व विदेशी अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस किया था। उक्त प्राथमिकी फर्जी दस्तावेज के आधार पर भारत की सीमा में दाखिल होने से संबंधित थी। दर्ज प्राथमिकी में बरियातू थाने की पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र के बाली रिसोर्ट से गिरफ्तार बांग्लादेशी लड़कियों को आरोपित बनाया था। इन लड़कियों में निपाह अख्तर खुशी, पायल दास उर्फ निम्पी बरूवा, अनिका दत्ता उर्फ शर्मिन अख्तर, हासी अख्तर उर्फ हासी विश्वास, प्रवीण व झुमा शामिल थीं। सभी का पता बांग्लादेश था। यह मामला फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में घुसपैठ को लेकर दर्ज किया गया था। इन लड़कियों के बयानों और डिजिटल उपकरणों की जांच से बड़े पैमाने पर घुसपैठ की पुष्टि हुई।रोनी मंडल (47) और पिंकी बसु मुखर्जी (41) के अलावा, संदीप चौधरी और पिंटू हलधर नाम के दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। रोनी और संदीप बांग्लोशी नागरिक हैं, जबकि पिंकी और पिंटू भारतीय नागरिकता के तहत गतिविधियों में लिप्त पाए गए। रोनी मंडल कम से कम 42 नंबरों के जरिए बांग्लादेशी लोगों के संपर्क में था। इन लोगों के पास से फर्जी आईडी, आधार, पासपोर्ट से लेकर तमाम अवैध सामग्रियां बरामद हुई हैं। बता दें कि 12 नंबर को ईडी ने 17 ठिकानों पर छापेमारी करके इन्हें गिरफ्तार किया है। इन लोगों के पास से भारी मात्रा में कैश भी बरामद हुआ है।

मासूम बेटे के सामने काटा पत्नी का गला

बदायूं/एजेंसियां। जिले में स्थित शिवपुरम गली नंबर चार में किराये के मकान में रहने वाले शटरिंग कारीगर ने बुधवार देर रात पांच साल के बेटे के सामने ही गला रेतकर पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद करीब पांच घंटे तक बेटे को लेकर शव के पास बैठा रहा। सुबह करीब छह बजे बेटे और पत्नी के शव को कमरे में बंद कर फरार हो गया। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर मकान मालिक ने बाहर से बंद दरवाजे को खोला तो वारदात का पता चला।

पुलिस को आशंका है कि पति-पत्नी में हुए आपसी विवाद के बाद हत्या की गई है। मूसाझाग थाना इलाके के गांव मझारा निवासी शटरिंग कारीगर अमित कुमार (24) पत्नी श्वेता उर्फ शिखा और पांच साल के बेटे अविरल के साथ शिशुपाल सिंह के मकान में किराये पर रहता था। बुधवार रात तीनों कमरे में थे। बताते हैं कि रात करीब एक बजे श्वेता व अमित के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। शोरशराबा सुनकर बेटा भी जाग गया। इसी बीच अमित ने बेटे के सामने ही चाकू से पत्नी का गला रेत दिया। पुलिस के मुताबिक, बच्चे का रोना सुनकर शिशुपाल नीचे आए तो श्वेता का खून से लथपथ शव पड़ा था। उनकी सूचना पर एसएसपी और कोतवाली पुलिस भी पहुंची। पुलिस के मुताबिक, मासूम अविरल ज्यादा जानकारी तो नहीं दे सका, लेकिन उसने इतना जरूर कहा है कि पापा ने मम्मी को चाकू से मारा है। श्वेता के माता-पिता गुरुग्राम में रहते हैं। वे भी बदायूं पहुंच गए हैं। वारदात के बाद अमित पैतृक गांव कौर मझारा पहुंचा। परिवार के लोगों को बताया कि श्वेता ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। पिता सुरेश ने मृतका के नाना, भाई और माता-पिता को फोन कर आत्महत्या की सूचना दे दी। इस बीच अमित गांव से फरार हो गया। बाद में पता चला कि वह श्वेता की हत्या करके आया है। बदायूं के शिवपुरम में पत्नी की गला रेतकर हत्या करने के मामले में पांच साल के बेटे ने पुलिस को अहम जानकारी दी है। उसने बताया कि पापा ने मम्मी को चाकू से मारा है। इसके बाद मम्मी गिर गईं। पुलिस के मुताबिक, बच्चा ज्यादा जानकारी नहीं दे सका है। हत्या की असल वजह आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही पता चल सकेगी। उसकी तलाश की जा रही है। एसएसपी ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा कि पत्नी की हत्या कर अमित फरार हो गया है। बेटा हत्या की वजह तो नहीं बता पाया, लेकिन इतना बताया है कि पापा ने मम्मी को मारा है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही हत्या की असल वजह पता चल सकेगी।

सरकार की उपहार योजना में भी भ्रष्टाचार का खेल

साड़ी की लंबाई कम कर दी डिनरसेट का वजन घटा दिया

हरदोई, 15 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत उपहारों का सत्यापन करने के दौरान भ्रष्टाचार का अजीबोगरीब खेल पकड़ा गया। साढ़े पांच मीटर की लंबाई वाली साड़ी का सैंपल दिखाया गया था, लेकिन जो आपूर्ति हुई उसकी लंबाई साढ़े चार मीटर ही निकली। स्टील के डिनरसेट का वजन आठ किलो होना चाहिए था, लेकिन यह पांच किलो ही निकला।

हरदोई जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बृहस्पतिवार को आयोजन तो भव्य हुआ, लेकिन नवविवाहित जोड़ों को योजना के तहत दिए जाने वाले उपहार नहीं दिए जा सके। दरअसल, उपहार की आपूर्ति का टेंडर जिस फर्म को मिला था, उसने सरकार के उपहार में ही खेल कर दिया। साढ़े पांच मीटर की साड़ी सैंपल में दिखाई, लेकिन वितरण के लिए साढ़े चार मीटर की साड़ी ही भेज दी। नौ किलो ग्राम वजन के डिनरसेट की जगह साढ़े पांच किलोग्राम का डिनरसेट भेजा। सत्यापन के दौरान मामला पकड़ा गया तो डीएम ने सामान वापस करा दिया। आपूर्तिकर्ता फर्म और प्रोपराइटर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के आदेश डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने दिए हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत नवविवाहित जोड़ों को सरकार की ओर से उपहार दिए जाते हैं।

इनमें कपड़े, चांदी की बिछिया और पायल, डिनरसेट, कंबल, दीवार घड़ी आदि शामिल रहती हैं। इन वस्तुओं की आपूर्ति के लिए टेंडर किया जाता है। समाज कल्याण विभाग की ओर से टेंडर की प्रकिया 20 दिन पहले पूरी कर ली गई थी। गायत्री फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को आपूर्ति का टेंडर मिला था। इसके प्रोपराइटर हाथरस निवासी प्रदीप कुमार गोयल हैं। आमतौर पर उपहार में दी जाने वाली आपूर्ति आयोजन के तीन दिन पहले पहुंचाने के निर्देश होते हैं। सामग्री आने पर इसका सत्यापन नगर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व वाली टीम करती है। हरदोई में हुए कार्यक्रम के लिए 11 नवंबर तक उपहारों की आपूर्ति होनी थी, लेकिन बुधवार यानी 13 नवंबर की शाम आपूर्ति हुई। इससे भी गड़बड़ी की आशंका बढ़ गई थी।

इस पर जब डीएम मंगला प्रसाद सिंह ने सत्यापन कराने के लिए नगर मजिस्ट्रेट एसके त्रिवेदी के नेतृत्व वाली कमेटी को भेजा तो बड़ा खेल सामने आया। साढ़े पांच मीटर की लंबाई वाली साड़ी का सैंपल दिखाया गया था, लेकिन जो आपूर्ति हुई उसकी लंबाई साढ़े चार मीटर ही निकली। स्टील के डिनरसेट का वजन आठ किलो होना चाहिए था, लेकिन यह साढ़े पांच किलो ही निकला। डीएम एमपी सिंह ने कहा, टेंडर करते समय सैंपल देखा गया था। जो वस्तुएं सैंपल में दिखाई गई थीं उनकी आपूर्ति न कर मानकविहीन सामग्री भेज दी गई। सामग्री भेजने की निर्धारित समय सीमा का पालन भी नहीं किया गया है। गायत्री फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को काली सूची में डालने की संस्तुति की है। इसके प्रोपराइटर प्रदीप कुमार गोयल के खिलाफ एफआईआर के आदेश भी दिए गए हैं। डीएम ने कहा कि सभी नवविवाहितों के घरों पर उपहार पहुंचाए जाएंगे। अगले 10 दिन के अंदर उपहार पहुंचाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। किसी भी नवविवाहित जोड़े को परेशान होने की जरूरत नहीं है और न ही किसी कार्यालय का चक्कर काटने की आवश्यकता है।

किसान संगठन के शिविर में लगे बालाओं के ठुमके, नोट उड़े

गजरौला (अमरोहा), 15 नवंबर (एजेंसियां)। तिगरी गंगा मेले में किसान संगठन के शिविर में महिला कलाकारों के डांस पर नोट बरसाने का वीडियो वायरल हुआ। नोट बरसाने पर मंच पर विवाद की स्थिति बनी, जिसे लोगों ने समझा-बुझाकर शांत किया। वायरल वीडियो ने मेले में ऐसे आयोजनों पर सवाल खड़े कर दिए। तिगरी गंगा मेले में लगे एक किसान संगठन के शिविर में बालाओं ने ठुमके लगाए। कुछ लोग उन पर नोट उड़ा रहे हैं। उनके ठुमके लगाए जाने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बृहस्पतिवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक किसान संगठन का शिविर तिगरी गंगा मेले में लगा है। उसमें एक महिला कलाकार डांस कर रही है। कुछ लोग मंच से खड़े होकर उस पर नोट बरसा रहे हैं। थोड़ी ही देर में दूसरी महिला डांस करने लगती है। गंगा मेले में लगे शिविर में बालाओं के ठुमके की वीडियो देख हर कोई हैरत में है।

तिगरी गंगा मेले में श्रद्धालुओं के ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जाने के लिए ट्रैक्टर मार्ग बनाया गया। तिगरी चेक पोस्ट के पास से ट्रैक्टर-ट्रॉली मोहरका पट्टी वाले मार्ग से तिगरी गंगा मेले गुजारे गए। कार दो मार्गों से गुजारी गई। वीआईपी पास वाली कार व अन्य वाहन शिव चौक से अंदर तिगरी में बाढ़ खंड की चौकी के बराबर से होकर गंगा रोड से मेले में गए। जिन पर पास नहीं था, उनके वाहन शिव चौक से तिगरी में दूसरे मार्ग से गंगा मेले तक पहुंचे। शुक्रवार सुबह से वीआईपी पास निरस्त कर दिए गए। पुलिस कर्मियों ने तिगरी गांव की तरफ से निकल कर मेले में जा रहीं कारों को रोकना शुरु कर दिया। इस पर कार सवारों की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने वाहनों की तिगरी से पहले ही तय किए गए स्थानों पर पार्किंग कराई। इस कारण श्रद्धालुओं को पैदल ही तिगरी गंगा मेले जाना पड़ा।

अयोध्या के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में बनेगा विश्व का सबसे ऊंचा राम मंदिर

अयोध्या, 15 नवंबर (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में विश्व का सबसे ऊंचा भगवान राम का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। इसका भूमि पूजन अगले वर्ष 2025 में होगा। उम्मीद की जा रही है कि इस भव्य राम मंदिर का भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

यह मंदिर 150 एकड़ जमीन में 721 फीट ऊंचा और पांच मंजिल का होगा। यही नहीं इस मंदिर का डिजाइन भी वही शख्स तैयार कर रहे हैं, जिन्होंने अयोध्या के राम मंदिर को डिजाइन किया है। गुजरात के मशहूर आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा ऑस्ट्रेलिया के राम मंदिर को डिजाइन करेंगे। राम मंदिर मार्ग में 101 फीट ऊंची हनुमान जी की मूर्ति भी लगाई जाएगी। इसके साथ ही सप्तसागर में 51 फीट के भगवान शिव की मूर्ति भी स्थापित होगी। अयोध्यापुरी और सनातन विश्वविद्यालय का भी निर्माण किया जाएगा। इस मंदिर का निर्माण श्रीराम टेंपल फाउंडेशन करवाएगा। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2023 को हो चुकी है और अब 2025 में ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में 150 एकड़ में भव्य राम मंदिर बनाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के लोग भी अब भगवान रामलला का दर्शन अपने ही देश में कर सकेंगे।

22 दिसंबर को दो पालियों में होगी यूपीपीएससी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

प्रयागराज, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीख का ऐलान कर दिया है। ताजा जानकारी के अनुसार, यह परीक्षा 22 दिसंबर को एक ही दिन में आयोजित की जाएगी।

यूपी लोक सेवा आयोग ने गुरुवार, 14 नवंबर को लंबे समय से चल रहे विरोध प्रदर्शन के बाद परीक्षा को स्थगित कर दिया था। आयोग ने आज, 15 नवंबर परीक्षा की नई तिथि का एलान किया है। पहले यह परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो दिन, दो पालियों में आयोजित होनी थी।

यूपीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी ताजा नोटिस में लिखा है, सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 जो दो दिवसों में दिनांक 7 व 8 दिसंबर 2024 को होनी थी, उसे अब एक दिवस में दिनांक 22 दिसंबर 2024 को दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा।

पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा में 10 लाख से अधिक (10,76,004) अभ्यर्थियों के बैठने की उम्मीद है।

आरओ-एआरओ परीक्षा स्थगित, बाद में घोषित होगी तिथि

प्रयागराज, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी- सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा को स्थगित कर दिया है। नए सिरे से परीक्षा कराने के लिए आयोग के वरिष्ठतम सदस्य कल्पराज सिंह की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर दी गई है। कमेटी में आयोग के सदस्य प्रो. राम प्यारे, सेवानिवृत्त आईएएस योगेश कुमार शुक्ल, सेवानिवृत्त पीसीएस प्रेम प्रकाश पाल शामिल किए गए हैं। आयोग के अनुसचिव ओंकारनाथ सिंह ने बताया कि परीक्षा तीन पालियों में 22 और 23 दिसंबर को आयोजित होने वाली थी उसे स्थगित कर दिया गया है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद नई तिथि पर परीक्षा कराने की घोषणा की जाएगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने प्रतियोगी छात्रों की मांगों को ध्यान में रखते हुए पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तिथि को बदलते हुए नई तिथि 22 दिसंबर घोषित की है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतियोगी छात्रों की मांग को ध्यान में रखते हुए की गई पहल के बाद लिया गया है।प्रयागराज में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए, अब यह परीक्षा एक ही दिन में संपन्न कराई जाएगी। पहले यह परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो दिनों में आयोजित होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक ही दिन में दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। इस संशोधन के बाद पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 22 दिसंबर को सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे और दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इस निर्णय से प्रतियोगी छात्रों को अब एक ही दिन में परीक्षा देनी होगी, जिससे उनके यात्रा और समय की समस्या को हल किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतियोगी छात्रों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए आयोग को इस संबंध में उचित कदम उठाने के लिए कहा था। सीएम योगी की पहल के बाद आयोग ने छात्रों की मांगों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए परीक्षा की तिथि में बदलाव किया है।

महाकुंभ-2025 : जूना अखाड़ा माईबाड़ा को मिलेगा महाकुंभ का दायित्व

पांच सौ नई संन्यासिनियां लेंगी दीक्षा, होगा पट्टाभिषेक

प्रयागराज, 15 नवंबर (एजेंसियां)। नागा संन्यासियों के सबसे बड़े श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा माईबाड़ा की चार मढ़ी को इस बार महाकुंभ की जिम्मेदारी मिल रही है। इसके लिए अध्यक्ष पद की दौड़ में दो साध्वियों के नाम शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश की जूना अखाड़े की पीठाधीश्वर साध्वी मीरा पुरी इस दौड़ में सबसे आगे हैं।

जबकि, मध्यप्रदेश की लक्ष्मी सरस्वती का भी नाम रेस में शामिल है। माईबाड़ा में इस बार के महाकुंभ में पांच सौ से अधिक साध्वियों का पट्टाभिषेक कराया जाएगा। माईबाड़ा में मौजूदा समय दो हजार से अधिक संन्यासिनियां हैं। इनमें सबसे अधिक नेपासी साध्वियों की संख्या हैं। इन संन्यासिनियों में जर्मनी, जापान, कनाड़ा और आस्ट्रेलिया की विदेशी साध्वियां भी शामिल हैं।

इन संन्यासिनियों का नेतृत्व इस बार के महाकुंभ में पंच दशनाम जूना अखाड़ा माईबाड़ा की चार मढ़ी को सौंपा जा रहा है। इसमें अब तक मायामोह का परित्याग कर अखाड़े में शामिल होने वाली पांच सौ से अधिक साध्वियों को दीक्षा दिलाने वाली हिमाचल प्रदेश की पीठाधीश्वर मीरा पुरी का नाम सबसे आगे है। नेपाल के काठमांडू से यहां पहुंचीं पंचदशनम जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर और माईबाड़ा का शीर्ष पदाधिकारी जगदगुरु हेमानंद सरस्वती ने बताया कि माईबाड़ा की चार मढ़ी को इस बाद महाकुंभ की जिम्मेदारी दी जाएगी।

इसके लिए कर्मठ, योग्य और सर्वमान्य साध्वियों के बीच से एक चेहरा चुना जाएगा। 23 नवबंर को जूना अखाड़े की धर्म ध्वजा स्थापित होने जा रही है। इस धर्म ध्वजा में देश ही नहीं दुनिया भर संन्यासिनियां यहां पहुंच रही हैं। यमुना तट स्थित मौजगिरि घाट पर बने जूना अखाड़े के संत निवास में माईबाड़ा की संन्यासिनियों के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि सर्वसम्मति से माईबाड़ा की अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। मध्य प्रदेश की पीठाधीश्वर स्वामी लक्ष्मी सरस्वती ने बताया कि इस बार उनका ही नंबर है। जूना अखाड़े के शीर्ष पदाधिकारियों की ओर से मेरे नाम का प्रस्ताव किया गया है। लेकिन, चुनाव कराने की बजाए सर्वसम्मति बनाने के पक्ष में मैं हूं।

श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा माईबाड़ा की महंत लक्ष्मी सरस्वती ने कहा, माईबाड़ा का इस बार महाकुंभ में विस्तार किया जाएगा। इसके लिए व्यापक तैयारियां की जा रही है। सभी 13 अखाड़ों में माईबाड़ा की ओर से साध्वियों को दीक्षा दिलाई जाएगी।

उपराष्ट्रपति ने किया काशी में नमो घाट का लोकार्पण

वाराणसी, 15 नवंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज काशी में नमो घाट का लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद थीं।

देव दीपावली पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नमो घाट का लोकार्पण कर कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा घाट है। उन्होंने कहा कि ये बात जब उन्होंने सीएम योगी से कही तो सीएम ने कहा कि भारत के अलावा घाट है की कहां। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज वह पल हमारे जीवन में आया है, जिसकी कल्पना मैंने कभी नहीं की थी। ये बहुत बड़ा दायित्व था। नमो घाट का लोकार्पण काशी आकर करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश तो मुख्यमंत्री योगी के प्रयास से प्रदेश बदल रहा है।

अपना भारत बदल रहा है और बड़ी तेजी से बदल रहा है। भारत की उपलब्धियों को दुनिया सराह रही है। कहा कि धरती जहां की पारस है, नाम उसका बनारस है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत सनातन की भूमि है। काशी इसका प्रतीक है। उन्होंने कहा कि परंपरा और संस्कृति को संजोए रखने वाली काशी निरंतर विकास कर रही है। सनातन हमें एक रहने और मजबूत रहने का संदेश देता है।

एक और छात्र आंदोलन की तैयारी, विवि में आरक्षण पर सियासत

26 नवंबर को एएमयू सर्किल पर जुटेंगे हजारों छात्र

अलीगढ़, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अल्पसंख्यक दर्जे पर सुप्रीम फैसले के बाद अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में आरक्षण पर सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री समेत कई कॉलेजों के छात्रों ने यहां आरक्षण की वकालत की है। इसको लेकर 26 नवंबर को लगभग दो हजार छात्र एएमयू सर्किल पर जुटेंगे।

विश्वविद्यालय में आरक्षण की आवाज मुखर करने के लिए आरक्षण संघर्ष मोर्चा बनाया गया, जो पूरी ताकत से लड़ाई लड़ेगा। मोर्चा के सदस्यों ने एएमयू और सर सैयद को देश के विभाजन का जिम्मेदार ठहराया है। छात्र नेता अमित गोस्वामी ने कहा कि एएमयू में एससी-एसटी और पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को आरक्षण दिलाकर रहेंगे। छात्र नेता अर्जुन सिंह भोलू ने कहा कि एएमयू किसी विशेष धर्म की संस्था नहीं है। यह भारत के आम नागरिकों के टैक्स से संचालित संस्थान है। अगर एएमयू को अल्पसंख्यक स्वरूप मिलता है तो एससी-एसटी व पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को आरक्षण भी नहीं मिल पाएगा।

छात्र नेता बलदेव चौधरी और जय यादव ने कहा कि सर सैयद और एएमयू भारत के विभाजन के जिम्मेदार हैं। हिंदू छात्र नेताओं ने इसे देशव्यापी अभियान बनाने का ऐलान किया है। आरक्षण की मांग को लेकर 26 नवंबर को एएमयू सर्किल पर दो हजार हिंदू छात्र जुटेंगे। छात्र नेता संजू बजाज ने कहा कि किसी कीमत पर एएमयू को मजहबी अड्डा नहीं बनने देंगे। एएमयू के प्रभारी पीआरओ प्रो. आसिम सिद्दीकी ने कहा, सर सैयद अहमद की मृत्यु 1898 में हो गई थी। उस समय देश विभाजन की कोई बात नहीं थी। हालांकि, इस मसले पर इतिहासकारों ने कई किताबें लिखी हैं। इसलिए विभाजन को लेकर दो वाक्यों में टिप्पणी नहीं कही जा सकती। न ही उसके मूल तत्व को समझा जा सकता है।

बेटे का फोटो लगाकर मंत्री के अकाउंटेंट से 2.08 करोड़ की ठगी

प्रयागराज, 15 नवंबर (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से 2.08 करोड़ रुपये ठग लिए। व्हाट्सऐप डीपी पर नंदी के बेटे की तस्वीर लगाए ठग ने मैसेज भेजा, मैं जरूरी बिजनेस मीटिंग में हूं। यह मेरा नया नंबर है, तुरंत पैसे भेजो। अकाउंटेंट ने तुरंत बताए तीन खातों में पैसे भेज दिए। भेद खुलने पर सनसनी मची। साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। ठगी की यह वारदात बुधवार को हुई। मंत्री नंदी के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव के मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से मैसेज आया। डीपी नंदी के बेटे की लगी हुई थी। मैसेज में लिखा था कि यह मेरा नया नंबर है। मैं एक बहुत जरूरी बिजनेस मीटिंग हूं। यह मीटिंग अभी काफी देर तक चलेगी। मुझे कुछ पैसों की तुरंत जरूरत है। इसके बाद साइबर ठगों ने बैंक खातों के तीन नंबर भेजे। कहा, पैसा तुरंत ट्रांसफर कर दो। मैसेज देखने के बाद अकाउंटेंट ने तीन बार में 2.08 करोड़ रुपये बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए। कुछ देर बाद रितेश को पता चला कि मंत्री के बेटे ने इस तरह का कोई मैसेज नहीं भेजा है और न ही अपने खाते में पैसा ही मंगवाया।

संपादकीय

गंगा फिर भी मैली

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में अघुलनशील कचरा व अन्य अपशिष्ट डालने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यदि जागरूकता व प्रेरित करने से बात नहीं बनती तो इसके लिये जुर्माने का प्रावधान भी होना चाहिए। साथ ही गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। एक बात तो तय है कि सरकार के साथ जब समाज की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती, गंगा का साफ होना असंभव जैसा हो जाएगा। गंगा सिर्फ बहती नदी नहीं है हमारे पुरखों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। गंगा मुक्तिकामी भी है। जीवनदायिनी भी है। ऐसे में केंद्र सरकार की नमामि गंगा परियोजना में राज्यों की भागीदारी और जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। साथ ही स्वच्छता परियोजना की निरंतर निगरानी की जानी भी जरूरी है ताकि प्रयासों का स्थायी लाभ गंगा को स्वच्छ बनाने में मिल सके। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा।

प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है।

महाराष्ट्र की राजनीति के वटवृक्ष माने जाने वाले शरद पवार दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे

राजनीतिक पूंजी बचाने और बागियों को सबक सिखाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे शरद पवार

नीरज कुमार दुबे

शरद पवार के लिए इस बार का चुनाव अपनी जीवन भर की राजनीतिक कमाई को बचाने और धोखा देने वालों को सबक सिखाने का चुनाव भी है। हम आपको याद दिला दें कि भतीजे अजित पवार ने चाचा शरद पवार द्वारा बनाई गयी पार्टी एनसीपी पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल और धनंजय मुंडे जैसे कई नेता हैं जिनको संकट के समय शरद पवार ने राजनीतिक सहारा देकर उबारा था लेकिन वह धोखा देकर अजित पवार के साथ चले गये। इसलिए इस चुनाव में शरद पवार हर वो चाल चल रहे हैं जिससे उनको धोखा देने वालों को सबक सिखाया जा सके

राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार के लिए इस बार का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पहले के चुनावों की तरह सामान्य नहीं है। यह चुनाव शरद पवार के लिए सिर्फ सरकार बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए भी नहीं है। शरद पवार के लिए इस बार का चुनाव अपनी जीवन भर की राजनीतिक कमाई को बचाने और धोखा देने वालों को सबक सिखाने का चुनाव भी है। हम आपको याद दिला दें कि भतीजे अजित पवार ने चाचा शरद पवार द्वारा बनाई गयी पार्टी एनसीपी पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल और धनंजय मुंडे जैसे कई नेता हैं जिनको संकट के समय शरद पवार ने राजनीतिक सहारा देकर उबारा था लेकिन वह धोखा देकर अजित पवार के साथ चले गये। इसलिए इस चुनाव में शरद पवार हर वो चाल चल रहे हैं जिससे उनको धोखा देने वालों को सबक सिखाया जा सके। जहां भावनात्मक कार्ड खेलना है वहां शरद पवार इमोशनल हो जा रहे हैं, जहां राजनीतिक चाल चलनी है वहां वह आक्रामक हो जा रहे हैं। उनको इस बार कितनी बड़ी राजनीतिक कामयाबी मिल पाती है यह तो परिणाम ही बताएंगे लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति के वटवृक्ष माने जाने वाले शरद पवार दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बारामती में लोकसभा चुनावों के दौरान शरद पवार का इमोशनल कार्ड लोकसभा चुनावों में भी चला था जब उनकी बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उनके भतीजे अजित पवार ने अपनी पत्नी को चुनाव में उतार दिया था। अब अजित पवार के खिलाफ उनके भतीजे रोहित पवार को उतार कर जब शरद पवार प्रचार के लिए उतरे तो उन्होंने फिर से भावनात्मक कार्ड खेला और सक्रिय राजनीति से संन्यास के संकेत दिये। एक तरफ उन्होंने बारामती में इमोशनल कार्ड खेला तो दूसरी ओर राजनीतिक कार्ड खेलते हुए अजित पवार को घड़ी चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने और अपनी फोटो का उपयोग करने से रोकने के लिए अदालत की शरण भी ली। शरद पवार साथ ही उन सभी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में भी जा रहे

हैं जिन्होंने अजित पवार के नेतृत्व में उनको धोखा दिया। उन विधायकों के क्षेत्रों में जाकर वह उनकी कारगुजारियों से जनता को अवगत करा रहे हैं और उन्हें सबक सिखाने के लिए कह रहे हैं। इस क्रम में शरद पवार ने पूर्व सहयोगी दिलीप वलसे पाटिल के खिलाफ मोर्चा खोला। 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले अंबेगांव विधानसभा क्षेत्र में शरद पवार ने कहा कि दिलीप वलसे पाटिल कहते रहे कि साहेब (शरद पवार) मेरे बारे में (कुछ भी नकारात्मक) बात नहीं करेंगे, लेकिन मेरे पास कहने के लिए क्या बचा है? दिलीप वलसे पाटिल ने हमें धोखा दिया, और जिन्होंने हमें धोखा दिया है उन्हें दंडित करने की आवश्यकता है। आपको यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि देवदत्त निकम इस सीट पर भारी अंतर से जीतें।'' शरद पवार ने कहा, ''जिन्हें मैंने पद, शक्ति, अधिकार और प्रतिष्ठा दी है, उनसे मैं कुछ नहीं चाहता। आज कई लोग उनसे परेशान हैं। उनके कैबिनेट में शामिल होने का फैसला लोगों को पसंद नहीं आया। उनका कहना है कि हमारे साथ उनके बहुत अच्छे रिश्ते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है।" इसके अलावा, शरद पवार ने अपने पूर्व विश्वासपात्र छगन भुजबल के येवला निर्वाचन क्षेत्र में रैली को संबोधित करते हुए 2019 के चुनावों में ₹गलत उम्मीदवार₹ देने के लिए लोगों से माफी मांगी। शरद पवार ने मतदाताओं से ₹विश्वासघाती₹ को हराने की भावुक अपील की, जो पिछले साल जुलाई में भुजबल के अजित पवार के साथ जाने से उन्हें लगी गहरी चोट को दर्शाता है। शरद पवार ने खुलासा किया कि राकांपा में फूट के बाद भुजबल उनके घर पहुंचे और उनके व अजित पवार के बीच सुलह कराने की पेशकश की, लेकिन वह दोबारा कभी नहीं आए। शरद पवार ने कहा कि भुजबल की कमियों को नजरअंदाज करते हुए उन्हें नेता प्रतिपक्ष से लेकर उपमुख्यमंत्री तक कई अहम पद सौंपे गए, बावजूद इसके उन्होंने राजनीतिक शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दीं और उन्हें धोखा दिया। शरद पवार ने कहा कि भुजबल का उन्हें और दिवंगत बालासाहेब ठाकरे समेत अपने राजनीतिक गुरुओं को धोखा देने का इतिहास रहा है। उन्होंने मतदाताओं से इस दलबदलू नेता को सबक सिखाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "जब उन पर (भुजबल पर) कुछ आरोप लगने के बाद उन्हें जेल जाना पड़ा, तो मैं उनके साथ खड़ा रहा और यहां तक कि उन्हें महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में एक पद भी दिया।" शरद पवार ने कहा कि अपने आकाओं को धोखा देने वाले भुजबल येवला के लोगों से वोट मांगने आएंगे और यह तय करना आपके ऊपर है कि आप ऐसे व्यक्ति का समर्थन करेंगे या नहीं। इसके अलावा, शरद पवार ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के सहयोगी एवं महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे पर भी निशाना साधा और कहा कि राकांपा में विभाजन के पीछे जो लोग हैं, उन्हें हराया जाना चाहिए। पवार ने बीड जिले के परली में आरोप लगाया कि लोगों को ''धमकाया'' जा रहा है और इसे रोकना होगा। उन्होंने कहा कि मैं जो कुछ भी दे सकता था, मैंने धनंजय मुंडे को दिया। कुछ लोगों ने हमारी पार्टी को तोड़ने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें हराना होगा। पवार ने कहा, ''एक बार पंडित मुंडे अपने बेटे धनंजय के साथ मेरे पास आए और मदद मांगी। जब वह मुसीबत में थे तो उन्हें मेरी तरफ से मदद मिली। मैंने उन्हें (धनंजय मुंडे) एमएलसी (विधान पार्षद), परिषद में एलओपी (नेता प्रतिपक्ष), राज्य मंत्री बनाया। मैं उन्हें बीड में प्रमुख पद देना चाहता था।

दृश्टि कोण

किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता सोशल मीडिया

किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभाव ने वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंताएँ पैदा की हैं, इस बात पर बहस चल रही है कि क्या आयु प्रतिबंध इसके संभावित नुकसानों को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं या अनपेक्षित परिणामों को जन्म दे सकते हैं। साथियों के साथ बातचीत और समुदाय निर्माण की सुविधा देता है, सामाजिक कौशल विकास में सहायता करता है। प्यू रिसर्च (2023) ने पाया कि 71% किशोर सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। युवाओं को पहचान तलाशने और ख़ुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सोशल मीडिया इंटरनेट साइट्स और ऐप्स के लिए एक शब्द है जिसका उपयोग आप अपने द्वारा बनाई गई सामग्री को साझा करने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया आपको दूसरों द्वारा पोस्ट की गई सामग्री पर प्रतिक्रिया देने की सुविधा भी देता है। इसमें दूसरों द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरें, टेक्स्ट, प्रतिक्रियाएँ या टिप्पणियाँ और जानकारी के लिंक शामिल हो सकते हैं। सोशल मीडिया साइट्स के भीतर ऑनलाइन शेयरिंग कई लोगों को दोस्तों के संपर्क में रहने या नए लोगों से जुड़ने में मदद करती है और यह अन्य आयु समूहों की तुलना में किशोरों के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण हो सकता है। दोस्ती किशोरों को समर्थित महसूस करने में मदद करती है और उनकी पहचान बनाने में भूमिका निभाती है। इसलिए, यह सोचना स्वाभाविक है कि सोशल मीडिया का उपयोग किशोरों को कैसे प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया बहुत से किशोरों के दैनिक जीवन का एक बड़ा हिस्सा है। कितना बड़ा? 13 से 17 साल के बच्चों पर 2024 में किए गए एक सर्वेक्षण से इसका सुराग मिलता है। लगभग 1, 300 प्रतिक्रियाओं के आधार पर, सर्वेक्षण में पाया गया कि 35% किशोर दिन में कई बार से ज़्यादा पाँच सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म में से कम से कम एक का इस्तेमाल करते हैं। पाँच सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म हैंः यूट्यूब, टिकटोक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट। सोशल मीडिया सभी किशोरों को एक जैसा प्रभावित नहीं करता है। सोशल मीडिया का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य पर स्वस्थ और अस्वस्थ प्रभावों से जुड़ा हुआ है। ये प्रभाव एक किशोर से दूसरे किशोर में अलग-अलग होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव चीज़ों पर निर्भर करता है। यूनिसेफ की रिपोर्ट (2022) से पता चलता है कि सोशल मीडिया 62% किशोरों में आत्म-पहचान को बढ़ावा देता है। विशाल शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच सक्षम करता है, डिजिटल साक्षरता और कौशल को बढ़ाता है। लिंक्डइन और फ़ेसबुक युवाओं के लिए डिजिटल कौशल पर कार्यशालाएँ प्रदान करते हैं। हाशिए के समूहों के लिए समर्थन और समझ पाने के लिए सुरक्षित स्थान बनाता है WHO (2022) ने सीमित सोशल मीडिया एक्सपोजर वाले युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों में 20% की कमी की रिपोर्ट की है। अनुचित या खतरनाक सामग्री के संपर्क को सीमित करता है, जिससे नकारात्मक प्रभावों के जोखिम कम होते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया का उपयोग साइबरबुलिंग के जोखिम को 30% तक बढ़ाता है। युवा उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने वाले शिकारी व्यवहार और शोषण के जोखिमों को कम करने में मदद करता है। नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन की 2023 की रिपोर्ट में युवाओं से जुड़े ऑनलाइन शोषण के मामलों में 15% की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। अत्यधिक स्क्रीन समय को नियंत्रित करता है, बेहतर स्वास्थ्य और ऑफ़लाइन जुड़ाव का समर्थन करता है। डिजिटल मीडिया पर दक्षिण कोरिया के नियम (2021) नाबालिगों में स्क्रीन की लत को सीमित करते हैं। आयु सत्यापन प्रणाली जैसे आयु प्रतिबंधों के अनपेक्षित परिणाम अक्सर दरकिनार कर दिए जाते हैं, जिससे प्रतिबंधों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। यू.के. के अध्ययन (2022) से पता चलता है कि 30% किशोर न्यूनतम प्रयास से आयु जाँच को दरकिनार कर देते हैं। आयु प्रतिबंध डिजिटल शिक्षा को सीमित कर सकते हैं, जिससे युवा ज़िम्मेदार ऑनलाइन बातचीत के लिए तैयार नहीं हो पाते। पहुँच को प्रतिबंधित करने से किशोर अलग-थलग पड़ सकते हैं, जिससे वे महत्त्वपूर्ण सामाजिक संवादों में शामिल नहीं हो पाते। यूनिसेफ (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया समावेशिता में मदद करता है, खासकर हाशिए पर पड़े समूहों के लिए। प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिबंध युवाओं को कम विनियमित, संभावित रूप से अधिक हानिकारक साइटों की ओर धकेल सकते हैं। प्रतिबंध वाले देशों में, किशोर कम सुरक्षा नियंत्रण वाले आला प्लेटफ़ॉर्म की ओर मुड़ गए हैं, जिससे जोखिम बढ़ गया है। डिजिटल साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा दें युवाओं को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए स्कूलों में व्यापक डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू करें। फ़िनलैंड का मीडिया साक्षरता सप्ताह छात्रों को डिजिटल सुरक्षा और आलोचनात्मक सोच में प्रशिक्षित करता है। माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग की निगरानी और मार्गदर्शन करने में मदद करने के लिए संसाधन प्रदान करें।

कुछ अलग

मारक महंगाई

केंद्रीय बैंक व सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद, देश में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के चलते खुदरा मुद्रास्फीति पिछले चौदह महीनों की ऊंचाई पर जा पहुंची हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की ओर से मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के छह फीसदी के संतोषजनक स्तर से ऊपर निकल गई है। आंकड़ों के अनुसार अक्तूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 6.21 प्रतिशत रही। ऐसे में खुदरा महंगाई के आरबीआई द्वारा निर्धारित संतोषजनक स्तर से ऊपर निकल जाने से इस साल दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कमोबेश धाराशाई हो गई हैं। दरअसल, खुदरा महंगाई में यह वृद्धि सब्जियों,फलों, वसायुक्त वस्तुओं व तेलों की कीमतों में तेजी की वजह से हुई है। जो कि भारत की खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में व्याप्त गहरी संरचनात्मक चुनौतियों का खुलासा करती है। साथ ही स्थिति में सुधार के लिये अविलंब सरकारी हस्तक्षेप की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से अक्तबूर की खाद्य मुद्रास्फीति दर का इस साल सबसे अधिक 10.87 फीसदी होना नीति-नियंताओं के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यह बढ़ती महंगाई एक महत्वपूर्ण संकेत भी देती है कि अस्थिर खाद्य कीमतें देश की संपूर्ण आर्थिक स्थिरता को कैसे बाधित कर सकती है। विशेष रूप से टमाटर और तेल जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी, कुछ प्रमुख वस्तुओं और आयात की जाने वाली चीजों पर देश की निर्भरता हमारी कमजोरी को ही दर्शाती हैं। इसमें दो राय नहीं कि हर साल वर्षा ऋतु में सब्जी उत्पादक राज्यों में अतिवृष्टि, बाढ़ आदि के कारण उत्पादन व आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो जाती है। वहीं अनियमित और ज्यादा बारिश से सब्जी व फलों को होने वाले नुकसान ने बता दिया है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। जिसकी आशंका हम कई वर्षों से जताते भी रहे हैं। अब इस चुनौती का युद्ध स्तर पर मुकाबला करने की जरूरत है। बहरहाल, हमें गंभीरता से विचार करना होगा कि ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से सब्जियों के उत्पादन व आपूर्ति को कैसे सुरक्षित करें। ऐसे वक्त में जब कृषि उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन का सीधा प्रभाव नजर आया है, हमें मौसम के चरम में बेहतर उत्पादन देने वाली सब्जियों व अन्य फसलों की उन्नत किस्में तैयार करनी होंगी। साथ ही बेहतर भंडारण सुविधाएं जुटानी होंगी। जिससे बिचौलियों की मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाकर कृत्रिम महंगाई को रोका जा सकेगा। हम व्यावहारिक आयात रणनीति को अपनाते हुए सब्जियों व फलों के आपूर्ति पक्ष को मजबूत करें। कालांतर ये प्रयास खाद्य मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने में मददगार होंगे। हमें औद्योगिक उत्पादन में भी तेजी लाने की जरूरत है ताकि लोगों की आय बढ़ने से क्रय शक्ति में इजाफा हो। हालांकि, सितंबर में औद्योगिक उत्पादन में तीन फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन यह आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। दरअसल, कम वृद्धि उच्च मुद्रास्फीति के कारण उत्पन्न होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने में सहायक नहीं हो सकती है। वहीं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में यह मामूली वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था में सुस्ती को बताती है। निस्संदेह, मुद्रास्फीति में कमी किए बिना सुधार की गति को बनाये रखने में मुश्किल है। ऐसे में केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से उपभोक्ता मांग कम हो सकती है।

देश दुनिया से

दिखावे वाले हाथी दांत सरीखे स्मॉग टॉवर्स

बीते साल उच्चतम न्यायालय ने यह जानकारी मिलने पर कि दिल्ली के कनाट प्लेस में स्थित स्मॉग टॉवर बंद पड़ा है, तत्काल उसे चालू करने का आदेश दिया। अदालत ने पूछा कि गंभीर प्रदूषण की स्थिति में स्मॉग टॉवर को असफल बताकर कैसे बंद किया जा सकता है। इसके बाद, डीपीसीसी के चेयरमैन को रियल टाइम आंकड़ों के साथ न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। इस दौरान यह भी सामने आया कि आनंद विहार का स्मॉग टॉवर भी बंद था, जो प्रदूषण से प्रभावित एक प्रमुख क्षेत्र है। अक्तूबर, 2024 में दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति और भी गंभीर हो गई है, लेकिन तात्कालिक कार्रवाई न तो न्यायालयों में हो रही है और न ही सरकारों में। दिवाली से पहले ही दिल्ली भारत का सबसे प्रदूषित शहर बन चुका है, और स्मॉग टॉवर्स महीनों से बंद हैं, जिनका मुख्य कारण संचालन और कर्मचारियों के वेतन के लिए धन की कमी है। कनाट प्लेस में खुले में रोजगार करते श्रमिकों का कहना है कि ठंड में बढ़ते प्रदूषण के बीच बंद स्मॉग टॉवरों को फिर से चालू किया जाना चाहिए, क्योंकि पिछले साल इससे उन्हें साफ हवा मिली थी। इसी तरह, आनंद विहार में लगे केंद्र सरकार द्वारा संचालित स्मॉग टॉवर का हाल भी अच्छा नहीं है, जहां एक्यूआई 400 तक पहुंचता रहता है। दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान्स में 2021 में स्मॉग टावर्स लगाने के बाद से 2022, 2023 और 2024 में इन टॉवर्स पर चुप्पी रही है, जो स्वाभाविक ही था। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 2021 में कनाट प्लेस और आनंद विहार में स्मॉग टॉवर्स का उद्घाटन किया गया था, और यह दो साल का पायलट प्रोजेक्ट था। चूंकि मामला अभी भी उच्चतम न्यायालय में लंबित है, इस पर अंतिम निर्देश मिलने के बाद ही यह तय होगा कि दिल्ली में अन्य स्थानों पर भी स्मॉग टॉवर्स लगाए जाएंगे या नहीं। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर आईआईटी मुंबई ने सीपीसीबी को स्मॉग टॉवर्स पर प्रस्ताव सौंपा था। जब यह खबर सामने आई कि आईआईटी मुंबई इस परियोजना से पीछे हटने जा रहा है, तो जस्टिस अरुण मिश्रा की बेंच ने जुलाई 2020 में भारत के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता के माध्यम से उसे चेतावनी दी कि यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना मानी जाएगी, और इसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद, आईआईटी मुंबई ने परियोजना पर काम जारी रखा। 2023 में स्मॉग टावर्स के दो साल पूरे होने पर, आईआईटी मुंबई ने 30 सितंबर, 2023 को एक रिपोर्ट तैयार की, और पर्यावरण मंत्री के निर्देश पर यह फाइनल रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई। सात नवम्बर, 2023 को उच्चतम न्यायालय ने सवाल उठाया कि स्मॉग टॉवर को असफल कैसे माना जा सकता है, जबकि दो साल के पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट में आठ महीने तक ये टॉवर बंद थे। इसके अलावा, कनाट प्लेस का स्मॉग टॉवर एक नई तकनीक पर आधारित था, जिससे अनुभव का अभाव था, और अक्तूबर 2022 तक इसके संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और प्रोटोकॉल भी तैयार नहीं हो पाए थे। इसी संदर्भ में, 13 नवम्बर 2021 को सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दिल्ली सरकार से यह सवाल पूछा था कि जब दिल्ली में गैस चेम्बर जैसी स्थिति है, तो क्या स्मॉग टावर वास्तव में काम कर रहे हैं, जैसा कि सरकार दावा करती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि स्मॉग टावरों से दिल्ली में गैस चेम्बर जैसी खतरनाक स्थितियों में आम लोगों को राहत मिलती है। कोर्ट ने यह भी बार-बार कहा है कि साफ हवा में सांस लेना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। स्मॉग टॉवर से छनी हुई हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे प्रदूषक कणों की कमी के कारण स्मॉग की घातकता कम होती है, जिससे खुली हवा में व्यायाम और सैर के दौरान जोखिम घटता है, और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोग भी राहत महसूस कर सकते हैं। फिलहाल, स्मॉग टॉवरों का निर्माण और संचालन इतना महंगा है कि दिल्ली सरकार इन्हें अपने खर्चे पर चलाने से बच रही है। एक साल में इनका रखरखाव ही ढाई करोड़ रुपये तक हो सकता है। कनाट प्लेस का स्मॉग टावर 22.9 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हुआ था, और इसके रखरखाव पर पर्यावरण विभाग ने लगभग 2.6 करोड़ रुपये खर्च किए। डीपीसीसी के अध्यक्ष ने नवंबर 2023 में यह स्वीकार किया कि स्मॉग टॉवरों से लाभ उठाने के लिए उनके बहुत पास रहना होगा, और दिल्ली में साफ हवा की आपूर्ति के लिए हजारों टॉवर लगाने होंगे। 4 नवंबर, 2023 को पर्यावरण मंत्री ने कनाट प्लेस स्मॉग टॉवर को आठ महीने से बंद रखने के लिए डीपीसीसी को जिम्मेदार ठहराया। इसी दौरान आनंद विहार का टॉवर भी बंद था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर लगे स्मॉग टॉवरों का भविष्य क्या होगा, यह सवाल उठ रहा है। इसके अलावा, फिल्टरों की सफाई करते समय प्रदूषित हवा को बाहर छोड़ा जाता है, जिससे नए प्रदूषण के क्षेत्र उत्पन्न हो सकते हैं।

आप का नजरिया

प्रदूषकों को दंड

ऐसे वक्त में जब केंद्र सरकार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने तथा स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिये प्रतिबद्ध है, तो देश के विभिन्न संस्थानों व विभागों को भी पहल करनी चाहिए। सरकार के प्रयासों के बीच राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण यानी एनजीटी द्वारा वायु व मिट्टी प्रदूषण फैलाने के लिये पानीपत थर्मल पावर स्टेशन पर 6.93 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाना, तमाम प्रदूषक उद्योगों के लिये सबक है। ट्रिब्यूनल की कार्रवाई कानूनों का उल्लंघन करके पर्यावरण व जन-स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वालों के लिये संदेश है कि लक्ष्मण रेखा पार की तो बख्शे नहीं जाएंगे। पर्यावरण को क्षति पहुंचाने पर भारी मुआवजा देना होगा। दरअसल, इस थर्मल प्लांट से निकलने वाली राख आस-पास के ग्रामीणों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही है। जिससे श्वसन समेत कई तरह के रोग बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं सड़कों पर प्रदूषण के चलते दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर एनजीटी ने थर्मल प्लांट के प्रबंधकों द्वारा पर्यावरण की क्षतिपूर्ति के लिये पेड़ों को लगाने में की गई खानापूर्ति को आड़े हाथ लिया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आप ने पौधे लगाने का दावा तो किया है लेकिन क्या सुनिश्चित किया है कि उन पौधों में से कितने पेड़ बन पाए। हरित न्यायाधिकरण का कहना था कि पौधरोपण से ज्यादा महत्वपूर्ण पेड़ों की उत्तरजीविता सुनिश्चित करना है। यह उपाय पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्रदूषकों के निवारण के आधे-अधूरे प्रयासों को ही उजागर करता है। निश्चित रूप से एनजीटी की जुर्माना लगाने की यह कार्रवाई प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपने तौर-तरीके बदलने को बाध्य करेगी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पिछले एक दशक में तेल व गैस क्षेत्र में राजकोषीय सब्सिडी कम करने की दिशा में सार्थक पहल की है। लेकिन अभी भी स्वच्छ ऊर्जा से बिजली क्षमता का आधा हासिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने हेतु बड़े प्रयासों की जरूरत है। तभी भारत वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने के लक्ष्य को हासिल कर पाएगा। जलवायु परिवर्तन सम्मेलन तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता व सब्सिडी कम करने पर बल देते रहे हैं। निस्संदेह, स्वच्छ ऊर्जा के स्थायी विकल्पों में निवेश करने से प्रदूषण से पैदा होने वाली बीमारियों पर अंकुश लग सकेगा। इसके साथ ही हम लक्षित कार्बन उत्सर्जन में भी कटौती कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का दंश झेल रही दुनिया में जन स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि प्रदूषण के कारकों की नियमित निगरानी हो व कानून के क्रियान्वयन में सख्ती से उद्योगों की जवाबदेही तय की जा सकेगी। जिससे हम प्रकृति के अनमोल संसाधनों हवा, पानी और मिट्टी को जहरीला बनने से रोक पाएंगे। इसमें दो राय नहीं कि पर्यावरण तथा स्वास्थ्य के आपातकाल से बचने के लिये शून्य सहिष्णुता का दृष्टिकोण नितांत जरूरी है। हाल में पराली जलाने पर जुर्माना दुगना करने की नीति को इसी आलोक में देखना चाहिए।

नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान, मेरे चीन भ्रमण से भारत के साथ रिश्तों पर कोई असर नहीं

काठमांडू, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने चीन भ्रमण के बारे में कहा है कि उनके इस दौरे से भारत के साथ संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ओली ने कहा कि भारत के साथ नेपाल के अच्छे संबंध हैं, जो खराब नहीं हो सकते।

काठमांडू में आयोजित कांतिपुर कॉन्क्लेव के समापन समारोह में गुरुवार को प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि नेपाल एक सार्वभौम देश है और उसके प्रधानमंत्री का यह अधिकार है कि वह सुनिश्चित करे कि उसे किस देश का भ्रमण पहले करना है।

उन्होंने कहा कि मेरे चीन भ्रमण से भारत को कोई समस्या होगी, यह मुझे नहीं लगता है। ओली ने दावा किया कि नेपाल अपने दोनों पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंध रखने को प्राथमिकता देता है।

इस कॉन्क्लेव में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ओली ने भारत के बजाय पहले चीन दौरे पर जाने की बात पर ओली ने कहा कि जहां से पहले निमंत्रण आया, वहीं तो जाएगा। जहां से निमंत्रण ही नहीं आया तो वहां कैसे जाया जा सकता है। ओली ने कहा कि दिल्ली से जब बुलावा आएगा तो वो जाने के लिए तैयार हैं।

अपनी सरकार के गिरने को लेकर राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चा पर प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि जिस दिन से मैंने सत्ता संभाली है, उसी दिन से विरोधी सरकार गिरने की अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्थिरता के लिए दो बड़े दलों की सरकार बनी है। ओली ने कहा कि दो बड़े दलों के मिलने से छोटी-छोटी पार्टियों का बार्गेनिंग पावर खत्म हो गया है, इसलिए बार-बार सरकार गिरने की झूठी अफवाह फैलाई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

लेबनान के गांव पर इजरायली हवाई हमले में 12 पैरामेडिक्स की मौत

बेरूत। पूर्वी लेबनान के बालेबेक इलाके के गांव ड्यूरिस में हुई इजरायली हवाई हमले में नागरिक रक्षा दल के 12 पैरामेडिक्स की मौत हो गई है। लेबनान के गवर्नर बशीर खोदोर ने खुद इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पुष्टि की और बताया कि मलबेने से 12 बचावकर्मियों के शव निकाले गए हैं। जिसे लोग हृदयविदारक घटना के रूप में याद करेंगे। इस हमले के बाद क्षेत्र में गहरा दुख छाया हुआ है और सेना द्वारा शुरू की गई संघर्ष की स्थिति भी नाजुक हो गई है। इजरायली सेना ने लेबनान पर हवाई हमले और जमीनी ऑपरेशन की शुरुआत की है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हुई है और अनेकों को घायल किया गया है। इस संघर्ष में ईरान और इजरायल के बीच टकराव भी देखा जा रहा है। इरान के एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने इजरायल के द्वारा किए गए हमलों का जवाब देने का दावा किया है, जिससे संघर्ष की गंभीरता और उनके बीच के तनाव का दर्शन मिलता है। इस स्थिति में पूरी क्षमता के साथ संभावनाओं की चर्चा जरूरी है ताकि दूरदर्शिता और कुशल नीति के माध्यम से इस क्रियाशील संघर्ष को शांति और सुरक्षा में परिणामित किया जा सके। यह एक महत्वपूर्ण समाचार है जो हमें इस खतरनाक स्थिति की ओर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस त्रासदी के पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं और हमें सामाजिक सद्भाव के साथ उनका समर्थन करना चाहिए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को एक सख्त संदेश के रूप में और संघर्ष के संदेश में देखा जा सकता है, इसलिए हमें सभी को एकसाथ मिलकर एक और उजागर बुद्धिमानी से संघर्ष का सामना करना होगा।

एलन मस्क की नई राजनीति : ट्रंप के साथ अमेरिका-ईरान संबंध सुधारने की पहल

वाशिंगटन। टेक्नोलॉजी और स्पेस इंडस्ट्री में बदलाव लाने वाले एलन मस्क अब राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखते दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में मस्क ने ईरान-अमेरिका के बीच तनाव को कम करने की कोशिश के तहत संयुक्त राष्ट्र में ईरानी राजदूत से मुलाकात की। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह मुलाकात गुप्त स्थान पर हुई, जिसमें दोनों के बीच करीब एक घंटे तक चर्चा चली। मस्क की यह पहल ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के आगामी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक के रूप में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई है। ट्रंप ने भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी के साथ मिलकर मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ एफिशिएंसी का कार्यभार सौंपा है, जिसमें मस्क का मुख्य उद्देश्य नौकरशाही कम करना और सरकारी खर्चों में कटौती करना है। ट्रंप के पिछले कार्यकाल में ईरान-अमेरिका संबंधों में आई तल्खी के मद्देनजर, मस्क का यह कदम इन तनावों को कम करने की दिशा में एक कोशिश माना जा रहा है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ने और जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद दोनों देशों में तनावपूर्ण हालात पैदा हो गए थे। इन घटनाओं के बाद ईरान पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों ने भारत के लिए भी समस्याएं खड़ी कीं, क्योंकि इन प्रतिबंधों ने भारत को ईरान से तेल आयात और चाबहार पोर्ट परियोजना में निवेश में रुकावटें पैदा कीं। भारत के लिए साबित होगा लाभदायक भारत के लिए अमेरिका-ईरान संबंधों में सुधार रणनीतिक रूप से लाभदायक साबित हो सकता है।

श्रीलंका के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति दिसानायके की पार्टी दो-तिहाई बहुमत के करीब

कोलंबो। श्रीलंका के गुरुवार को हुए संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व

वाली नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) को अब तक जीती गई सीटों की संख्या के आधार पर संसद में दो-तिहाई बहुमत मिलने का अनुमान है। यह पहली बार है कि किसी एक पार्टी ने आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत यह उपलब्धि हासिल की। यहां के समाचार ने अब से कुछ देर पहले अपनी वेबसाइट पर अपडेट किए गए मतगणना के आंकड़ों से यह अनुमान जताया है। इसमें कहा गया है कि एनपीपी ने कैंडी जिले में नौ सीटें हासिल की हैं। समागी जन बालवेगया (एसजेबी) को दो और न्यू डेमोक्रेटिक फ्रंट (एनडीएफ) को एक सीट हासिल हुई है। इसके अलावा एनपीपी ने जाफना जिले में तीन सीटें हासिल कीं, जबकि इलंकाई तमिल अरासु कच्ची (आईटीएके), ऑल सीलोन तमिल कांग्रेस (एसीटीसी) और इंडिपेंडेंट ग्रुप 17 ने एक-एक सीट हासिल की है। एनपीपी ने रत्नापुरा जिले में भी 8 सीटें हासिल की हैं, जबकि समागी जन बालवेगया (एसजेबी) को तीन सीटें मिली हैं।

ट्रंप के एक बयान से महिलाओं में भय व्याप्त गर्भनिरोधक साधनों की बढ़ रही है मांग

वाशिंगटन, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद महिलाओं में बर्थ कंट्रोल पिल यानी गर्भनिरोधक दवाओं की मांग बढ़ी हैं। इसके अलावा इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्शन (आपातकालीन गर्भनिरोधक) दवाओं की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। वजह ये है कि साल 2022 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अबोर्शन राइट्स को खत्म कर दिया था। उस समय ट्रम्प ने इस फैसले का समर्थन किया था। अब महिलाओं को इस बात का डर है कि ट्रम्प सरकार के आने से उनके अबॉर्शन राइट्स पर असर पड़ सकता है। यही वजह है कि अचानक 600 प्रतिशत गर्भनिरोधक दवाओं की मांग बढ़ गई है।

हालांकि बाद में सोशल मीडिया पर ट्रंप ने स्पष्ट किया था कि उनका कभी भी अबोर्शन राइट्स और अन्य गर्भ निरोधकों को प्रतिबंधित करने का इरादा नहीं रहा। लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप के इस कार्यकाल में गर्भनिरोधक उपायों को लेकर किस प्रकार के नियम बनाए जाएंगे, लेकिन महिलाओं में आशंका बनी हुई है। चुनाव के बाद एक सर्वे में यह पाया गया कि 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं इस बात को लेकर चिंतित हैं कि उन्हें सुरक्षित गर्भपात और उससे जुड़ी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिलेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं उन राज्यों में जाने पर विचार कर रही है जहां अबॉर्शन से जुड़े कानून आसान है। इसके तहत उन्हें आसानी से अबॉर्शन से जुड़ी सेवाएं मिल सकती हैं। ड्यूक विश्वविद्यालय के ओबी-जीवाईएन डॉ. क्लेटन अल्फोंसो ने बताया कि चुनाव के तुरंत बाद, उन्होंने अपने दो रोगियों से आईयूडी (गर्भ निरोधक उपकरण) बदलने के अनुरोध प्राप्त किए और कुछ महिलाओं ने अपनी ट्यूब बंधवाने के लिए भी पूछताछ की। चुनाव के बाद गर्भ निरोधक साधनों की मांग बढ़ गई है। एक आपातकालीन गर्भनिरोधक कंपनी ने बताया कि ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के 60 घंटों के भीतर उनकी बिक्री में 966 प्रतिशत की वृद्धि हुई। महिलाओं की बढ़ती चिंताओं का एक कारण यह है कि ट्रंप पर गर्भपात विरोधी समर्थक गर्भनिरोधक विकल्पों पर प्रतिबंध लगाने का दबाव डाल रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने टॉड ब्लैंच को बनाया डिप्टी अटॉर्नी जनरल

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के न्याय विभाग में वकील टॉड ब्लैंच भी नजर आएंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने टॉड ब्लैंच को उप अटॉर्नी जनरल के रूप में चुना है। मैनहट्टन में पूर्व पर्यवेक्षण संघीय अभियोजक ब्लैंच ने कई अभियोगों में ट्रंप का कानूनी बचाव किया है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि न्याय विभाग में ब्लैंच डिप्टी अटॉर्नी जनरल होंगे। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ट्रंप ने मैट गेट्ज का चयन न्याय विभाग के अटॉर्नी जनरल के रूप में किया है। ट्रंप ने ब्लैंच के चयन की घोषणा न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में की। उन्होंने कहा कि टॉड उत्कृष्ट वकील हैं। वह न्याय विभाग में महत्वपूर्ण अधिकारी होंगे। वह लंबे समय से चरमराई न्याय प्रणाली को दुरुस्त करेंगे। उल्लेखनीय है कि ब्लैंच वॉल स्ट्रीट पर एक प्रतिष्ठित लॉ फर्म में भागीदार रहे हैं।

स्वीडन के वैज्ञानिकों ने विकसित किया नया एआई टूल

स्टॉकहोम, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल विकसित किया है। यह टूल बगैर जीपीएस के स्तेमाल किए व्यक्ति की लोकेशन का पता लगा सकता है। यह नई तकनीक मानव शरीर पर मौजूद सूक्ष्म जीवों (जैसे बैक्टीरिया और कवक) की संरचना का विश्लेषण करके स्थान की जानकारी देती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस नई प्रणाली का उपयोग, जो माइक्रोबायोम-जियोग्राफिकल पॉपुलेशन स्ट्रक्चर (एम-जीपीएस) के नाम से जानी जा रही है, पारंपरिक जीपीएस सिस्टम की तुलना में एक क्रांतिकारी विकल्प हो सकता है। शोधकर्ताओं ने इस तकनीक को विशेष रूप से उन परिस्थितियों में काम करने के लिए डिज़ाइन किया है, जहां जीपीएस सिग्नल उपलब्ध नहीं होते, जैसे बंद इमारतों या भूमिगत स्थानों पर। शोध के प्रमुख वैज्ञानिक एरन एल्हाइक के अनुसार, मानव शरीर पर सूक्ष्म जीव, जिनकी संरचना और प्रकार वातावरण के हिसाब से बदलते रहते हैं, उस व्यक्ति की भौगोलिक स्थिति का सटीक अनुमान लगाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, समुद्र तट पर मौजूद व्यक्ति के शरीर पर रहने वाले जीव रेलवे स्टेशन या किसी अन्य जगह पर पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवों से भिन्न होते हैं। इस एआई तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए विशेष प्रकार के गैजेट की आवश्यकता होगी।

इस गैजेट को उस स्थान की माइक्रोबियल संरचना के आधार पर डेटा एकत्रित करने और विश्लेषण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे यह व्यक्ति के स्थान की सटीक जानकारी दे सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि निकट भविष्य में इसे मोबाइल में भी एकीकृत किया जा सकेगा, जिससे स्मार्टफोन पर ही सूक्ष्म जीवों का विश्लेषण करके लोकेशन का पता लगाना संभव होगा। मोबाइल स्क्रीन को इस तरह डिज़ाइन किया जाएगा कि वह उंगलियों पर मौजूद जीवों को स्कैन कर सके, जिससे बिना जीपीएस की आवश्यकता के व्यक्ति की स्थिति का पता लगाया जा सकेगा।

अमेरिका में नागरिकों का देश छोड़ने का बढ़ गया चलन

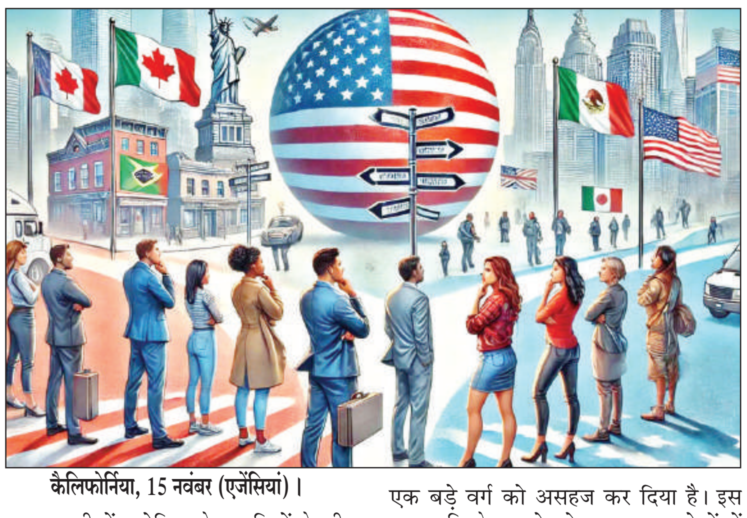

कैलिफोर्निया, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

हाल ही में अमेरिका के नागरिकों के बीच अपने देश को छोड़कर अन्य देशों में बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, और इसके पीछे एक प्रमुख कारण है डोनाल्ड ट्रंप की वापसी। ट्रंप की राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद अमेरिका में नागरिकों का देश छोड़ने का चलन बढ़ गया है। इसके कारणों में सबसे महत्वपूर्ण ट्रंप की कुछ नीतियाँ मानी जा रही हैं।

उनका कड़ा आप्रवासन रुख, महिलाओं के अधिकारों पर उनकी नीतियां, और अबॉर्शन जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उनके फैसले ने देश में एक बड़े वर्ग को असहज कर दिया है। इस असहमति के चलते लोग अब अन्य देशों में बेहतर जीवन की तलाश करने लगे हैं। खासकर, अमेरिका का लिबरल वर्ग जो खुद को ट्रंप की नीतियों के खिलाफ पाता है, वह अपने देश छोड़ने के लिए तैयार हो गया है। दरअसल, अमेरिका में एक विशेष प्रकार का वीजा प्रणाली है, जिससे अमेरिकी नागरिकों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में काम करने की अनुमति मिलती है। ट्रंप के सत्ता में आने के बाद इस वीजा के लिए आवेदन करने की संख्या में वृद्धि हुई है।

इंसानों और चूहों के जीन की संरचना काफी हद तक समान

लंदन, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की फाउंडेशन फॉर बायोमेडिकल रिसर्च (एफबीआर) के अनुसार, इंसानों और लैब में इस्तेमाल होने वाले चूहों के बीच जीन की संरचना काफी हद तक मिलती है, जो लगभग 95 प्रतिशत तक समान है। यही कारण है कि प्रयोगशालाओं में अधिकतर चिकित्सा शोधों के लिए चूहों का ही चयन किया जाता है।

एफबीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 95 प्रतिशत से अधिक प्रयोगशाला के जानवर, विशेष रूप से चूहों को, विशेष रूप से शोध कार्य के लिए ही पाला और तैयार किया जाता है। इन चूहों का चयन इस आधार पर किया जाता है कि इनके जेनेटिक, बायोलॉजिकल, और व्यवहारगत गुण इंसानों से मेल खाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चूहों में इंसानी स्थितियों के कई लक्षण देखे जा सकते हैं, जिससे चिकित्सा परीक्षणों के परिणामों की भविष्यवाणी करना सरल हो जाता है। इस प्रक्रिया में उपयोग होने वाले चूहों को विशेष रूप से इनब्रेड किया जाता है, ताकि सभी चूहों में जैविक समानता बनी रहे और परिणाम एक जैसे हों। यही नहीं, चूहों के छोटे आकार और कम देखभाल की आवश्यकता उन्हें प्रयोगशालाओं के लिए आदर्श बना देती है। इनके ऊपर किए गए प्रयोगों का असर भी जल्द देखने को मिलता है, जो शोध प्रक्रिया को तेज और कुशल बनाता है। हालांकि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ कई वैकल्पिक शोध पद्धतियाँ भी विकसित हो चुकी हैं। कंप्यूटर मॉडल, सेल कल्चर, और अन्य तकनीकों के जरिए शोध में जानवरों के उपयोग को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन एफबीआर के अनुसार, इन तकनीकों से पूरी तरह से प्रयोगशाला में जानवरों की जगह लेना अभी संभव नहीं हो पाया है। इस विषय पर वैज्ञानिकों का मानना है कि जब तक कोई और विकल्प पूरी तरह से प्रभावी नहीं हो जाता, चूहों और अन्य जानवरों का उपयोग चिकित्सा अनुसंधान में आवश्यक रहेगा। उनकी जैविक संरचना और इंसानों से मेल खाते गुणों के कारण वे शोध में महत्वपूर्ण बने हुए हैं, जिससे नई चिकित्सा पद्धतियों और दवाओं का विकास तेज और सुरक्षित तरीके से हो सकता है। बता दें कि इंसानों पर किए जाने वाले वैज्ञानिक शोधों और चिकित्सा परीक्षणों के पहले, चूहों पर शोध का इस्तेमाल एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में किया जाता है। दिखने में और कई जैविक पहलुओं में भिन्न होते हुए भी, चूहे और इंसान अपने डीएनए में खासा समानता रखते हैं।

यूरेनियम का विशाल भंडार कनाडा को बना देगा दुनिया का सबसे धनवान देश

ओटावा, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

जलवायु संकट से निपटने के प्रयासों के बीच, परमाणु ऊर्जा पर बढ़ता वैश्विक जोर कनाडा को न्यूक्लियर एनर्जी सुपरपावर के रुप में उभरने का मौका दे रहा है। कनाडा में विशाल यूरेनियम भंडार, विशेषकर उत्तरी सस्केचेवान के अथाबास्का बेसिन में, इस संभावना को वास्तविकता में बदला जा सकता है। यूरेनियम खनन क्षेत्र में वर्षों से कार्यरत कारोबारी के अनुसार, दुनिया के दृष्टिकोण में हाल के वर्षों में बड़ा बदलाव आया है, जिसके चलते इस साल यूरेनियम की वैश्विक कीमत में 200 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है।

लेह क्यूरीर नेक्सजेन नामक कंपनी प्रमुख हैं, जो अथाबास्का बेसिन में यूरेनियम खनन के एक बड़े प्रोजेक्ट का नेतृत्व कर रहे हैं। परियोजना की लागत करीब चार अरब डॉलर है, और यह 2028 तक चालू हो सकती है। अगर नियामकों से इसकी मंजूरी मिलती है, तब

यह परियोजना कनाडा को यूरेनियम उत्पादन में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बना सकती है। नेक्सजेन के अलावा, कई अन्य कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं और कई पुरानी खदानों को फिर से खोल रही हैं।

परमाणु ऊर्जा को कम कार्बन उत्सर्जन के कारण प्राकृतिक गैस और कोयले जैसे अन्य ईंधनों की तुलना में पर्यावरण के लिए ठीक मानी गई है। विश्व परमाणु संघ के अनुसार, दुनिया की कुल बिजली का लगभग 10 प्रतिशत परमाणु स्रोतों से आता है, जबकि 50 प्रतिशत से अधिक उत्पादन कोयले और गैस से होता है। कोप28 जलवायु सम्मेलन में दो दर्जन देशों ने 2050 तक अपने परमाणु ऊर्जा उत्पादन को तीन गुना बढ़ाने का संकल्प लिया है। इसके बाद परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में कनाडा का योगदान आने वाले समय में और अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है।

कनाडा के यूरेनियम की गुणवत्ता

रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा के यूरेनियम का गुणवत्ता स्तर बहुत ऊंचा है। कनाडा की सरकार ने इस यूरेनियम का निर्यात केवल परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए किया है, जिससे इसका उपयोग केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए सुनिश्चित होता है। यह देश न केवल खनन बल्कि यूरेनियम के विनिर्माण चरण तक के लिए सभी संसाधनों से संपन्न है, जिसके कारण इसे टियर-वन परमाणु राष्ट्र भी कहा जाता है। विश्व परमाणु संघ के मुताबिक, कनाडा वर्तमान में वैश्विक यूरेनियम उत्पादन में करीब 13 प्रतिशत का योगदान देता है और यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक है। नेक्सजेन के प्रोजेक्ट से यह योगदान 25 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है, जिससे कनाडा वैश्विक यूरेनियम उत्पादन में एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकता है।

युगांडा ने 2025 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए किया क्वालीफाई

कंपाला, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

युगांडा क्रेन्स ने अपने आखिरी दो ग्रुप के मैच खेलने से पहले अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) 2025 के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

शुक्रवार को कंपाला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने मैच से पहले, युगांडा क्रेन्स ने अफ्रीका के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए टिकट बुक कर लिया, क्योंकि दक्षिण सूडान ने गुरुवार को जुबा में खेले गए ग्रुप के दूसरे मैच में कांगो गणराज्य को 3-2 से हरा दिया।

दक्षिण सूडान की जीत का मतलब है कि 10 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहने वाला युगांडा और आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहने वाला दक्षिण अफ्रीका स्वतः ही क्वालीफाई कर गया है, क्योंकि अपने आखिरी मैचों में दक्षिण सूडान (3 अंक) और कांगो (4 अंक) की जीत उन्हें उन अंकों तक पहुंचने में मदद नहीं कर सकती है, जो शीर्ष दो टीमें पहले ही हासिल कर चुकी हैं।

युगांडा के खेल राज्य मंत्री पीटर ओगवांग ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि आखिरी दो मैच खेलने से पहले हमारी टीम ने मोरक्को में होने वाले एएफसीओएन 2025 के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

युगांडा के कप्तान खालिद औचो ने सिन्हुआ को बताया कि हालांकि टीम पहले ही क्वालीफाई कर चुकी है, लेकिन वे प्रशंसकों के सामने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा परिणाम हासिल करने के लिए दृढ़ हैं। औचो ने कहा, हमने अभियान की शुरुआत से ही कड़ी मेहनत की है और हम उसी भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

युगांडा एएफसीओएन में आखिरी बार 2019 में भाग लेने के बाद वापस लौटा, जब यह मिस्र में आयोजित किया गया था। युगांडा क्रेन्स ने अपने अभियान की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ के साथ की और कांगो गणराज्य को घरेलू मैदान पर 2-0 से हराया। क्रेन्स ने फिर से कंपाला में दक्षिण सूडान को 1-0 से हराया और जुबा में उसी टीम के खिलाफ 2-1 से कड़ी टक्कर दी।

न्यूज़ ब्रीफ

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल की

जमैका। सैम करेन और लियाम लिविंग्सटन की अच्छी बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने तीसरे टी20 मुकाबले में मेजबान वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए मेजबान टीम को 8 विकेट पर 145 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 19.2 ओवर में 7 विकेट पर 149 रन बनाकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने शुरुआत में ही फिल साल्ट, कप्तान जॉस बटलर और जैकब बेथल के विकेट खो दिये। केवल विल जैक्स ही 32 रन बना पाये। 75 रनों पर चार विकेट गिरने के बाद करेन ने 41 जबकि लिविंग्सटन ने 39रन बनाकर पारी संभाली। 123 के टीम स्कोर पर करेन पेवेलियन लौट गये। तब लिविंग्सटन ने जैमी ओवर्टन के साथ मिलकर टीम को 143 रन तक पहुंचाया। लिविंग्स्टन के आउट होने के बाद जैमी ओवर्टन और रेहान अहमद ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की आधी टीम 35 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। आउट होने वालों में अनुभवी निकलस पूरन और शे होप भी शामिल थे। इसके बाद कप्तान रोवमन पॉवेल ने 41 गेंद में 54 रन बनाकर पारी संभालने का प्रयास किया। उन्हें रोमारियो शेफर्ड 30 का साथ मिला। वहीं अल्जारी जोसेफ ने भी 19 गेंद में 21 रन बनाये। इससे वेस्टइंडीज 8 विकेट पर 145 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद और जैमी ओवर्टन ने 3-3 विकेट लिए।

टायसन का जेक पॉल से मुकाबला होगा

टेक्सास। पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में मुक्के बरसाते दिखेंगे। 58 साल के टायसन का मुकाबला इस बार यूट्यूबर से मुक्केबाज बने जेक पॉल से आर्लिंगटन स्थित एटी एंड टी रिंग में होगा। पॉल उनसे करीब 20 साल छोटे हैं और उनकी उम्र 27 साल है। इसी कारण इसे बैटल ऑफ जेनरेशन नाम दिया गया है। पहले ये मुकाबला 20 जुलाई को होना था पर टायसन के बीमार होने से इसे स्थगित करना पड़ा था अब ये भारतीय समय के अनुसार सोमवार सुबह होगा। इस मुकाबले से टायसन को दर्शक करीब दो दशक के बाद रिंग में देखेंगे। टायसन ने साल 2005 में केविन मैकब्राइड से हारने के बाद मुक्केबाजी छोड़ दी थी। 20 साल की उम्र में विश्व हेवीवेट टाइटल जीतने वाले सबसे युवा मुक्केबाज बने टायसन ने अपने करियर में 58 में से 50 मुकाबले जीते हैं। ऐसे में उनके प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह फिर से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। वहीं दूसरी तरफ पॉल को अपनी जीत का भरोस है। 2018 में करियर शुरू करने वाले पॉल ने अब तक 10 में से 9 मुकाबले जीते हैं और वह एक ही मैच हारे हैं। इस बार होने वाले मुकाबले में विशेष बदलाव किये गय हैं। इस मुकाबले में आठ राउंड होंगे, जिनमें हर राउंड दो मिनट का होगा।

भारतीय महिला हॉकी थाईलैंड को 13-0 से हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची

राजगीर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में थाईलैंड को 13-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने अपनी इस तीसरे मुकाबले में विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। भारत की ओर से दीपिका ने पांच गोल किये ये गोल दीपिका ने तीसरे, 19वें, 43वें, 45वें, 45वें मिनट में दागे जबकि प्रीति दुबे ने दो गोल नौवें, 40वें मिनट में किये। लालरेमसियामी ने 12वें और 56वें व ब्यूटी डुंगडुंग ने 30वें मिनट में एक गोल किया। नवनीत कौर ने 53वें और मनीषा चौहान ने 55वें, 58वें मिनट में एक-एक गोल किए। लालरेमसियामी ने इस मैच में उतरने के साथ ही अपने 150 मैच पूरे किये। वहीं प्रीति दुबे ने अपने 50 मैच पूरे किए। भारत ने पहले क्वार्टर में बेहतरीन प्रदर्शन किया। दीपिका ने तीसरे मिनट में ही गोल दाग कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद अपना 50वां मैच खेल रही प्रीति ने एक गोल कर भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। लालरेमसियामी ने इसी क्वार्टर के 12वें मिनट में एक गोल किया।

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के सीईओ नियुक्त हुए अमनदीप जोहल

नई दिल्ली,15 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने गुरूवार को जनवरी 2025 से अमनदीप जोहल को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। भारतीय गोल्फ में एक सम्मानित नाम, जोहल अपनी नई भूमिका में व्यापक अनुभव लेकर आए हैं।

यह नियुक्ति हाल ही में एक और महत्वपूर्ण नेतृत्व वृद्धि के साथ हुई है, जिसमें दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव ने इस साल जून में पीजीटीआई अध्यक्ष की भूमिका संभाली थी।

जोहल उत्तम सिंह मुंडी की जगह लेंगे, जिन्होंने इसकी स्थापना के बाद से संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जोहल, जो हाल ही तक पीजीटीआई बोर्ड में थे, 1 जनवरी, 2025 से कार्यभार संभालेंगे। 31 दिसंबर, 2024 तक की अंतरिम अवधि में, वह हैंडओवर प्रक्रिया को पूरा करने में मुंडी की सहायता करेंगे।

जोहल के सीईओ के रूप में पदोन्नति का स्वागत करते हुए, कपिल देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, अमनदीप लगभग 34 वर्षों से भारतीय और एशियाई गोल्फ सर्किट में हैं और यह बिल्कुल सही है कि कोई ऐसा व्यक्ति जो खेल में इतना डूबा हुआ है, पीजीटीआई का नेतृत्व करे। भारत में गोल्फ के लिए यह रोमांचक समय है और अमनदीप के नेतृत्व में, पीजीटीआई भारत और दुनिया भर में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए तत्पर है।

कपिल ने पीजीटीआई और भारतीय गोल्फ में उनके योगदान के लिए निवर्तमान सीईओ की सराहना की। उन्होंने कहा, उत्तम मुंडी की प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता ने पीजीटीआई को भारत में प्रमुख पेशेवर गोल्फ टूर के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और उनके योगदान की बहुत सराहना की जाती है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री रखने वाले जोहल 1985 में जूनियर भारतीय टीम में जगह बनाने और चार साल बाद 1989 में राष्ट्रीय शौकिया चैंपियन के रूप में उभरने के बाद से भारतीय गोल्फ का अभिन्न अंग रहे हैं। तब से, उन्होंने कई भूमिकाएँ निभाई हैं, चाहे वह एशियाई और यूरोपीय टूर पर एक पेशेवर खिलाड़ी के रूप में हो, राष्ट्रीय कोच, पीजीटीआई के बोर्ड सदस्य और एशियाई टूर (2004) के संस्थापक सदस्य के रूप में रही हो। 55 वर्षीय जोहल ने कहा, मैं रोमांचित हूं और मुझे यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए पीजीटीआई को धन्यवाद देता हूं। यह शायद मेरे गोल्फ़िंग करियर की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने आगे कहा, मेरे पास मेरे प्रिय मित्र उत्तम मुंडी के लिए बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है, जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से पीजीटीआई के लिए एक मज़बूत नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

60 वर्षीय मुंडी ने विश्वास व्यक्त किया कि सीईओ के रूप में उनके उत्तराधिकारी अनुभवी जोहल इस भूमिका के लिए एक अच्छा विकल्प हैं, ताकि पीजीटीआई द्वारा अपनी स्थापना के बाद से पिछले 18 वर्षों में हासिल की गई सभी उपलब्धियों को और आगे बढ़ाया जा सके।

पीजीटीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैं अमनदीप को यह जिम्मेदारी सौंप रहा हूं, जो काफी अनुभवी हैं और गोल्फ के प्रति उनका जुनून बेमिसाल है। मुझे यकीन है कि पीजीटीआई को उनकी विशेषज्ञता से काफी लाभ मिलेगा।

सीईओ के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए मुंडी ने कहा, 2009 से यह मेरे लिए एक समृद्ध यात्रा रही है, जब मुझे पीजीटीआई को एक ब्रांड के रूप में विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जो 2006 में अस्तित्व में आने के बाद भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में था। मैं यह मानना चाहूंगा कि पिछले डेढ़ दशक में पीजीटीआई और भारतीय गोल्फ दोनों ने एक लंबा सफर तय किया है, जिसमें पीजीटीआई द्वारा प्रमुख मील के पत्थर हासिल किए गए हैं, जैसे कि इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ पीजीए टूर्स में शामिल होना, ऑफिशियल वर्ल्ड गोल्फ रैंकिंग सिस्टम का हिस्सा बनना, पीजीए टूर और डीपी वर्ल्ड टूर के साथ रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर करना और इस सीजन में पुरस्कार राशि में लगभग 25 करोड़ रुपये की वृद्धि, जिसमें प्रत्येक इवेंट के लिए औसतन 1 करोड़ रुपये शामिल हैं।

उन्होंने कहा, इस बदलाव के साथ, पीजीटीआई का लक्ष्य भारत में पेशेवर गोल्फ को बढ़ावा देने, प्रतिभा को बढ़ावा देने और देश भर में खेल को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखना है। हमें उम्मीद है कि कपिल देव और अमनदीप जोहल के नेतृत्व में पीजीटीआई नई उपलब्धियां हासिल करेगा और गोल्फ की दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हुए सरफराज

पर्थ, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले ही भारतीय खिलाड़ियों का चोटिल होना शुरु हो गया है। बल्लेबाज सरफराज खान को अभ्यास के दौरान कोहनी में चोट लगी है। भारतीय टीम पहले टेस्ट के लिए पर्थ के वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन (वाका) मैदान में अभ्यास कर रही थी इसी दौरान एक गेंद सरफराज को लगी। सरफराज के हालांकि पहले टेस्ट के लिए फिट हो जाने की उम्मीद है। मध्यक्रम में भारत के पास अनुभवी केएल राहुल हैं।

इसलिए सरफराज को पहले ही जगह मिलना मुश्किल है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलया ए के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन कर ध्रुव जुरेल की दावेदारी भी सरफराज से ऊपर है। जुरेल ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज में दबाव के हालातों में 80 और 68 रनों की पारी खेली।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू सीरीज में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया और लगातार दो अर्धशतकों के साथ अपनी यात्रा शुरू की।

वहीं सरफराज का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सात पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक बना पाए हैं। छह टेस्ट मैचों में सरफराज ने 37.10 की औसत से 371 रन बनाए हैं, जिसमें 11 पारियों में एक शतक और तीन अर्द्धशतक और 150 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। सरफराज ने अभी तक भारत के बाहर एक भी टेस्ट नहीं खेला है और उछाल वाली पिचों पर खेलने का उन्हें कोई अनुभव नहीं है।

फीफा ने क्लब विश्व कप ट्रॉफी का किया अनावरण

जिनेवा,15 नवंबर (एजेंसियां)।

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) ने पुनर्गठित फीफा क्लब विश्व कप की ट्रॉफी का गुरुवार को अनावरण किया।

विश्व फुटबॉल शासी निकाय ने घोषणा की कि ट्रॉफी को फीफा द्वारा डिजाइन किया गया था और इसे लक्जरी ज्वेलरी टिफ़नी के सहयोग से तैयार किया गया है। फीफा के अध्यक्ष जियानी इनफैंटिनो ने कहा, नवीन, समावेशी, अभूतपूर्व और वास्तव में वैश्विक, नया 32-टीम फीफा क्लब विश्व कप एक ऐसी ट्रॉफी का हकदार है जो इन सभी का प्रतिनिधित्व करती हो। एक स्वर्ण ट्रॉफी जो भविष्य का प्रतीक है और अतीत से प्रेरित है, प्रतिष्ठित और कालातीत दोनों है।

2025 क्लब विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के 11 शहरों में आयोजित किया जाएगा। फाइनल न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा।

आईपीएल नीलामी में मार्की खिलाड़ियों के होंगे दो सेट

नई दिल्ली, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजियों को सूचित किया है कि आगामी खिलाड़ियों की नीलामी में मार्की खिलाड़ियों के दो सेट होंगे। यह नीलामी 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होगी। नीलामी की तैयारी कर रहे फ्रेंचाइजियों को, बीसीसीआई ने बताया है कि दो मार्की लिस्ट होंगी, जिनमें प्रत्येक सेट में 8-9 खिलाड़ी होंगे। हालांकि, मेगा-नीलामी में दो एलीट लिस्ट होना असामान्य नहीं है, लेकिन 2022 में पिछली बड़ी नीलामी में केवल एक ही थी। हालांकि, 2018 और 2014 की नीलामी में दो सेट थे। एलीट ग्रेड में जगह बनाने वाले खिलाड़ियों में ऋषभ पंत, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, आर अश्विन, मिशेल स्टार्क और जोस बटलर शामिल हैं। बेन स्टोक्स भी कट बना सकते थे, लेकिन उन्होंने इस साल की नीलामी के लिए पंजीकरण नहीं कराया है, जो जेद्दा के अबादी अल जोहर एरिना में आयोजित की जाएगी, जिसे बेंचमार्क एरिना के रूप में भी जाना जाता है। प्रत्येक मार्की खिलाड़ी ने खुद को 2 करोड़ रुपये का आधार मूल्य दिया है, उम्मीद है कि पहले दो सेट के अंत तक, उपलब्ध नीलामी पर्स का 30 से 50 प्रतिशत खर्च हो जाएगा। प्रत्येक फ्रैंचाइज़ी द्वारा कम से कम दो बड़े नामों को हासिल करने की संभावना है, जिनकी कीमत उन्हें औसतन 20-25 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है, जो कुल उपलब्ध पर्स 641.5 करोड़ रुपये से कुल मिलाकर 200-250 करोड़ रुपये प्राप्त कर सकते हैं। फ्रैंचाइजी ने हाल ही में रिटेंशन पर अनुमत 1200 करोड़ रुपये में से 558.5 करोड़ रुपये पहले ही खर्च कर दिए हैं। दो दिनों की नीलामी की कार्यवाही खिलाड़ियों के पहले दो सेटों की बोलियों से तय होगी, जिनमें से अधिकांश के बिकने की उम्मीद है। पंजाब किंग्स, जिसके पास 110.5 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बैंक जमा राशि है, को सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलने की उम्मीद है। बोली लगाने का सही क्रम और मार्की सूची बीसीसीआई द्वारा अगले कुछ दिनों में जारी की जाएगी। बीसीसीआई ने हाल ही में 1,574 नामों का एक रजिस्टर प्रसारित किया, जिसमें 1,165 भारतीय खिलाड़ी और 409 विदेशी खिलाड़ी हैं। इस सूची में 320 कैप्ड, 1224 अनकैप्ड और 30 एसोसिएट खिलाड़ी शामिल हैं। कुल 46 खिलाड़ियों को फ्रैंचाइजी ने बरकरार रखा है। बीसीसीआई ने फ्रैंचाइजी से उन नए नामों का सुझाव देने को कहा है, जिन्हें वे नीलामी में शामिल करना चाहते हैं। फ्रैंचाइजी को 12 नवंबर तक रजिस्टर से उन खिलाड़ियों की सूची के साथ जवाब देने के लिए भी कहा गया है, जिन्हें वे अंतिम सूची में शामिल करना चाहते हैं।

इंग्लैंड सीरीज के लिए विलियमसन की वापसी, नाथन स्मिथ को मिला मौका

वेलिंगटन,15 नवंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। केन विलियमसन कमर की चोट से उबर चुके हैं, जिसके कारण वे न्यूजीलैंड के भारत दौरे से बाहर रहे थे, लेकिन अब वे इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच के लिए टीम में शामिल हो गए हैं, जबकि वेलिंगटन के ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

अनकैप्ड सीमर जैकब डफी भी टीम का हिस्सा हैं, जबकि बेयर सियर्स (घुटना) और काइल जैमीसन (पीठ) चोट के कारण टीम में नहीं हैं। पुणे में 13 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर वेलिंगटन और हैमिल्टन में होने वाले दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल होंगे। पहला टेस्ट 28 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।

26 वर्षीय स्मिथ ने इस सप्ताह की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। पिछले सीजन के प्लंकेट शील्ड में वे 17.18 की औसत से 33 विकेट लेकर सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ थे और सितंबर में उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया गया। उन्होंने पिछले सीजन की काउंटी चैंपियनशिप में वॉर्सेस्टरशायर के लिए 21.14 की औसत से 27 विकेट लिए और तीन अर्धशतक भी लगाए। भारत के खिलाफ 15 विकेट लेने वाले एजाज पटेल को टीम में शामिल नहीं किया गया है, जिसका मतलब है कि घर से बाहर अपने सभी 85 टेस्ट विकेट लेने का उनका रिकॉर्ड अभी बरकरार रहेगा। विलियमसन के फिट होने से भारत में सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी विल यंग पर अपनी जगह बरकरार रखने का दबाव बढ़ सकता है। शुक्रवार को पहले ही घोषणा की गई थी कि टिम साउथी इंग्लैंड सीरीज के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, जब तक कि न्यूजीलैंड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच जाता। भारत में 3-0 की जीत ने उन्हें फिर से फाइनल में पहुंचने का मौका दिया है, हालांकि इंग्लैंड को हराने के बाद भी इसकी गारंटी नहीं होगी। चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से यह टीम के लिए बड़ी सीरीज है और अब टिम साउथी जैसे खिलाड़ी को विदाई देना भी इसे और भी महत्वपूर्ण बनाता है। टिम का करियर शानदार रहा है और वह महान ब्लैक कैप्स में से एक के रूप में जाने जाएंगे। मुझे यकीन है कि टीम और जनता टिम को इस बहुप्रतीक्षित सीरीज में एक शानदार विदाई देना चाहेगी। नाथन के लिए पहली बार टेस्ट टीम में शामिल होना भी एक रोमांचक समय है। नाथन एक शानदार प्रतिभा है जिसका प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड साबित हुआ है और मुझे यकीन है कि वह टीम में बहुत सारा कौशल और ऊर्जा लेकर आएगा।इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम- टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, विल ओरुरके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर (टेस्ट 2 और 3), नाथन स्मिथ, टिम साउथी, केन विलियमसन, विल यंग।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

रिलायंस और डिज्नी मर्ज होगा, नीता अम्बानी होंगी ज्वाइंट वेंचर की चेयरपर्सन

रिलायंस ने एक ज्वाइंट वेंचर में 11,500 करोड़ रुपए का निवेश किया

मुंबई,15 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड वायाकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और द वॉल्ट डिज़्नी कंपनी ने वायाकॉम 18 के मीडिया और जियोसिनेमा व्यवसायों का स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसआईपीएल) में विलय का ऐलान किया है। अनुमोदन द्वारा इस समन्वय की पुष्टि की गई है। इसलिए, यह घोषणा एक महत्वपूर्ण कदम है जो मीडिया उद्योग में एक नया आयाम स्थापित करने के लिए हुआ है। इस विलय की मूल्यांकन के तहत, रिलायंस ने एक ज्वाइंट वेंचर में 11,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। ज्वाइंट वेंचर में आरआईएल का नियंत्रण रहेगा और इसमें आरआईएल का 16.34 फीसदी, वायकॉम18 का 46.82 फीसदी और डिज्नी का 36.84 फीसदी हिस्सा है।

इससे पूरे उद्यम में ऐतिहासिक परिवर्तन की चर्चा हो रही है। संयुक्त उद्यम में नीता एम. अंबानी की नेतृत्व और उदय शंकर के गुरुत्व में रणनीतिक मार्गदर्शन के साथ, भारत में मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में एक नई दिशा मिलेगी। इस संयुक्त उद्यम का अंदाजा है कि इसका संयुक्त राजस्व मार्च 2024 में करीब 26,000 करोड़ रुपए रहेगा। इस उत्कृष्ट उद्यम का मिशन है भारतीय दर्शकों को विविध मनोरंजन और खेल से जुड़े सामग्री का एक महत्वपूर्ण स्रोत प्रदान करना। संयुक्त उद्यम द्वारा संचालित 100 से अधिक टीवी चैनल और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जैसे जियो सिनेमा और हाटस्टार से एक नए उपयोगकर्ता अनुभव का आरम्भ होगा। इस एकीकृत प्रयास से, उक्त उद्यम में एकल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और विनिवेशकीगत मूल्य के शीर्षकारी बनने की उम्मीद है।

न्यूज़ ब्रीफ

आरबीआई आंकड़े : 1 नवंबर को समाप्त पखवाड़े में उधारी और जमा वृद्धि लगभग समान, उधारी और जमा दोनों ही 11.9 प्रतिशत की दर से बढ़ी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में जारी किए गए ताजे आंकड़े द्वारा बताया गया है कि 1 नवंबर को समाप्त हुए पखवाड़े में उधारी और जमा की वृद्धि लगभग समान रही। इस दौरान उधारी और जमा दोनों ही 11.9 प्रतिशत की दर से बढ़ी हैं। यह स्थिति पिछले 30 महीनों में पहली बार आई है, जब उधारी और जमा की वृद्धि समान रही है। पिछले पखवाड़े की तुलना में, जिसमें जमा वृद्धि उधारी से अधिक थी, 18 अक्टूबर को समाप्त हुए पखवाड़े में इस स्थिति में पलटाव देखने को मिला। इसमें उधारी वृद्धि 11.5 प्रतिशत रही, जबकि जमा वृद्धि 11.7 प्रतिशत थी। यह बदलाव उस समय के बाद आया, जब आरबीआई ने बैंकों को उधारी और जमा अनुपात को कम करने के लिए निर्देशित किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि आगे चलकर उधारी की वृद्धि जमा से अधिक रह सकती है, खासकर चौथी तिमाही में। यह आमतौर पर उधारी की सबसे सक्रिय अवधि होती है। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े निजी बैंक ने भी अपनी उधारी वृद्धि को धीमा किया है ताकि वह अपने उधारी और जमा अनुपात को कम कर सके।

जापान की अर्थव्यवस्था उपभोक्ता व्यय के दम पर लगातार दूसरी तिमाही में बढ़ी, वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में 0.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी

तोक्यो। जापान की अर्थव्यवस्था उपभोक्ता व्यय के दम पर लगातार दूसरी तिमाही में बढ़ी और जुलाई-सितंबर में इसकी वृद्धि दर 0.9 प्रतिशत रही। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आई। विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में 0.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। मंत्रिमंडल कार्यालय के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार घरेलू मांग में 2.5 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हुई। निजी खपत स्वस्थ घरेलू खपत के दम पर 3.6 प्रतिशत बढ़ी, जो जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आधे से अधिक हिस्सा बनाती है निर्यात में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। येन का कमजोर होना निर्यात के लिए फायदेमंद है, क्योंकि इससे जापानी उत्पाद विदेशों में सस्ते हो रहे हैं। हालांकि, पिछली तिमाही में इसका प्रभाव अपेक्षाकृत सीमित रहा। इस साल की शुरुआत में जापानी येन 160-येन के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अब यह 150-येन के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

12 रुपए से भी कम में 10 जीबी डेटा दे रही कंपनियां

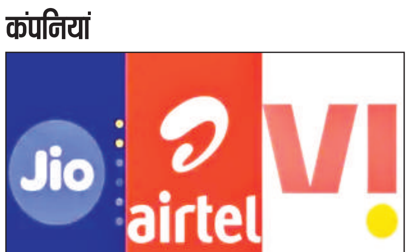

मुंबई। भारतीय टेलीकॉम बाजार में इस समय मोबाइल डेटा प्लान्स पर दर्ज एक नई सुविधा के साथ उपभोक्ताओं के लिए आशीर्वाद प्रदान कर रही है। रिलायंस, जियो, एयरटेल और वोडाफोन ने अपने यूजर्स के लिए उपलब्ध डेटा प्लान्स के माध्यम से उपभोक्ताओं को 11 रुपये में 10 जीबी डेटा का लाभ देने की घोषणा की है। रिलायंस जियो का सस्ता 11 रुपये वाला डेटा प्लान उपभोक्ताओं को 10 जीबी हाई स्पीड डेटा प्रदान करता है, परंतु इसमें कॉलिंग और एसएमएस की सुविधा नहीं होती। इस प्लान का वैलिडिटी सिर्फ 1 घंटे की है। एयरटेल भी अपने यूजर्स के लिए इसी मूल्य पर 10 जीबी हाई स्पीड डेटा देने वाला डेटा वाउचर प्रदान करता है। इसकी भी वैलिडिटी एक घंटे की होती है। वोडाफोन आइडिया की ववीआई ने अभी तक 11 रुपये का कोई डेटा प्लान नहीं जारी किया है, लेकिन, 23 रुपये में उपभोक्ताएं एक दिन के लिए 1 जीबी हाई स्पीड डेटा उपयोग कर सकती हैं। ये सुविधाएं डिजिटल युग के यूजर्स को उपयोगकर्ता अनुभव में और भी मजबूती प्रदान करने में मदद करेंगी और उन्हें अपनी डेटा जरूरतों को पूरा करने का एक सामर्थ्यपूर्ण विकल्प प्रदान करेंगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमेरिकी दस्तावेजों...

कदमों से भी समझा जा सकता है। अब यह बात सर्वविदित है कि नेहरू की वजह से ही कश्मीर और भारत के विलय में देरी हुई और इस बीच पाकिस्तान की फौज को हमले का समय मिला। इसके अलावा इस मसले को संयुक्त राष्ट्र (यूए) ले जाना भी एक भीषण भूल मानी जाती रही है। सरकारी रिकॉर्ड देखें तो आपको नेहरू के ऐतिहासिक झूठ पर शर्म आएगी। यह ऐतिहासिक झूठ है कि महाराजा हरि सिंह ने कश्मीर के भारत में विलय के प्रस्ताव को टाल दिया था। जवाहरलाल नेहरू की संदिग्ध भूमिका को छिपाने का खेल बहुत लंबे समय तक चला। खुद नेहरू का संदर्भ और उद्धरण देखिए। 24 जुलाई 1952 को (शेख अब्दुल्ला के साथ समझौते के बाद) नेहरू ने लोकसभा में यह बात बताई कि आजादी से एक महीने पहले पहली बार महाराजा हरि सिंह ने भारत में विलय के लिए नेहरू से संपर्क किया था। यह नेहरू थे, जिन्होंने महाराजा को फटकार लगाई थी। यानि, खुद के नेहरू के शब्दों में देखें तो कश्मीर के भारत में विलय में विलंब की वजह महाराजा हरि सिंह नहीं, बल्कि खुद जवाहरलाल नेहरू थे। महाराजा ने अन्य सभी रियासतों की तरह जुलाई 1947 में ही संपर्क किया था। अन्य राज्यों के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया, लेकिन कश्मीर को भारत में शामिल करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया था।

नेहरू ने न केवल जुलाई 1947 में महाराजा हरि सिंह के विलय के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, बल्कि उन्होंने अक्टूबर 1947 में भी टालमटोल किया। यह तब हुआ, जब पाकिस्तानी आक्रमणकारी श्रीनगर के एक किलोमीटर के दायरे में पहुंच गए थे। यह संदर्भ भी नेहरू के अपने शब्दों में है। स्पष्ट है कि यदि नेहरू महाराज हरि सिंह का प्रस्ताव नहीं ठुकराते और तत्क्षण कश्मीर को भारत में मिला लेते तो न पाकिस्तान हमला न करता और न आज पीओके होता।

कश्मीर की दो भीषण भूल का जिक्र लोकसभा के दस्तावेजों में भी दर्ज है। एक, जब हमारी सेना जीत रही थी तब पंजाब के इलाके आते ही नेहरू ने एकतरफा युद्धविराम घोषित कर दिया, जिससे पाक अधिकृत कश्मीर का जन्म हुआ। अगर सीजफायर तीन दिन देर से हुआ होता तो पीओके भारत का हिस्सा होता। कश्मीर जीते बगैर सीजफायर कर लिया और दूसरा संयुक्त राष्ट्र के भीतर कश्मीर के मसले को ले जाने की बहुत बड़ी गलती की। शेख अब्दुल्ला को लिखे एक पत्र में नेहरू ने अपनी इन गलतियों को स्वीकार भी किया था।

जिन पिछड़ी...

इससे देश के पिछड़े आदिवासियों का विकास हो रहा है। आज इस योजना का एक साल पूरा हो रहा है। पिछड़ी जनजातियों को घर, बिजली और सड़क का लाभ दिया जा रहा है। जिसको पिछली सरकारों ने नहीं पूछा, उसे मोदी पूजता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के हर राज्य में कार्यक्रम हो रहा है। उन्होंने अंगिका भाषा में लोगों को नमन किया। कहा कि आज बहुत ही पवित्र दिन है। आज कार्तिक पूर्णिमा है। देव दीपावली है। गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व है। आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। मैं सभी देशवासियों को और वनवासी भाई-बहनों को बधाई देता हूं। पिछले कुछ दिन यहां के लोगों ने स्वच्छता का अभियान चलाया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता का अभियन चलाया। इस विशेष प्रयास के लिए मैं जमुई के लोगों का धन्यवाद करता हूं।इस मौके पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने फिर कहा, मैं फिर से कहता हूं कि हमलोग अब एनडीए में ही रहेंगे। बीच में कुछ गलत हो गया था। हमलोग शुरू से ही श्रद्धेय अटल जी के साथ रहे। 1995 से हमलोग साथ रहे हैं। हमलोग इधर-उधर नहीं जाएंगे। पूरे तौर पर पीएम मोदी के साथ रहेंगे। अब हमलोग कहीं नहीं जाएंगे। पीएम मोदी देश में काम कर रहे हैं। जहां पर जाते हैं कुछ न कुछ काम करवा देते हैं। बहुत खुशी की बात है कि आज जमुई में पधारे हैं। मैं पीएम मोदी का अभिनंदन करता हूं। आप सभी लोग भी हाथ उठाकर अभिनंदन करें।पीएम नरेंद्र मोदी के सामने आदिवासी महिलाओं ने लोकनृत्य पेश किया। पीएम मोदी ने इनके पास जाकर अभिनंदन किया। इसके बाद भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया। पीएम मोदी के साथ सीएम नीतीश कुमार, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, गिरिराज सिंह, चिराग पासवान, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा समेत कई नेता और कई मंत्री मौजूद थे।आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान कार्यक्रम का गवाह बनने के लिए हजारों की संख्या में महिलाएं और पुरुष कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। सुबह से ही लोगों की भीड़ कार्यक्रम स्थल की ओर जाती दिख रही थी। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने महिलाओं को कतारबद्ध कर कार्यक्रम स्थल में प्रवेश कराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पहले भी दो बार जमुई के बल्लोपुर के मैदान आ चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी तीन दिन के अंदर दूसरी बार बिहार आए। आज वह भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती के मौके पर जमुई जिले के खैरा प्रखंड के बल्लोपुर मैदान पहुंचे और जनजातीय गौरव दिवस पर धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया।

कांग्रेस, डीएमके ...

ईडी तमिलनाडु में इस लॉटरी किंग के खिलाफ 2019 से ही जांच कर रहा है। मार्टिन हाल ही में तब सुर्खियों में आया, जब चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चला कि उसकी कंपनी 2019 से 2024 के बीच राजनीतिक दलों को चंदे के लिए 1,300 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के चुनावी बॉन्ड की सबसे बड़ी खरीदार थी।

मार्टिन कभी म्यांमार में साधारण मजदूर के रूप में काम करता था। 13 साल की उम्र में लॉटरी के व्यवसाय में उतरा और साम्राज्य खड़ा कर दिया। उसका व्यवसाय ज्यादातर लॉटरी से जुड़ा रहा। वह मार्टिन ग्रुप ऑफ कंपनीज का फाउंडर और चेयरमैन भी है। चेन्नई में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सुरक्षा घेरे में ट्रिप्लिकेन, टेनाम्पेट और पोएस गार्डन स्थित कार्यालयों की तलाशी ली गई। कोयंबटूर में तीन स्थानों पर सुबह से शाम तक तलाशी ली गई। मार्टिन के कार्यालय, थुदियालुर के पास वेल्लाकिनार स्थित उनके आवास और कोयंबटूर में मेट्टुपालयम रोड पर मार्टिन होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज में भी तलाशी ली गई।

हाल ही में निचली अदालत ने मार्टिन के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया था। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट ने इस आदेश को पलट दिया और ईडी को मार्टिन के खिलाफ अपनी जांच आगे बढ़ाने की अनुमति दी थी। मद्रास हाईकोर्ट के इस निर्णय के दो सप्ताह बाद ही प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने मार्टिन के खिलाफ देश भर में 20 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। मार्च में चुनाव आयोग ने उन कंपनियों के नामों का ऐलान किया था, जिन्होंने राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए चुनावी बॉन्ड खरीदा था। इनमें सबसे अधिक बॉन्ड फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज कम्पनी ने खरीदा था। इसका मालिक घोटाले का आरोपित सैंटियागो मार्टिन है। सैंटियागो मार्टिन की कम्पनी ने 12 अप्रैल 2019 से 24 जनवरी 2024 के बीच 1,368 करोड़ का राजनीतिक चंदा दिया था।लॉटरी माफिया सैंटियागो मार्टिन का केरल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), तमिलनाडु में सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कजघम (डीएमके), पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस पार्टी के साथ काफी करीबी रिश्ता है। सैंटियागो मार्टिन ने वर्ष 2007 में कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र देशाभिमानी को 50 लाख के चार चुनावी बॉन्ड के माध्यम से 2 करोड़ का चंदा दिया था। जब यह मामला खुला तो पार्टी लोगों के निशाने पर आ गई। पार्टी की छवि बचाने के लिए महासचिव प्रकाश करात ने पैसा स्वीकार करने के बाद उसे लौटाने का निर्णय लिया था।वर्ष 2016 में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीबी माने जाने वाले एक वरिष्ठ वकील एमके दामोदरन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल एक मामले में सैंटियागो मार्टिन की तरफ से केस लड़ा था। मुख्यमंत्री विजयन के कानूनी सलाहकार एमके दामोदरन लॉटरी घोटाले के सिलसिले में मार्च 2018 में सैंटियागो मार्टिन के लिए कोर्ट गए थे। अक्टूबर 2010 में तमिलनाडु के एडवोकेट जनरल पीएस रमन ने केरल हाईकोर्ट में सैंटियागो मार्टिन का केस लड़ा था। जब इस पर केरल सरकार ने ऐतराज किया तो तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और रमन को इस मामले की पैरवी छोड़नी पड़ी थी। सैंटियागो मार्टिन ने 50 करोड़ रुपए खर्च करके करुणानिधि की 75वीं फिल्म के निर्माण में मदद की थी। उसने इसमें स्क्रिप्ट भी लिखी थी। यह भी कहा जाता है कि इलैगनन नाम की एक फिल्म 3 साल तक अधर में लटकी रही, इसके बाद मार्टिन ने इसे पुनः चालू किया। इस फिल्म की कहानी लिखने के लिए करुणानिधि को 45 लाख का भुगतान किया गया था। सिनेमा के बड़े नामों का कहना था कि इसके बदले में सेंटिआगो को बिना किसी समस्या के लॉटरी का धंधा चलाने दिया जाता था।सैंटियागो मार्टिन के दामाद आधव अर्जुन को डीएमके ने साल 2024 लोकसभा चुनावों के लिए चुनावी रणनीतिकार की भूमिका में नियुक्त किया था। यह भी बताया जाता है कि अर्जुन के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के दामाद सबरीसन के साथ भी बहुत अच्छे संबंध हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी सितंबर 2010 में केरल हाईकोर्ट में घोटाले के दागी सैंटियागो मार्टिन का केस लड़ा था। हालांकि, उन्हें कम्युनिस्टों के विरोध के चलते मामले से नाम वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तक कांग्रेस के मीडिया प्रमुख जनार्दन द्विवेदी ने कहा था, पार्टी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है, भले ही सिंघवी ने इस मामले से हटने की घोषणा की है।सैंटियागो की कम्पनी फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज ने वर्ष 2017 और 2021 के बीच पश्चिम बंगाल में 12000 करोड़ जीएसटी दिया था। फ्यूचर गेमिंग देश के बड़े करदाताओं में से एक है। सैंटियागो मार्टिन की कंपनी लंबे समय से पश्चिम बंगाल में डियर-लॉटरी चला रही है। नवंबर 2022 में सीबीआई ने बताया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के मंत्री अनुब्रत मंडल और उनकी बेटी ने तीन साल में 5 बार यह लॉटरी जीती है। फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज की स्थापना वर्ष 1991 में सैंटियागो मार्टिन ने की थी। यह कम्पनी तमिलनाडु में शुरू हुई थी, लेकिन जब यहां लॉटरी बंद हो गई तो मार्टिन ने अपना अधिकांश धंधा केरल और कर्नाटक में शुरू कर दिया। इस पूरे प्रकरण के केंद्र में रहने वाला सैंटियागो मार्टिन ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ लॉटरी ट्रेड एंड अलाइड इंडस्ट्रीज का अध्यक्ष है।मार्टिन की इस कम्पनी में 1000 से अधिक लोग काम करते हैं। फ्यूचर गेमिंग वर्तमान में 13 राज्यों में लॉटरी चलाती है। इन राज्यों में अभी भी लॉटरी को कानूनी मान्यता है। यह राज्य अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, नागालैंड और सिक्किम हैं। सैंटियागो मार्टिन की यह कम्पनी डियर लॉटरी नाम से लॉटरी चलाती है। उसकी कम्पनी फ्यूचर गेमिंग दक्षिण भारत में अपनी एक अन्य कम्पनी मार्टिन कर्नाटक और पूर्वोत्तर के राज्यों में अपनी एक अन्य कम्पनी सिक्किम लॉटरी के माध्यम से धंधा करती है।सैंटियागो मार्टिन पर 1 अप्रैल 2009 से 31 अगस्त 2010 के बीच में केरल में लॉटरी टिकटों की फर्जी बिक्री के माध्यम से सिक्किम सरकार को (910.29 करोड़) का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। ईडी ने इस विषय में बताया था, मार्टिन और उसकी सहयोगी कंपनियों और संस्थाओं ने अप्रैल 2009 से अगस्त 2010 के बीच जीतने वाले लॉटरी टिकटों के पैसों को बढ़ा चढ़ाकर दिखाया था। तब इस मामले में एजेंसी ने उनकी 157.7 करोड़ की चल सम्पत्ति (म्यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट) और 299.16 करोड़ की अचल सम्पत्ति जब्त कर ली थी। दिसंबर 2021 में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के चलते उसकी 19.59 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क की थी। वर्ष 2019 में आयकर विभाग ने देश भर में लॉटरी मार्टिन के 70 ठिकानों पर छापेमारी की थी। म्यांमार के शहर यंगून में कभी मजदूरी करने वाला सैंटियागो मार्टिन 7000 करोड़ का लॉटरी का धंधा खड़ा कर चुका है। वह लगातार पैसों की गड़बड़ी और धोखाधड़ी समेत मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में साल 2011 से जांच एजेंसियों के रडार पर है।

मुस्लिमों के...

सत्ताधारी पार्टी के एक विधायक से टकराव के बाद हिमाचल प्रदेश की सरकार ने उनको लंबी छुट्टी पर भेज दिया है। इल्मा बुधवार को अपनी मां के साथ अपने पैतृक घर कुंदरकी आईं। इस वक्त कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव चल रहा है। 20 नवंबर को मतदान होना है। ऐसे में भाजपा को सपा और कांग्रेस को घेरने का मौका मिल गया है।

भाजपा ने कहा, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार द्वारा कुंदरकी निवासी एसपी इल्मा अफरोज को सत्ताधारी पार्टी के विधायक के वाहनों का चालान काटने पर प्रताड़ित करना और उन्हें लंबी छुट्टी पर भेजना चिंताजनक और अफसोसजनक है। यह घटना दर्शाती है कि सपा और कांग्रेस के लोग सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए अल्पसंख्यकों का हितैषी होने का दिखावा करते हैं। हालांकि सपा ने मुस्लिम वोटों की नजाकत देखते हुए अपना पैंतरा बदला और इस मुद्दे पर हिमाचल प्रदेश सरकार को घेरा। सपा ने कहा कि सत्तधारी पार्टी के एक विधायक के दबाव में हिमाचल प्रदेश की सरकार द्वारा आईपीएस इल्मा अफरोज को लंबी छुट्टी पर भेज दिया जाना बेहद शर्मनाक कार्रवाई है। एक आईपीएस अधिकारी को लंबी छुट्टी लेकर अपने घर जाना पड़े तो इससे ज्यादा शर्म की कोई बात नहीं हो सकती। सपा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है, लिहाजा इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अविलंब दखल देना चाहिए और विधायक के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। एआईएमआईएम के महानगर अध्यक्ष वकी रशीद ने भी हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की अलोचना की है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने इल्मा अफरोज का उत्पीड़न किया है।

आईपीएस इल्मा अफरोज ने स्क्रैप कारोबारी की गाड़ी पर की गई फायरिंग के मामले में जांच की थी। जिसमें पता चला कि कारोबारी ने लाइसेंस लेने के लिए खुद ही फायरिंग थी। इसके अलावा विधायक के वाहनों के चालान काट दिए थे। कांग्रेस सरकार एक आईपीएस द्वारा की गई सही कार्रवाई को सहन नहीं कर पाई। सोशल मीडिया पर भी आईपीएस इल्मा अफरोज के समर्थकों की संख्या बढ़ती जा रही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, टेलीग्राम पर उनके समर्थन में लोग पोस्ट कर रहे हैं। लोग उन्हें ईमानदार अधिकारी बताने के साथ ही हिमाचल प्रदेश सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। यूट्यूबर भी उनके समर्थन में वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। कुंदरकी के लोग भी सोशल मीडिया पर इल्मा अफरोज के समर्थन में आवाज बुलंद कर रहे हैं।

पीड़ितों के ...

सहना पड़ता है। उन्हें जानलेवा चोटें और यौन संचारित रोगों जैसी बीमारियों का शिकार होने का खतरा रहता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे पीड़ितों को चिंता, पीटीएसडी (पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर), अवसाद और नशे की आदत जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इन पीड़ितों को लगातार डॉक्टरों और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मदद की जरूरत रहती है। लेकिन सरकार इस गंभीर मसले पर ध्यान नहीं देती।पीठ ने कहा, समाज से बहिष्कार और अलगाव भी इन अपराधों से जुड़ा है। जो लोग तस्करी का शिकार होते हैं, उन्हें अक्सर अपने परिवार और समाज से अलग कर दिया जाता है, क्योंकि समाज उन पर शर्म और दोष का ठीकरा फोड़ता है। कोर्ट ने कहा यह अपराध पीड़ित को और अधिक अलग-थलग और समाज से दूर कर देता है। इसके अलावा, यह अपराध पीड़ित के आगे की शिक्षा और विकास की राह में भी गंभीर रुकावट डालता है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे पीड़ितों के लिए पुनर्वास की ठोस व्यवस्था करने का केंद्र सरकार को निर्देश दिया है और इस पर सरकार से जवाब तलब भी किया है।

पहले यहां जंगल...

अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए कोई जगह नहीं बची है। गांव के मुखिया देबू ने बताया, ये लोग पहले गरीब जनजातीय महिलाओं से शादी करते हैं फिर परिवार से जमीन पर मांगते हैं। वहीं, अन्य निवासियों ने बताया कि पिछले महीने इन्हीं घुसपैठियों ने एक गाय की हत्या की और जब उन लोगों ने ऐसा करने से मना किया तो उन्हें ये कहकर धमकाया गया, हम तो इसे काटेंगे, तुम क्या कर लोगे? इसी तरह पिछले दिनों झारखंड के मधुपुर की एक रिपोर्ट वायरल हुई थी। एक बुजुर्ग ने भावुक होकर बताया था कि कैसे मुस्लिम समुदाय उन लोगों को कुएं से पानी नहीं भरने देते और उनके मुस्लिम मंत्री हफीजुल अंसारी द्वारा कहा जाता है कि वो हिंदू हैं इसलिए पानी नहीं ले सकते।गौरतलब है कि डेमोग्राफी में आए बदलाव का मुद्दा कोर्ट में भी है। याचिका डालते हुए याचिकाकर्ता ने बताया था कि कैसे समय के स्थिति बद्तर हो रही हैं। बॉर्डर इलाकों से घुसपैठिए झारखंड में एंट्री ले रहे हैं और राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है। संथाल परगना जैसे इलाकों में तो डेमोग्राफी में आया बदलाव बहुत बड़ा है। सितंबर में आई रिपोर्ट्स बताती हैं कि पहले वहां जनजातीय समाज की हिस्सेदारी 44 फीसदी थी लेकिन अब ये घटकर 28 फीसदी रह गई है। वहीं प्रमंडल के छह जिलों की डेमोग्राफी में मुस्लिम 20 से 40 फीसदी बढ़े हैं। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी पाकुड़ और साहिबगंज में ही हुई है। ये लोग यहां आकर मदरसे बनाते हैं, स्थानीय लड़कियों से शादी करते हैं और फिर यहां बसने के बाद अपना एजेंडा चलाना शुरू करते हैं।

फर्जी खाते...

कर्मचारियों के नाम पर 143 करोड़ रुपए के चेक काटे गए और उन्हें भुनवाने के बाद कंपनियों की नकदी वापस कर दी गई।आयकर विभाग ने दो वर्ष पूर्व मीट कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें बरेली की मारिया फ्रोजन और रहबर फूड्स भी शामिल थी। इस दौरान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए अनुमन्य 300 पशुओं की जगह रोजाना एक हजार से अधिक पशुओं की कटाने होने के पुख्ता प्रमाण मिले थे। जब अधिकारियों ने कंपनियों के निदेशकों के मोबाइल को खंगाला तो बोगस बिल के नाम पर करोड़ों रुपए की नकदी के लेन-देन के तमाम सुबूत मिले। जांच में सामने आया कि संभल के प्रवीण रस्तोगी ने कई शेल कंपनियों को बनाया, जिसके बाद मीट कारोबारियों और मेंथा ऑयल के कारोबारियों को करीब 2200 करोड़ रुपए का फर्जी लेन-देन दर्शाया गया।

शेल कंपनियों के कर्मचारियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते एचडीएफसी बैंक में खोले गए। जांच में सामने आया कि मारिया और रहबर फूड्स ने इन कर्मचारियों को बोगस बिल के बदले चेक दिए, जिससे बैंक से 143 करोड़ रुपए की नकदी निकाली गई। बाद में यह नकदी कमीशन लेकर वापस कर दी गई। अब ईडी आयकर विभाग की रिपोर्ट के आधार पर कंपनियों पर कानूनी शिकंजा कसने जा रहा है।ईडी ने मीट कारोबारियों के बारे में बरेली जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी थी, जो करीब एक माह से अधिक वक्त बीतने के बाद भी नहीं सौंपी गई है। वहीं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा कंपनियों पर मुकदमा दर्ज कराने का आदेश भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। रिपोर्ट नहीं देने और मुकदमा नहीं दर्ज कराने पर पर जिला प्रशासन के अधिकारी भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। जिन लोगों के नाम पर खाते खोलकर करोड़ों रुपए निकाले गए उनमें नईम अहमद (102.68 करोड़), प्रवीण रस्तोगी (21.27 करोड़), अल्तमश (6.54 करोड़), अमान कुरैशी (6.86 करोड़), रईस अहमद (0.88 करोड़), शहबाज (1.50 करोड़) और यामीन रजा खान (3.69 करोड़) के नाम शामिल हैं।

वृश्चिक संक्रांति आज

सूर्य के मंगल की राशि में जाने से चमकेगी इन राशियों की किस्मत

वृश्चिक संक्रांति 16 नवंबर 2024 को है। इस दिन सूर्य सुबह 07 बजकर 41 मिनट पर वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। कुंडली में सूर्य के मजबूत होने से मान-सम्मान और उद पद की प्राप्ति होती है। आरोग्य मिलता है साथ ही सूर्य के मंगल की राशि वृश्चिक में जाने से कुछ राशियां इस साल के अंत तक आर्थिक उन्नति प्राप्त कर सकती हैं।

वृश्चिक संक्रांति पर सूर्य के गोचर से कर्क राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश से आपको लाभ मिलेगा। प्रमोशन की संभावनाएं बन रही है, जिन कार्यों को करने की लंबे समय से सोच रहे हैं उसमें सफलता मिलेगी।

वृश्चिक संक्रांति से वृश्चिक राशि वालों के सुख भरे दिन शुरू होंगे। सेहत अच्छी होगी। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी, लोग आपके कार्य से खुश होंगे, सम्मान मिलेगा। साथ ही सरकारी काम में कामयाबी मिलेगी। कुंभ राशि वालों पर अभी शनि का साढ़ेसाती चल रही है ऐसे में सूर्य का वृश्चिक राशि में जाना कुंभ राशि वालों के लिए लकी साबित होगा। धन में वृद्धि होगी। घर या जमीन खरीदने की प्लानिंग सफल होगी।

नवंबर में सूर्य का गोचर वृषभ राशि वालों के 7वें भाव में हो रहा है। आप किसी नए कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। आर्थिक रूप से लाभदायक होगा। नौकरी में नए अवसर मिलेंगे।

तिलक लगाने से मिलती है सफलता

राहु-केतु और शनि के अशुभ प्रभाव को कम करता है तिलक

शास्त्रों में माथे पर तिलक लगाना शुभ माना गया है। कुछ लोग प्रतिदिन इसका प्रयोग करते हैं। वहीं कुछ खास जातक किसी खास मौके या मंदिर जाने पर तिलक लगाते हैं। हिंदू धर्म में तिलक लगाना लाभदायक माना गया है। ज्योतिष में भी इसके कई फायदे बताए गए हैं। तिलक लगाने से एक अच्छी ऊर्जा का संचार होता है। जिससे जीवन में तरक्की मिलती है। माना जाता है कि राशि अनुसार तिलक लगाने से इसका फल ओर अधिक बढ़ जाता है। वहीं ग्रहों के बुरे प्रभाव से राहत मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में माथे पर तिलक लगाना शुभ माना जाता है। रोजाना तिलक लगाने से दिन अच्छा और हर काम सफल होते है। हिन्दु धर्म में तिलक लगाने के कई फायदे बताए गए हैं। माना जाता है कि राशि के अनुसार तिलक लगाने से हर काम में तरक्की मिलती है। साथ ही ग्रहों के बुरे प्रभाव का भी असर कम होता है। राशि के हिसाब से तिलक लगाने से राशि का स्वामी ग्रह प्रबल होता है और व्यक्ति को बहुत से लाभ मिलते हैं। इससे व्यक्ति के शरीर में बहुत तेजी से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और वो पूर्ण एकाग्रता के साथ किसी भी काम को करता है। जब भी आप पूजा-पाठ के दौरान माथे पर तिलक लगाते होंगे तो आपको अंदर

से एक सकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता होगा। दरअसल धार्मिक दृष्टि से माथे के बीच का स्थान बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि इस जगह पर आज्ञाचक्र होता है, जिसे ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। तिलक लगाने से ये चक्र उद्दीप्त होता है। जिसकी वजह से व्यक्ति का मन शांत और एकाग्र होता है। इसके अलावा मस्तक के बीच के स्थान को त्रिवेणी या संगम भी कहा जाता है क्योंकि यही स्थान शरीर की तीन नाड़ियों के मिलन का भी केंद्र होता है।

माथे पर तिलक लगाने से व्यक्ति में तेज की वृद्धि होती है और वो स्वयं को ऊर्जावान महसूस करता है। धार्मिक रूप से हम सब रोली, हल्दी, चंदन, भस्म, कुमकुम आदि का तिलक लगाते हैं। लेकिन ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि अगर तिलक अपनी राशि के अनुसार लगाया जाए तो ये कहीं ज्यादा प्रभावी होता है। इसे लगाने से राशि का स्वामी ग्रह प्रबल होता है और व्यक्ति को बहुत से लाभ मिलते हैं। इससे व्यक्ति के शरीर में बहुत तेजी से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और वो पूर्ण एकाग्रता के साथ किसी भी काम को करता है। इससे उसकी दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की के योग का निर्माण होता है।

राशि अनुसार कौन-सा लगाना होता है शुभ

मेष राशि – मेष राशिवालों को लाल चंदन या कुमकुम का तिलक लगाना चाहिए। आपके राशि का स्वामी मंगल ग्रह है। इसका संबध लाल रंग है। इस कलर के तिलक लगाने से सभी कार्य में सफलता मिलती है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि का स्वामी गृह शुक्र है। इस राशिवालों को सफेद चंदन का तिलक लगाना चाहिए, क्योंकि शुक का संबध सफेद रंग से है।

मिथुन राशि– मिथुन राशि के जातकों को अष्टगंध का तिलक लगाना शुभ लगाना चाहिए। इस राशि का स्वामी बुध ग्रह है।

कर्क राशि – कर्क राशिवालों पर चंद्र ग्रह की दृष्टि रहती है। ऐसे में इस राशि के जातकों को सफेद चंदन का तिलक लगाना चाहिए।

सिंह राशि – सिंह राशिवालों का सूर्य मजबूत होता है। आपके लिए लाल रंग का तिलक लगाना शुभ होता है।

कन्या राशि – कन्या राशि वालों को रक्त चंदन का तिलक माथे पर लगाना चाहिए। यह आपको आर्थिक समृद्धि प्रदान करेगा।

तुला राशि – तुला राशि का स्वामी गृह शुक्र है। इस राशिवालों को सफेद चंदन का तिलक लगाना चाहिए, क्योंकि शुक का संबध सफेद रंग से है।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के स्वामी ग्रह मंगल है। आपको लाल सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए।

धनु राशि – इस राशि का स्वामी बृहस्पति ग्रह है। आपको पीला चंदन या हल्दी का तिलक लगाना चाहिए।

मकर राशि– मकर राशि का स्वामी ग्रह शनि है। इस राशिवालों को भस्म या काले रंग का तिलक लगाना शुभ होता है।

कुंभ राशि–कुंभ राशिवालों को हवन की राख का तिलक लगाना चाहिए। इसे आर्थिक संकट से छुटकारा मिलता है।

मीन राशि– मीन राशि का स्वामी ग्रह बृहस्पति है। इस राशि के जातकों को पीले रंग का तिलक लगाना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

घर में रखें मोरपंख, आएगी खुशहाली परिवार होगा संपन्न

शास्त्रों के अनुसार प्रकृति और उससे जुड़ी वस्तुओं की पूजा का मानव जीवन में विशेष महत्व है। स्वयं देवी-देवताओं ने प्रकृति को सर्वोच्च स्थान देकर उसका आभार जताने और उसकी पूजा का महत्व बताया है। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि कुदरत से जुड़ी कुछ शुभ वस्तुओं को देवी देवता स्वयं धारण करते हैं और इन वस्तुओं का सामिप्य मानव जीवन के लिए भी बड़ा शुभ बताया गया है।

मोरपंख है श्रीकृष्ण को प्रिय

प्रकृति से जुड़ी ऐसी ही एक चीज जो भगवान श्रीकृष्ण को प्रिय है और वे स्वयं इसको धारण करते हैं। यदुकुलश्रेष्ठ श्रीकृष्ण मोरपंख को अपनो सिर पर धारण करते हैं और मोरपंख उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है। लेकिन मोरपंख को आप अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाकर खुशहाल हो सकते हैं। मोरपंख को घर में रख लेने मात्र से कई समस्याओं का समाधान हो सकता है। घर का वास्तुदोष दूर हो सकता है और घर-परिवार में सुख-समृद्धि और धन-संपदा आ सकती है।

मोरपंख से आती है दांपत्य जीवन में खुशहाली

घर में दो मोरपंख एकसाथ अपने पूजाघर में रखने से दांपत्य जीवन से जुड़ी समस्याओं का अंत होता है और रिश्तों में मधुरता आती है। यदि प्रकृति के पंचतत्वों को अनुपात घर में सही नहीं हो और नकारात्मक ऊर्जा का घर में प्रवाह हो रहा हो तो घर के पूजास्थल पर 5 मोरपंख रखें। इस कार्य से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक

ऊर्जा से घर आनंदित हो जाता है।

मोरपंख से वास्तुदोष का भी निवारण होता है। यदि आपके घर का मुख्यद्वार शुभ कोण या दिशा जैसे पूर्व, उत्तर या ईशान दिशा में नहीं है या मुख्य द्वार पर किसी और प्रकार का वास्तुदोष है तो मुख्य. द्वार की चौखट के ऊपर बैठी हुई मुद्रा में गणेश जी स्थापित करें और उनके ऊपर तीन मोरपंख लगाएं। इस कार्य से मुख्यद्वार के वास्तुदोष का प्रभाव काफी कम हो जाता है। 7 या 9 मोरपंखी से बना हुआ गोल पंखा किसी भी मास के शुक्ल पक्ष में पूजास्थल पर रख दें और एक सप्ताह बाद उसको शयनकक्ष में बेड के पीछे की दीवार पर लगा दें। इस उपाय से पारिवारिक जिंदगी काफी खुशहाल हो जाएगी।

मोरपंख बीमारी में भी है कारगर

मोरपंख बीमारी से निपटने में भी काफी कारगर है। सभी तरह के उपायों के बाद भी यदि बीमारी पीछा नहीं छोड़ रही है तो बीमारी से संबंधित कागताज के बीच में मोरपंख रख दें। जल्द ही इसके बेहतर परिणाम दिखाई देंगे। घर के ड्राइंग रूम या डाइनिंग रूम में 11, 15 या इससे ज्यादा मोरपंख एकसाथ लगाने से परिवार के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य अच्छा होता है और स्नेह बना रहता है। मोरपंख घर के स्वच्छ और बेहतर वातावरण प्रदान करने में भी सहायक है। जिस जगह पर मोरपंख लगा हो उस जगह के आसपास कीड़े-मकोड़े नहीं रहते हैं।

धन की समस्या के समादान के लिए आग्नेय कोण में कम के कम 5 फीट की उंचाई पर दो मोरपंखी शुक्ल पक्ष में लगायें, धन से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। मोरपंख के कुछ सावधानी बरतना भी जरूरी है। कभी भी घर में खंडित मोरपंख का उपयोग ना करें, इससे सही परिणाम नहीं मिल पाएंगे।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

कमाई कम है, फिर भी कैसे बने धनी

आचार्य चाणक्य ने दिए थे टिप्स, आप भी आजमाएं

आज हर कोई धनी बनना चाहता है। इस भागदौड़ में लोग अपनी कमाई, खर्च और सही निवेश को भूल जाते हैं। आचार्य चाणक्य ने अपने उपदेशों में बहुत पहले इस विषय पर लोगों को राह दिखाई थी।

चाणक्य नीति में लिखी ये बातें आज भी प्रासंगिक हैं। यदि कोई कम कमाई करने के बाद भी धनी बनना चाहते है तो आचार्य चाणक्य के बताए टिप्स के अनुसार काम करना चाहिए।

पैसे कमाने से ज्यादा जरूरी है, सही निदेश

आचार्य चाणक्य ने अपनी नीति में लिखा है कि पैसा कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है सही जगह खर्च करना। धन या पैसे को खर्च करने से उनका आशय था सही निवेश।

निवेश करेंगे तो ही रिटर्न मिलेगा। यही कारण है कि चाणक्य सही निवेश पर जोर देते थे। सही निवेश करने पर कम आय वाला व्यक्ति भी जीवन में अच्छी कमाई कर धनी बन सकता है।

चाणक्य ने कहा था कि सबसे पहले तो सही तरीकों से पैसा कमाएं। बेईमानी से कमाया गया पैसा ज्यादा दिन नहीं टिकता है। ईमानदारी की कमाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी फल देती है।

इसके बाद अपनी कमाई को तिजोरी में बंद करके न रखें। ऐसा करने से पैसा बढ़ेगा नहीं, खर्च जरूर हो सकता है। इसके बजाए बुद्धि पूर्ण तरीके से सही जगह निवेश करें और रिटर्न हासिल करें।

लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए करें ये उपाय

चाणक्य ने लक्ष्मी की जी कृपा पाने के कुछ धार्मिक उपाय भी बताए हैं। अपने काम में ईमानदारी को सबसे ऊपर रखने के साथ ही उन्होंने आम जीवन में आचरण

की शुद्धि को भी महत्व दिया है।

उन्होंने कहा है कि जो लोग कर्म को पूजा समझते हैं और हर काम में अपना 100 फीसदी प्रयास करते हैं, उन्हें सफलता अवश्य मिलता है और लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है।

आचार्य चाणक्य के अनुसार, जीवन में सफलता हासिल करना चाहते हैं और अमीर बनना चाहते हैं तो आपको ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए। जो भी व्यक्ति सुबह जल्दी सोकर उठता है उसे जीवन में सफलता और तरक्की जरूर मिलती है।

जिन लोगों में पैसा बचाने की आदत होती है, वो ही अमीर बनते हैं। पैसे को जुए और सट्टे में इस्तेमाल करने वालों को कंगाल होने में देर नहीं लगती। अपने कार्यस्थल (ऑफिस या खुद का काम) को पूजा स्थल मानें।

जीवन में लक्ष्मी आने के बाद घमंड न करें, क्योंकि जो दे सकता है, वो छिन भी सकता है।

मार्गशीर्ष अमावस्या पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान, 7 पीढ़ियां रहेंगी खुशहाल

सनातन धर्म में अमावस्या का दिन बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन लोग विभिन्न प्रकार की धार्मिक गतिविधियां करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल मार्गशीर्ष अमावस्या 01 दिसंबर को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पूजा-पाठ, दान-पुण्य और गंगा स्नान करने से जीवन में सुख और समृद्धि आती है। इसके साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन कुछ दान अवश्य करना चाहिए, जो इस तिथि का मुख्य अनुष्ठान भी माना जाता है। कहा जाता है कि जो लोग इस मौके पर दान करते हैं, उनके घर में कभी धन और दौलत की कमी नहीं होती है,

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को मार्गशीर्ष अमावस्या पर ऊनी वस्त्रों का दान करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस दिन पर सफेद रंग की चीजों का दान करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर हरे रंग के वस्त्र का दान करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को मार्गशीर्ष अमावस्या पर चीनी का दान करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस तिथि पर लाल रंग के वस्त्र का दान करना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर साबुत उड़द का दान करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को मार्गशीर्ष अमावस्या पर चावल का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर गुड़ का दान करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन पर शहद का दान करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को मार्गशीर्ष अमावस्या पर तिल का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस तिथि पर काली उड़द का दान करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस मौके पर केला का दान करना चाहिए।

दीपक चमका देंगे आपकी किस्मत, बढ़ेगी कमाई, मिट जाएगी गरीबी

शास्त्रों में देवी-देवताओं की पूजा में दीपक जलाना अनिवार्य बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र में हर रोज दीपक जलाने का विशेष महत्व बताया गया हैए साथ ही कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं जिनके करने से आप अपना भाग्य चमका सकते हैं। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अनजान डर और शत्रुओं से रक्षा करने के लिए आपको हर सोमवार और शनिवार को भैरव मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहे इसके लिए आप हर रोज बाल गोपाल के सामने और गुरुवार को भगवान विष्णु के सामने देसी घी का दीपक जलाएं।

ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सभी शुभ कार्य और धर्मिक अनुष्ठानों में तेल या देशी घी का दीपक जलाकर ही ईश्वर की आराधना होती है। शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि दीपक जलाकर देवी-देवताओं की पूजा से सभी बाधा दूर हो जाती है। कहा जाता है कि दीपक की रोशनी में साक्षात ईश्वर व्याप्त होते हैं। आरती करते वक्त दीपक जलाने से भगवान सभी दुख हर लेते हैं। ज्योतिष शास्त्र में रोजाना दीपक जलाने का विशेष महत्व बताया गया है। दीपक से जुड़े ऐसे उपायों के बारे में भी बताया गया है जिससे आपकी किस्मत चमक सकती है। दीपक जलाने से

घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। सुख.शांति का वास होता है। आइये आपको बताते हैं ज्योतिष शास्त्र में दीपक से जुड़े किन उपायों का वर्णन है

शनि प्रकोप से मिलेगी मुक्ति

राहु-केतु के दोष से मुक्ति के लिए सुबह.शाम अलसी के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से कुंडली में मौजूद राहु-केतु दोष से निवारण मिलेगा। साथ ही शनिवार को शनि मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि प्रकोप से मुक्ति मिलती है।

डर पर मिलेगी जीत

आपको अगर डर लगता है। कहीं जाने में आपका मन विचलित होता है या कोई अंजान डर हमेशा आपका पीछा करता है तो सोमवार और शनिवार को भैरव मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। इस उपाय से सभी डर दूर होंगे। इतना ही नहीं आपके दुश्मनों की चाल भी आपक बाल बांका नहीं कर पाएगी। भैरव की कृपा से आपके आसपास हमेशा सुरक्षा श्घेरा बना रहेगा।

बढ़ेगा मान-सम्मान

समाज में अपनी अलग पहचान बनाने की लालसा रखने वालों को भी रोज दीपक जलाना चाहिए। मान.सम्मान और इज्जत बढ़ाने के लिए शास्त्रों में कहा गया है कि रोज सुबह सूर्य देव को जल का अर्ध्य देना चाहिए साथ ही देसी घी का दीपक से आरती करनी चाहिए। इस उपाय से आपका मान.सम्मान बढ़ेगा। सूर्य देव आपके रुके कार्यों को गति देंगे।

सुख-समृद्धि के लिए जरूरी है ये उपाय

हर रोज बाल गोपाल के सामने और गुरुवार को भगवान विष्णु के सामने देसी घी का दीपक जलाने से परिवार में सुख.समृद्धि आती है। 108 बार ओम नमो भगवते वासुदेवाय नम: मंत्र का जप भी करना चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और सुख-शांति में बढ़ोतरी होती है।

आमदनी में बाधा हो जाएगी दूर

माँ लक्ष्मी के सामने सात मुखी यानी सात बत्तियों वाला दीपक जलाने से धन संबंधी परेशानी दूर हो जाती है। ये उपाय धन की सभी समस्याओं को तो दूर करेगा ही साथ.साथ रूका धन भी आसानी से मिल जाएगा। दो बत्तियों वाला दीपक मां सरस्वती के सामने जलाने से बुद्धि तेज होती है।

धन-धान्य की कभी नहीं होगी कमी

बुधवार के दिन भगवान गणेश के सामने तीन मुख का देसी घी का दीपक जलाने व उनको दूर्वा घास चढ़ाना चाहिए। इस उपाय से घर में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं रहेगी। आमदनी बढ़ाने और धन के लिए नए रास्ते खोजने के लिए भी यह उपाय कारगर साबित होता है।

नवजोत सिंह सिद्धू ने 2019 में छोड़ दिया था कपिल शर्मा का शो, अब बताया कारण

कॉमेडियन कपिल शर्मा का शो पहले टीवी पर लोगों को एंटरटेन करता रहा है। अब उनका शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर लोगों को गुदगुदा रहा है। इसी बीच कपिल शर्मा के शो में नवजोत सिंह सिद्धू की वापसी सुर्खियों में बनी हुई है। हालांकि, इस बार वह जज के तौर पर नहीं बल्कि मेहमान के रूप में नजर आने वाले हैं। गौरतलब है कि साल 2019 में नवजोत सिंह सिद्धू ने कपिल शर्मा के शो को छोड़ दिया था और इसका कारण किसी को नहीं पता था। अब 5 साल के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने इस बात से खुद पर्दा उठाया है। आइए जानते हैं कि उन्होंने शो छोड़ने का क्या कारण बताया है।

कपिल शर्मा का शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' नेटफ्लिक्स पर लौट रहा है। वहीं, कभी कपिल शर्मा के शो में जज की कुर्सी पर नजर आने वाले नवजोत सिंह सिद्धू शो के छोड़ने पर बात की है। उन्होंने शो छोड़ने के पीछे राजनीतिक कारण और कुछ निजी वजह बताई हैं। हालांकि, इस मामले पर ज्यादा डिटेल से बताने से इनकार किया है। इसके साथ ही उन्होंने कपिल शर्मा के साथ काम करने का एक्सपीरियंस को शेयर किया है। नवजोत सिंह सिद्धू ने बताया है कि वह शुरुआत से ही कपिल शर्मा के शो के कई सीजन से जुड़ रहे हैं, जब कॉमेडियन को पहली 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' से पॉपुलैरिटी मिली थी।

नवजोत सिंह सिद्धू ने बताया है कि 'द कपिल शर्मा शो' भगवान द्वारा बनाया गया एक गुलदस्ता है, जहां हर सदस्य का एक अहम योगदान रहा है। उन्होंने उस समय को याद करते हुए कहा कैसे 'बिग बॉस' में शामिल होने के बाद कपिल शर्मा ने उनसे शो में शामिल होने के लिए संपर्क किया था। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि उनके शो से हटने के फैसले में राजनीतिक कारण का बड़ा हाथ रहा है। ये ऐसे राजनीतिक कारण थे जिनके बारे में वह बात नहीं करना चाहते और भी कारण थे। इस तरह से ये गुलदस्ता बिखर गया। उनकी एक इच्छा है कि वो गुलदस्ता फिर से इकट्ठा हो जाए, जैसा वो था। बताते चलें कि नवजोत सिंह सिद्धू ने पुलवामा हमले पर बयान दिया था, जिसके बाद उनकी आलोचना हुआ थी। इसके बाद चैनल ने शो में उनकी जगह अर्चना पूरन सिंह को ले लिया था।

माधुरी दीक्षित बनना चाहती थी यह अभिनेत्री तो लोगों ने कहा पनौती

बुलाते हैं मोटी, अब कर रही है करोड़ों में कमाई

बॉलीवुड में स्टार बनना हर किसी की किस्मत में नहीं होता है। बहुत से स्टार्स बॉलीवुड में जगह बनाने के लिए सालों तक स्ट्रगल कर चुके हैं। कुछ सितारे तो ऐसे भी हैं जिनको काम मिलने के बाद भी फेम नहीं मिला। ऐसे में लोगों ने इन सितारों को मनहूस तक बताना शुरू कर दिया था। इस लिस्ट में एक नाम भूलभुलैया 3 स्टार विद्या बालन का भी है। भले ही इस समय विद्या बालन की फिल्म बॉलीवुड में छप्परफाड़ कमाई कर रही हैं लेकिन एक जमाने में उनकी कोई भी फिल्म काम नहीं करती थी। बॉलीवुड में लोगों ने विद्या बालन को तरह तरह के ताने मारने शुरू कर दिए थे। अपनी इस रिपोर्ट में हम आपको ये किस्सा बताने जा रहे हैं। विद्या बालन ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनका बॉलीवुड में आने का सपना था। वो हमेशा से फिल्मों में काम करना चाहती थीं। यही वजह है जो कम उम्र में ही उन्होंने काम तलाशना शुरू कर दिया।

विद्या बालन को लगता था कि वो जूनियर माधुरी बन सकती हैं। विद्या बालन को खुद में पोटेंशियल नजर आता था। हालांकि ये रास्ता विद्या बालन के लिए आसान नहीं था। टीवी सीरियल हम पांच में काम करने के बाद विद्या बालन ने बॉलीवुड की तरफ रुख किया। इस दौरान विद्या बालन ने कई फिल्मों में अभिनय किया। खूब मेहनत करने के बाद भी विद्या बालन की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलीं। ऐसे में लोगों ने विद्या बालन को मनहूस बताना शुरू कर दिया था। बॉलीवुड में माना जाने लगा कि विद्या बालन अनलकी हैं। फिर एक समय ऐसा आया कि इस अफवाह की वजह से विद्या बालन के कई प्रोजेक्ट उनसे छीन लिए गए। विद्या बालन को इस बात का अफसोस आज भी होता है। वजन बढ़ने के बाद लोग विद्या बालन को मोटी बुलाने लगे थे। लोगों को लगता था कि विद्या बालन का करियर खत्म हो गया है। इसी समय विद्या बालन की डर्टी पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई। इस फिल्म ने विद्या बालन की किस्मत बदल दी।

बॉलीवुड के इस स्टार ने अपनी बहन के बालों में लगा दी थी आग

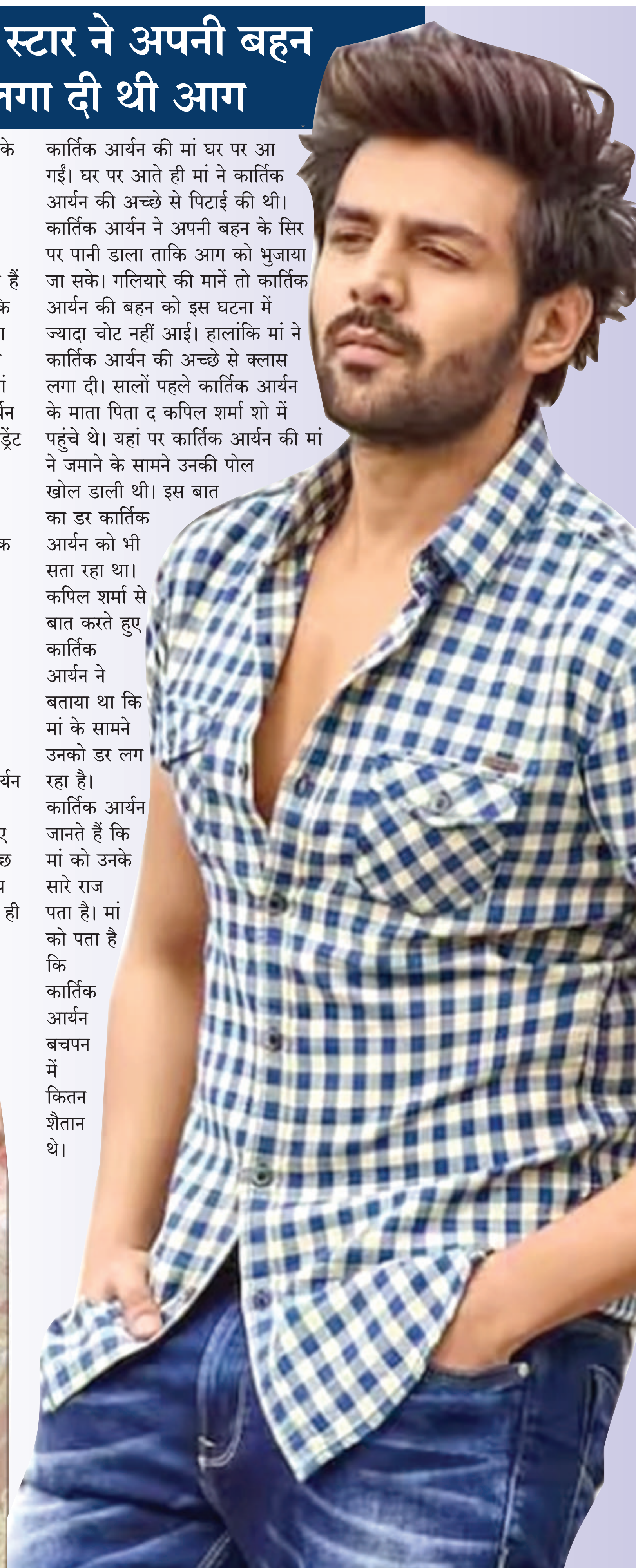

बॉलीवुड के कई सितारे अपने बचपन के किस्से फैंस को सुना चुके हैं। बॉलीवुड सितारे बताते हैं कि वो अपने बचपन में कितनी हरकतें किया करते थे। एक बॉलीवुड स्टार ने तो बचपन में बहन के बाल जला दिए थे। यहां हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की जो कि इन दिनों हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 3' के जरिए धमाल मचा रहे हैं। इस बात का खुलासा खुद कार्तिक आर्यन की मां किया है। एक इंटरव्यू में कार्तिक आर्यन की मां ने कहा, कार्तिक आर्यन डियोड्रेंट को चेक करना चाहते थे। कार्तिक आर्यन जानना चाहते थे कि उनका डियोड्रिंट ज्वलनशील है या फिर नहीं।।। ये चेक करने के लिए कार्तिक आर्यन ने अपनी बहन को चुना।

ये एक्पेरीमेंट करवाने के लिए कार्तिक आर्यन ने मोमबत्ती हाथ में थाम ली। ये एक्सपेरीमेंट करते समय कार्तिक आर्यन ने अपनी बहन के बालों में आग लगा दी। ऐसा होते ही कार्तिक आर्यन की बहन घबरा गए थे। कुछ समय में ही कार्तिक आर्यन की मां घर पर आ गईं। घर पर आते ही मां ने कार्तिक आर्यन की अच्छे से पिटाई की थी। कार्तिक आर्यन ने अपनी बहन के सिर पर पानी डाला ताकि आग को भुजाया जा सके। गलियारे की मानें तो कार्तिक आर्यन की बहन को इस घटना में ज्यादा चोट नहीं आई। हालांकि मां ने कार्तिक आर्यन की अच्छे से क्लास लगा दी। सालों पहले कार्तिक आर्यन के माता पिता द कपिल शर्मा शो में पहुंचे थे। यहां पर कार्तिक आर्यन की मां ने जमाने के सामने उनकी पोल खोल डाली थी। इस बात का डर कार्तिक आर्यन को भी सता रहा था। कपिल शर्मा से बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने बताया था कि मां के सामने उनको डर लग रहा है। कार्तिक आर्यन जानते हैं कि मां को उनके सारे राज पता है। मां को पता है कि कार्तिक आर्यन बचपन में कितन शैतान थे।

हॉलीवुड में पदार्पण करने पूरी तरह तैयार हैं सौंदर्या शर्मा

अभिनेत्री सौंदर्या शर्मा जॉन विक श्रृंखला के निर्देशक चैड स्टेल्स्की के साथ हॉलीवुड में पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री बेहद रोमांचित हैं। अपने बड़े डेब्यू के बारे में बात करते हुए सौंदर्या ने कहा, मैं बेहद रोमांचित हूं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि सपने देखते रहो, सपने सच होते हैं। 2024 बेहद खास है – इसकी शुरुआत हाउसफुल 5 से हुई, जिसका सारा श्रेय एनजीई और मेरी गॉडसिस्टर वर्दा नाडियाडवाला को जाता है और अब मैं हॉलीवुड में अपना रास्ता बनाने की कोशिश कर रही हूं, जिसका मुझे वाकई बेसब्री से इंतजार है। मैंने इसी प्रोजेक्ट के लिए लगभग एक साल पहले कुछ सीक्वेंस शूट किए थे, लेकिन मैं इसके पूरा होने तक ज्यादा बात नहीं करना चाहती क्योंकि मैं इसे लेकर अंधविश्वासी हूं।उन्होंने कहा, मैं जनवरी में लॉस एंजिल्स और फ्रांस में अपना आखिरी शेड्यूल पूरा करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने इस साल अपने हाउसफुल 5 शेड्यूल से पहले इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग की है। एनडीए के कारण, मैं इस परियोजना के बारे में और अधिक जानकारी साझा नहीं कर सकती, लेकिन मैं जल्द ही आदर्श समयसीमा के अनुसार इसे साझा करूंगी।बिग बॉस 16 की पूर्व प्रतियोगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर निर्देशक चैड स्टेल्स्की के साथ तस्वीरें भी साझा कीं, कैप्शन में लिखा, आखिरकार, मुझे ये पोस्ट करने को मिला!!! जैसा कि वे कहते हैं, सपने देखो, सपने सच होते हैं। अभिव्यक्तियाँ काम करती हैं!पीएस: जनवरी में कुछ रोमांचक के लिए लॉस एंजिल्स में वापस जाने का इंतजार नहीं कर सकती। भगवान दयालु हैं! हॉलीवुड बुला रहा है।अमेरिकी स्टंटमैन और फिल्म निर्माता स्टेल्स्की को एटॉमिक ब्लोंड और कई अन्य परियोजनाओं के लिए जाना जाता है। उन्हें ट्रांसफॉर्मर्स, द मैट्रिक्स, सेरेनिटी, एक्स-मेन ऑरिजिंस: वूल्वरिन, द एक्सपेंडेबल्स, जी।आई। जो: रिटैलिएशन, इमॉर्टल्स और कई अन्य बड़ी हॉलीवुड फिल्मों जैसी सफल परियोजनाओं के पीछे मुख्य स्टंटमैन के रूप में भी जाना जाता है।इस बीच, सौंदर्या को अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल 5 में भी भूमिका मिली है। दंत चिकित्सक से अभिनेत्री बनी सौंदर्या तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित कॉमेडी में मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म में डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, नरगिस फाखरी और सोनम बाजवा भी हैं। हाउसफुल 5 जून 2025 में रिलीज़ होने वाली है। शर्मा सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो बिग बॉस 16 में आने के बाद मशहूर हुए।

स्टाइलिश पिंक लहंगे में नुसरत भरूचा ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर अक्सर अपने लुक्स से लाइमलाइट लूटती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। वो अपनी एक्टिंग से अक्सर फैंस का दिल जीत लेती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने पिंक कलर का स्टाइलिश लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देते हुए कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

ओपन हेयर, सिर पर मांगटीका, हाथों में बैंगल्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।नुसरत भरूचा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

रुबीना दिलैक ने बेटियों के पहले बर्थडे पर शेयर की तस्वीर

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस और 'बिग बॉस' 14 विनर रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने से जुड़े अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब रुबीना दिलैक ने अपनी जुड़वा बेटियों के पहले जन्मदिन पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें उनके तमाम चाहने वाले फैंस पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही बच्चियों को बर्थडे विश कर रहे हैं। रुबीना दिलैक ने अपनी बच्चियों के अलावा मां और पति की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर दिखाई हैं। आइए देखते हैं कि एक्ट्रेस ने कैसी तस्वीरें शेयर की हैं। रुबीना दिलैक की जुड़वा बेटियां 1 साल की हो गई हैं। एक्ट्रेस ने 15 नवंबर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से बेटियों के साथ की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं।

रुबीना दिलैक ने फोटोज शेयर करते हुए दिलचस्प कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा है, '2023 में हमारी देवियों का जन्म हिंदू शास्त्र के अनुसार देव दिवाली और गुरु पुर्णिमा की सुबह दिन पर हुआ था। एधा और जीवा का आज पहला जन्मदिन है।'रुबीना दिलैक ने एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ नजर आ रही हैं। वह दोनों की गोद में एक-एक बेटी बैठी दिखाई दे रही है। रुबीना दिलैक की मां ने अपनी बेटी की दोनों बेटियों को गोद में ले रखा है। नानी की गोद में दोनों बच्चियां काफी खुश नजर आ रही हैं। रुबीना दिलैक अक्सर अपनी बेटियों की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने साल 2018 में शादी की थी। ये कपल शादी के 5 साल बाद 2023 में माता-पिता बना था। रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' में एक साथ हिस्सा लिया था। ये सीजन एक्ट्रेस ने अपने नाम किया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज मन प्रसन्न रहेगा उदासी दूर रहेगी.आप खुशहाल महसूस करेंगे कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतो को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा. बच्चों का रवैया भी आप के अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य बहतर रहेगा , तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आय के स्त्रोत बढ़ेंगे रुका हुआ धन वापस आएगा और अचानक कहीं से धन लाभ होगा. जिससे आर्थिक पक्ष में मजबूती आयेगी. आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे. आपको पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. आपका पढ़ाई में मन लगेगा. साथ ही नये कोर्स को ज्वाइन करने के लिए भी दिन शुभ है. सफलता जरूर मिलेगी. कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ धन लाभ होगा आप कलाप्रेमी है तो आप के गुण और कला की तारीफ होगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सुबह उठते ही कुछ अच्छी खबर सुनने को मिलेगी एवं आप अपने आपमे बहुत गर्व महसूस करेंगे आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है. आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा जिंदगी की एहमियत का एहसास होगा. आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे. बच्चों के साथ आपका दिन मजेदार गुजरेगा.कोई नया टेंशन मत आने देना हैं काम को समझदारी से सुलझाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन जरुर थोड़ा व्यस्तता मे बीतेगा सामाजिक तौर पर नयी चुनौती सामने होगी इसलिए आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ेगा जो दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करें. आप एक टीम के रुप मे काम करें चुनौतीया दूर रहेगी एवं विरोधी पस्त होंगे आपको लोगों से सराहना और सहयोग मिलने के संकेत है आपको अपने लोगों से या अपनी टीम से सम्मान मिल सकता है. दाम्पत्य जीवन मजेदार रहेगा एक नयी उर्जा रहेगी

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिनमान आपके लिए उतार–चढ़ाव से भरा रहेगा. खर्चों में एकदम से तेजी आएगी जो शाम तक आपको परेशान कर सकती है लेकिन धैर्य रखने से बात बनेगी. खर्चों पर नियंत्रण रखें. बेवजह की बातों को दिमाग से ना लगाएं. किसी से झगड़ा ना करें. दांपत्य जीवन खुशनुमा रहेगा. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों को भी राहत की सांस मिलेगी. एक–दूसरे से बातचीत होगी और जो लंबे समय से रुकी हुई बातें थी, वो अब होने लगेंगी. आपका दिल खुश हो जाएगा. काम के सिलसिले में दिनमान अच्छा है.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. इस राशि के छोटे बच्चे आज पढ़ाई में अधिक रूचि लेंगे. इससे माता–पिता बहुत खुश रहेंगे. जो लोग अविवाहित हैं, उनके लिए आज का दिन शुभ है. विवाह के लिए प्रस्ताव आयेगा. आज पुरे दिन परिवार का माहौल आनन्दमय बना रहेगा. स्वास्थ्य आज पहले से बढ़िया रहेगा. आपकी कोई खास इच्छा आज जरूर पूरी होगी. लवमेट के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा. कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतों को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सामाजिक और राजनीति गतिविधियों मे समय गुजरेगा आप की जान पहचान भी बढेगी आपको जो आपको सम्मान दिला सकता है. कुछ ऐसे काम जो आपकी इमेज को एक नया रंग दे सकते हैं, उन्हें करने की कोशिश करें. कुछ नया शुरू करने या नई जिम्मेदारी मिलने का दिन है. आपको अपने कार्यक्षेत्र में विशेष पहचान मिलेगी. आपकी सलाह लोगों के लिए बहुत मददगार हो सकती है. वर्तमान मे बनाए हुए सम्बन्ध भविष्य मे लाभ देंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज दिन कुछ कमजोर गुजरेगा . परिवार में किसी बात को लेकर खींचातानी हो सकती है जिसकी वजह से आप को थोड़ी परेशानी भी होगी लेकिन कोशिश करने से समाधान निकल जाएगा और समस्याएं दूर होंगी. गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा. रिश्ते में रोमांस भी रहेगा और एक दूसरे के प्रति आकर्षण की भावना भी बढ़ेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा. आप अपनी बात कहने में सक्षम होंगे. यात्रा का योग बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धार्मिक ग्रंथों का पठन और श्रवण करेंगे मंदिर मे देव प्रतिमा को अपने हाथों से श्रृंगार करेंगे संतान सुख की प्राप्ति होगी. परिवार के सुख–सौभाग्य में वृद्धि होगी. ऑफिस में आज किसी से बहस होने की संभावना है. आपको इससे बचकर रहने की जरूरत है. कोई जरूरी केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा. ऐग्रिकल्चर मे निवेश आपको धन लाभ देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

महनत अच्छा परिणाम देगी शतप्रतिशत फल मिलेगा आय में वृद्धि होगी. जिस काम की आपको उम्मीद थी, आपको उसका परिणाम बहुत अच्छा मिलेगा. आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए. पारिवारिक कलह होगी इसलिए थोड़ा–सा वाणी पर संयम रखें. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपको नवग्रह शान्ति करानी चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज ऑफिस मे ओवरटाइम करना पडेगा.जिससे पारिवारिक तनाव बनेगा आप काम के दबाव से परेशान रह सकते हैं. करियर के मामलों में इस बात का विशेष रुप से ध्यान रखें. नकारात्मक लोगों और चीजों से दूर रहें. आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय ले सकते हैं गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा सूर्य को रक्त पुष्प और गंध युक्त जल अर्पण करें।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 16 नवंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 11:52 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 07:28 तक
योग : परिघ रात्रि 11:46 तक
करण : बालव दोपहर 01:24 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वृश्चिक संक्रांति प्रात: 07:21 से , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से मध्यान्ह तक , शनि रोहिणी अमृत सिद्धि योग रात्रि 07:28 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जयपुर घाट पर दिव्य महाआरती में शामिल हुई दीया कुमारी

52 घाटों पर हुई महाआरती व दीपदान

जयपुर,15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर में चल रहे अंतरराष्ट्रीय मेले का आज कार्तिक पूर्णिमा के साथ समापन हो गया, पूर्णिमा के दिन अल सुबह से ही पुष्कर सरोवर के घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई, जिन्होंने पवित्र पुष्कर सरोवर में आस्था की डूबकी लगाई और जगत पिता ब्रह्मा के दर्शन किए।

2 नवंबर से पुष्कर पशु मेले की शुरुआत हुई थी जो शुक्रवार को पूर्णिमा पर समाप्त हो गया। पुष्कर के मेला मैदान में सुबह समापन समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी शामिल हुई और उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और पर्यटन विभाग व पशुपालन विभाग के साथ जिला प्रशासन की ओर से आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया था।

तीर्थ नगरी पुष्कर में आज देव दिवाली (कार्तिक पूर्णिमा) के मौके पर पुष्कर सरोवर के 52 घाटों पर पारंपरिक वेशभूषा के साथ महाआरती का आयोजन किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर सभी 52 घाटों पर दीपदान भी किया गया। पुष्कर सरोवर के जयपुर घाट पर हुई दिव्य महाआरती में प्रदेश की डिप्टी सीएम दिया कुमारी शामिल हुई और उन्होंने घाट पर पूजा अर्चना की उसके बाद पुष्कर सरोवर की महाआरती की, देव दिवाली कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित दिव्य महाआरती के लिए जयपुर घाट को दुल्हन की तरह सजाया गया था, घाट पर स्थानीय महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में दीपदान किया और महाअ–रती में भाग लिया। इसके पश्चात आसमान में जिला प्रशासन की ओर से भव्य आतिशबाजी भी की गई। मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने बताया कि उनको महाआरती में शामिल होने का सौभाग्य मिला, उन्होंने कहा कि बजट घोषणा में पुष्कर के विकास के लिए घोषणा की गई थी और पुष्कर में भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा, दिया कुमारी ने कहा कि पुष्कर मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस मौके पर प्रदेश के जल संसाधन कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत, अजमेर जिला कलेक्टर लोकबंधु, एसपी वंदिता राणा, एडिशनल एसपी ग्रामीण दीपक कुमार शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरियाणा की नई विधानसभा पर रार

मैदान में उतरे सीएम नायब सैनी, पंजाब केमुख्यमंत्री पर साधा निशाना

चंडीगढ़ ,15 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की नई विधानसभा के लिए चंडीगढ़ में जमीन देने के मामले में सियासत नहीं थम रही है। अब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का इस पर बयान आया है। सैनी ने कहा कि चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक है।

सैनी ने कहा कि पंजाब के सीएम भगवंत मान गलत राजनीति से ऊपर उठकर काम करें। पंजाब के लोगों के हित के लिए काम करें। बेवजह के मुद्दों पर लोगों का ध्यान भटकाने का काम ना करें। सैनी ने कहा कि मान ने पहले एसवाईएल पर पंजाब के लोगों को गुमराह किया, अब भी गुमराह करने का काम कर रहे हैं। पंजाब के किसानों की फसल खरीद वहां की सरकार एमएसपी पर नहीं कर पाई। सैनी ने कहा कि पंजाब हमारा बड़ा भाई है, वहीं के किसान हरियाणा को पानी देना चाहते हैं।

इस मामले में दोनों प्रदेशों के नेता भी आमने सामने हैं। पंजाब भाजपा प्रदेश ध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पीएम नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि वे हरियाणा विधानसभा के लिए चंडीगढ़ में भूमि का आवंटन रुकवाएं।

पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और अकाली दल ने भी इसका विरोध किया है। दूसरी ओर, हरियाणा के भाजपा नेताओं ने प्रदेश का अलग विधानसभा भवन चंडीगढ़ में बनने के हक में आवाज उठाई है और पंजाब के नेताओं को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस ने तो भवन के लिए जमीन के बदले चंडीगढ़ को जमीन देने का भी विरोध किया है।

हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कहा कि पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान चंडीगढ़ पर हक जमाते हैं, लेकिन चंडीगढ़ तब उनका है, जब वह विभाजन में मिला हिंदी भाषी क्षेत्र हरियाणा को स्थानांतरित कर देंगे, जब हरियाणा को एसवाईएल का पानी दे देंगे। यह सब होने तक चंडीगढ़ पर हरियाणा का अधिकार है। दोनों राज्यों के बीच जो समझौता हुआ था, पंजाब उसे लागू नहीं कर रहा। उन्होंने कहा कि जिस समय पंजाब व हरियाणा अलग हुए, उस समय हरियाणा को वर्तमान विधानसभा परिसर में एडजस्ट किया गया।

जिलास्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह आयोजित

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया वर्चुअल संबोधन

केकड़ी,15 नवंबर (एजेंसियां)। जनजातीय गौरव दिवस पर केकड़ी में जिला स्तरीय समारोह एवं संवाद कार्यक्रम शुक्रवार को नगर परिषद सभागार में आयोजित हुआ। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिला स्तरीय समारोह को वर्चुअल संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के शुभ अवसर पर धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया गया है। इससे 26 राज्यों, 4 केन्द्र शासित प्रदेशों के 63 हजार 846 गांवों में निवासित 5.38 करोड़ जनजातीय लोगों के लिए आगामी वर्षों में 59 हजार 156 करोड़ रूपए का परिव्यय किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत सम्पूर्ण भारत वर्ष में एक साल तक निरंतर जन जातीय उत्कर्ष एवं समृद्धि हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासी कल्याण भारत सरकार की प्राथमिकता है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका एवं समग्र जनजातीय विकास के लिए केन्द्र सरकार आधारभूत संरचना तैयार करने का कार्य कर रही है। उन्होंने बिहार के जमुई से वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम मिलकर देश के आदिवासियों के विचारों का भारत बनाएंगे। इसके लिए उनकी संस्कृति को सहेजने व जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री का वर्चुअल संबोधन पूर्ण होने के बाद स्थानीय समारोह की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर चंद्रशेखर भंडारी ने भारत की आजादी के लिए हुए विभिन्न विद्रोहों का उल्लेख करते हुए भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष से प्रेरणा लेते हुए उनके सिद्धांतों व राष्ट्र प्रेम की भावना को जीवन में अंगीकार करने का आह्वान किया।

गुजरात के नेता को एनडीपीएस एक्ट मामले में फंसाने की साजिश

जालौर,15 नवंबर (एजेंसियां)। सांचोर पुलिस ने 6 साल पुराने एक एनडीपीएस एक्ट के मामले में साजिश के तहत कांग्रेस के गुजरात के एक नेता को फंसाकर गिरफ्तार करने के मामले में एक कांस्टेबल और एक हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। दरअसल गुजरात में कांग्रेस के दिग्गज नेता के करीबी अहमदाबाद के सेंधाभाई को वर्ष 2019 में डोडा चूरा तस्करी में झूठा फंसा दिया गया था। उच्च स्तरीय जांच के बाद एसपी ऑफिस में कार्यरत हेड कांस्टेबल भंवर सिंह और बागोड़ा थाने में कार्यरत कांस्टेबल मीठालाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले की जांच में सामने आया कि गुजरात के एक प्रॉपर्टी डीलर के कहने पर यह साजिश रची गई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक

दो पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

गहलोत के दखल पर हुई उच्च स्तरीय जांच की फाइल अब तक कागजों में दबी हुई थी। सांचौर एसपी ज्ञानचंद ने निर्देश पर 100 नंबर एफआईआर के तहत हेड कांस्टेबल भंवर सिंह और कांस्टेबल मीठालाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार एसपी ऑफिस में कार्यरत हेड कांस्टेबल भंवर सिंह और कांस्टेबल मीठालाल को पुलिस आलाधिकारियों ने बुधवार को सांचौर बुलाया था।

अहमदाबाद के सेंधा भाई की करोड़ों की जमीन पर प्रॉपर्टी डीलरों की नजर थी। पहले खरीदने की कोशिश की, लेकिन बेचने से मना कर दिया। सेंधा भाई को रास्ते से हटाने के लिए षड्यंत्र रचते हुए सांचौर में डोडा पोस्त के मामले में गिरफ्तार करवाना तय किया। 50 लाख रुपए में डील करने के बाद हेड कांस्टेबल भंवर सिंह और कांस्टेबल मीठालाल ने एनडीपीएस के मामले में सेंधा भाई को गिरफ्तार कर लिया। गुजरात में कांग्रेस के दिग्गज नेता के करीबी होने के कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दखल दिया था।

सांचौर एडिशनल एसपी आवडदान रतनू ने बताया कि 2019 में एनडीपीएस एक्ट का मामला है। इस मामले में काफी लंबी और गहन जांच की गई है। 100 नंबर एफआईआर का यह मुकदमा है, जिसमें जांच के दौरान 2019 के समय डीएसटी टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल भंवर सिंह और कांस्टेबल मीठालाल का नाम सामने आया था। कॉल डिटेल और अन्य संलिप्तता प्रमाणित पाए जाने पर दोनों को गिरफ्तार किया है।

कोहरे में चौक से टकराई तीर्थयात्रियों की डबलडेकर बस

चौक पूरी तरह क्षतिग्रस्त, बाल–बाल बचे यात्री

बराड़ा,15 नवंबर (एजेंसियां)। अमृतसर से हरिद्वार के लिए निकली तीर्थयात्रियों से भरी डबल डेकर बस शुक्रवार को सीवनमाजरा में कोहरे के कारण चौक से टकरा गई। जिससे चौक पूरी तरह से टूट गया। गनीमत यह रही कि यात्री बाल–बाल बच गए। हादसे के समय अधिकतर यात्री सो रहे थे। यात्रियों को जोर का झटका लगा।

कोलकाता निवासी बस ड्राइवर देवाशीष सरकार ने बताया कि वह हावड़ा से डबल डेकर टूरिस्ट बस में करीब 56 यात्रियों के साथ निकले थे। विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन करते हुए वह बीते कल अमृतसर साहिब पहुंचे थे। जहां माथा टेकने के बाद वह हरिद्वार के लिए चले थे। शाहाबाद से यमुनानगर रोड पर अल सुबह करीब 3 बजे वह सीवनमाजरा में दानवीर भामाशाह चौक पर पहुंचे। कोहरा ज्यादा होने के कारण उन्हें चौक दिखाई नहीं दिया और बस चौक में टकरा गई। इस दौरान सभी यात्री सुरक्षित बच गए लेकिन बस क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही बराडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण अलवर में ग्रेप 3 सिस्टम लागू

अलवर,15 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 400 पहुंचते ही अलवर सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण की ग्रेप 3 (ग्रेनेड रिपोन्स एक्शन प्लान) की पाबंदियां लागू हो गई है। इससे पहले अलवर में ग्रेप 2 की पाबन्दी लागू की गई थी। ऐसा अलवर में वायु प्रदूषण का स्तर 320 एक्यूआई होने पर किया गया था। बता दें कि ग्रेप दो की पाबंदी 300 से 400 एक्यूआई होने पर लगाई जाती है और अलवर में वायु प्रदूषण का स्तर 300 से अधिक हो चुका था, लेकिन दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर 400 पार कर चुका है, इसीलिए अलवर सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र में भी ग्रेप 3 की पाबंदियां लागू कर दी गयी हैं।

हालांकि अलवर का औसत एक्यूआई 100 से 200 तक था, लेकिन दिल्ली में वायु प्रदूषण 400 से अधिक होने के कारण अलवर को भी ग्रेप 3 की पाबंदियां झेलनी पड़ेगी। अगर एक्यूआई इसी तरह बढ़ता रहा तो अलवर में भी स्कूल बंद करने पर विचार किया जा सकता है।

शहर में गुरुवार को वायु प्रदूषण का स्तर 231 रहा। रात 10 बजे यह प्रदूषण घटकर 165 हो गया था। शहर में एक्यूआई का स्तर बुधवार सुबह 11 बजे 382 पर था।

कुल मिलाकर अलवर शहर की हवा अब विषैली हो चुकी है।

शहर में वायु प्रदूषण को देखते हुए नगर निगम की ओर से जेल सर्किल से ट्रांसपोर्ट नगर, 200 फिट रोड, अग्रसेन सर्किल, हनुमान सर्किल, सामोला चौक, मोती डूंगरी एरिया से लेकर मिनी सचिवालय, बस स्टैंड और सामान्य चिकित्सालय क्षेत्र में पानी का छिड़काव कराया गया।

कार से 37.50 लाख रुपये के सोने–चांदी के जेवरात चोरी का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

सिरोही,15 नवंबर (एजेंसियां)। फ्रंटियर रेंज पुलिस महानिरीक्षक चिराग कोर्डिया के निर्देशानुसार पालनपुर डिवीजन के पुलिस उपधीक्षक डॉ. जेजे गामित के मार्गदर्शन में अंबाजी थाना इंचार्ज आरबी गोहिल की अगुवाई में टीम द्वारा यह कारवाई की गई। इस कारवाई में जेतवास, सुरमाताजी की फली तहसील दांता जिला बनासकांठा निवासी गुलाबभाई हंजाभाई तथा गोवाभाई भारमाभाई को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से कार से चुराए गए विभिन्न प्रकार के सोने–चांदी के जेवरात भी जब्त कर लिए गए है।

पुलिस की गोली से दो बदमाश घायल

सोनीपत,15 नवंबर (एजेंसियां)। सोनीपत के गांव रेवली के पास लूट का षड्यंत्र रच रहे दो बदमाशों की सीआईए सेक्टर–3 के साथ मुठभेड़ हो गई। पुलिस टीम बदमाशों को पकड़ने पहुंची तो उन्होंने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। घायलों को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है।

सीआईए सेक्टर–3 प्रभारी रविकांत अपनी टीम के साथ मुरथल थाना क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी उन्हें सूचना मिली कि गांव रेवली के पास दो युवक लूट का षड्यंत्र रच रहे हैं। पुलिस को पता लगा था कि दोनों युवक कुंडली थाना क्षेत्र में लूट की घटना में शामिल रहे हैं। इस पर तुरंत पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दी। पुलिस ने दोनों युवकों को पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आरोपियों से दो पिस्तौल बरामद की है। आरोपियों की पहचान बिहार के जिला मुजफ्फरपुर के गांव पहाड़पुर निवासी जयप्रकाश उर्फ जेपी व गांव मोरहर निवासी विक्की के रूप में हुई है। इनमें विक्की वर्तमान में पानीपत क्षेत्र व जयप्रकाश सोनीपत में रह रहा था।

आरोप है कि दोनों ने नेशनल हाईवे–44 गांव नाथूपुर के पास स्थित टीडीआई मॉल के गेट के निकट गर्व ऑटो केयर फिलिंग स्टेशन पर 27 अक्तूबर को लूटपाट की थी। दोनों ने साथियों संग मिलकर दो सेल्समैन व डीजल लेने आए ट्रक चालक को गोली मारकर 5.15 लाख रुपये की नकदी लूटी थी। मामले को लेकर 28 अक्तूबर को यूपी के जिला बदायूं के सूरजपुर तपा फिलहाल कुंडली के पेपर मिल क्षेत्र निवासी कुलदीप ने लूट का मुकदमा दर्ज कराया था।

15 दिन में उखड़ गई सड़क, मंत्री रणबीर सिंह के पास पहुंची शिकायत पर एक्शन

हिसार,15 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में सड़क निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने पर लोक निर्माण मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बीएंडआर के एक्सईएन रजनीश, एसडीओ दलबीर राठी व जेई सुरेश को सस्पेंड कर दिया है। धान्सू से धिकताना गांव तक बनाई गई सड़क 15 दिन बाद ही उखड़ने के मामले में यह कार्रवाई की गई है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्माण एजेंसी से रिकवरी करने के भी आदेश दिए हैं। बता दें कि बीएंडआर ने धान्सू से धिकताना गांव करीब 6 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई थी। सड़क का निर्माण 24 अक्तूबर को ही पूरा हुआ था। मगर 15 दिन बाद ही यह सड़क जगह–जगह उखड़ने लगी थी। ग्रामीणों की मानें तो कोई भी वाहन आता है तो सड़क बैठ जाती हैं। साथ ही सड़क उबड़–खाबड़ बनाई हुई है। सड़क पर वाहन चलाते समय झटके लगते हैं।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री लगाने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि अगर सड़क निर्माण में ठीक सामग्री लगाई जाती तो सड़क इस तरह से न उखड़ती। यह मामला सामने आने पर अधिकारियों ने इस सड़क पर तुरंत पैचवर्क करवा दिए थे। मंत्री रणबीर सिंह गंगवा शुक्रवार को धान्सू गांव में गए थे। इस दौरान ग्रामीणों ने उनके सामने सड़क निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने मामला रखा। मंत्री ने ग्रामीणों की समस्या पर तुरंत कार्रवाई करते हुए बीएंडआर के एक्सईएन रजनीश, एसडीओ दलबीर राठी व जेई सुरेश को सस्पेंड करने के आदेश दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.